RNI NO. DELHIN/2012/48369
वर्ष 8 अंक 194
नई दिल्ली, मंगलवार, 19 मई, 2020
पृष्ठ 12 मूल्य ₹ 3
नगर संस्करण

नई दिल्ली, लखनऊ, रायपुर और फरीदाबाद से प्रकाशित

पायनियर

पंकज त्रिपाठी ने की सोशल मीडिया की प्रशंसा
विविध-12

www.dailypioneer.com

राज्यों ने खोले ताले-लौटी रौनक

पायनियर समाचार सेवा। नई दिल्ली

लॉकडाउन-4

- कई प्रदेशों ने बाजार, सैलून खोलने और अंतरराज्यीय बस सेवा समेत आर्थिक गतिविधियों को शुरू करने की अनुमति दी
- निषिद्ध क्षेत्रों में केवल जरूरी सेवाएं ही दी जाएंगी, सोशल डिस्टेंसिंग के नियमों का सख्ती से होगा पालन

जालंधर में लॉकडाउन के दौरान मिली छूट के बाद अपनी दूकान को व्यवस्थित करता कपड़ा दूकानदार

कोरोना संकट से जूझ रहा देश सोमवार को लॉकडाउन के चौथे चरण में प्रवेश कर गया। राज्य सरकारों ने किसी हद तक बाजार, सैलून, प्राइवेट टैक्सियों, ऑटो, अंतरराज्यीय बस सेवा और वाहनों समेत आर्थिक गतिविधियां को शुरू करने को हरी झंडी दे दी है। लेकिन मॉल, मेट्रो रेल, घरेलू और अंतरराष्ट्रीय उड़ानों, कॉलेज, धार्मिक सभाओं पर रोक जारी रहेगी। विभिन्न राज्यों ने ग्रीन और ऑरेंज जोन में आर्थिक गतिविधियों को छूट दे दी है तथा लॉकडाउन के दिशा-निर्देशों को निषिद्ध क्षेत्रों तक ही सीमित कर दिया है। कर्नाटक और पश्चिम बंगाल जैसे कुछ राज्यों ने सैलून तथा नाई की दुकानों को खोलने की इजाजत दे दी है, जहां पर ग्राहकों के साथ करीबी संपर्क खतरनाक साबित हो सकता है। इसके विपरीत दिल्ली में नाई की दुकानों, स्पा और सैलून को अभी खोलने की अनुमति नहीं दी गई है। तेलंगाना में भी सैलूनों को खोलने तथा राज्य की सीमा में बस सेवा शुरू करने को मंजूरी दे दी है।

गृह मंत्रालय द्वारा लॉकडाउन 4.0 की गाइड लाइन जारी किए जाने के एक दिन बाद वॉलमार्ट के स्वामित्व वाले फ्लिपकार्ट ने कहा कि निषिद्ध क्षेत्रों समेत पूरी तरह पूरी तरह से सेवा शुरू करने के लिए वह विभिन्न राज्यों द्वारा परामर्श जारी करने का इंतजार कर रहा है। सोशल डिस्टेंसिंग के नियमों के साथ पार्क और स्पोर्ट्स कांप्लेक्स खुलेंगे लेकिन जरूरी सेवाओं के अलावा शाम सात से सुबह सात बजे तक घर बाहर निकलने पर पाबंदी जारी रहेगी। टैक्सी और कैब को अनुमति दी गई है लेकिन कार में एक बार में दो ही यात्री सफर कर सकेंगे। सरकारी और प्राइवेट कार्यालयों में सीमित कर्मचारियों के साथ ही काम किया जा सकेगा।

केंद्र ने राज्यों को आपसी सहमति के आधार पर अंतरराज्यीय बस सेवा शुरू करने की मंजूरी दे दी है। इस कदम में सार्वजनिक परिवहन में पेश आ रही दिक्कतें काफी कम होगी तथा 54वें दिन में प्रवेश कर चुके राष्ट्रव्यापी लॉकडाउन के बीच पैदल ही रास्ता तय कर अपने घरों की ओर जा रहे प्रवासी मजदूरों को काफी राहत मिलने के आसार हैं। रात में सात से सुबह सात बजे तक रात्रि कर्फ्यू सभी जोनों में लागू रहेगा। होटल, रेस्टोरेंट तथा अन्य हॉस्पिटेलिटी सेवाएं, बस डिपो, रेलवे और हवाई अड्डों पर कैंटीनों के संचालन को छोड़कर, को अनुमति नहीं दी जाएगी। कोरोना महामारी से सबसे ज्यादा प्रभावित राज्य महाराष्ट्र और खासतौर पर उसकी राजधानी मुंबई में देश भर के 20 फीसदी कोरोना वायरस के मामले हैं। फिलहाल मुंबई के बड़े हिस्से में कोई छूट नहीं दी जाएगी। अधिकारियों ने मुंबई को अब भी रेड जोन में बताते हुए पाबंदियों में कोई ढील नहीं दी है और लोगों को आगाह किया है कि लॉकडाउन के चौथे चरण में किसी को नियमों का उल्लंघन करते हुए पाया गया तो उसके खिलाफ सख्त कार्रवाई की जाएगी। राज्य में कोरोना की स्थित को देखते हुए अपेक्षाकृत नरम रवैया अख्तियार करते हुए कर्नाटक सरकार ने आर्थिक गतिविधियों को फिर शुरू करने के लिए कई बड़ी रियायतें दी है। इन रियायतों को देने के साथ कर्नाटक के मुख्यमंत्री बीएस येदियुरप्पा ने कहा कि चार राज्यों महाराष्ट्र, गुजरात, तमिलनाडु और केरल से आने वालों के 31 मई तक राज्य में प्रवेश की अनुमति नहीं दी जाएगी। राज्य सरकार ने बाहरी राज्यों से आने वालों के कारण कोरोना फैलने की आशंका के मद्देनजर यह कदम उठाया है। कर्नाटक सरकार ने लॉकडाउन के नियमों में और ढील देते हुए रेड जोन और निषिद्ध जोन को छोड़ कर राज्य के सभी चार परिवहन निगमों को बस सेवा शुरू करने की अनुमति दे दी। मुख्यमंत्री ने बेंगलुरू में संवाददाताओं को बताया कि निजी बसों को भी परिचालन की अनुमति दी गई है।उन्होंने बताया कि बसों में केवल 30यात्रियों को ही यात्रा की इजाजत दी जाएगी और मास्क लगाना तथा सामाजिक दूरी का पालन करना सबके लिए जरूरी होगा। बस का किराया नहीं बढ़ाया जाएगा। मुख्यमंत्री ने बताया कि अंतर-राज्यीय परिवहन को मंजूरी नहीं दी जाएगी केवल आपात स्थितियों में ही इसकी अनुमति होगी। इसी प्रकार से ऑटो और टैक्सियों को भी चलाने की अनुमति दी गई है लेकिन उसमें चालक को मिला कर केवल तीन ही लोग यात्रा कर सकेंगे। बड़ी कैब में चालक सहित चार लोग यात्रा कर सकते हैं। (शेष पेज 9)

दिल्ली में खुलेंगी दुकानें चलेंगी कैब-ऑटो व बसें

- केजरीवाल ने कोरोना संग जीने का नुस्खा दोहराते हुए किया ढेर सारी रियायतों का ऐलान

पायनियर समाचार सेवा। नई दिल्ली

राष्ट्रीय राजधानी में लॉकडाउन-4 के दौरान काफी हद तक पाबंदियां हटा दी गई हैं। दिल्ली में शर्तों के साथ बस, ऑटो, कैब, टैक्सी आदि चलाने की इजाजत मिल गई है। निर्माणकार्य भी किए जा सकेंगे, लेकिन इसके लिए मजदूर केवल दिल्ली वाले होंगे। शर्तों के साथ सभी सरकारी और निजी ऑफिस खुल सकेंगे। सोशल डिस्टेंसिंग के नियमों का पालन करते हुए बाजार भी खोले जाएंगे। दुकानों को ऑड-ईवन फार्मूले के तहत खोला जाएगा। हवाई यात्रा, मेट्रो रेल, मॉल, जिम, सैलून, स्पा और सिनेमाघर अभी बंद ही रहेंगे। कंटेनमेंट जोन में जरूरी सेवाओं के अलावा किसी भी गतिविधि की अनुमति नहीं होगी। मुख्यमंत्री अरविंद केजरीवाल ने सोमवार शाम प्रेस कॉन्फ्रेंस कर दिल्ली को खोलने का ऐलान किया। हालांकि भाजपा ने इस पर कड़ी प्रतिक्रिया दी है। भाजपा सांसद गौतम गंभीर ने इसे गलत कदम करार देते हुए डेथ वॉरंट जारी करने जैसा बताया।

केंद्रीय गृह मंत्रालय ने कोरोना वायरस का प्रसार रोकने के लिए रविवार को ही पूरे देश में लॉकडाउन 31 मई तक बढ़ा दिया था। इसे लेकर नए दिशा-निर्देश जारी किए गए। इनमें राज्यों को रेड, ऑरेंज और ग्रीन जोन खुद निर्धारित करने की छूट दी गई है। साथ बाजार खोलने और सार्वजनिक परिवहन षुरू करने के लिए अपने नियम बनाने की इजाजत दे दी।

दिल्ली के मुख्यमंत्री केजरीवाल कई दिन से बाजार और कारोबार खोलने की वकालत कर रहे थे। उन्होंने कहा था कि बीमारी से निपटने के इंतजाम कर लिए गए हैं लेकिन लोगों को ज्यादा दिन घरों में कैद करके नहीं रखा जा सकता। काम-धंधे षुरू करने ही होंगे। गृह मंत्रालय की हरी झंडी मिलते ही उन्होंने सोमवार को ऐलान किया कि रेस्टोरेंट खोले जा सकते हैं, लेकिन सिर्फ होम डिलिवरी ही होगी। स्पोर्ट्स कॉम्पलेक्स खोले जाएंगे लेकिन दर्शकों की इजाजत नहीं होगी। ऑटो रिक्शा, ई-रिक्शा, साइकिल रिक्शा सिर्फएक यात्री के साथ चलने की अनुमति होगी। साथ ही टैक्सी और कैब, ग्रामीण सेवा और फटफट सेवा में दो सवारियां बैठाकर चल सकते हैं। आरटीवी में ज्यादा से ज्यादा 11 यात्री बैठ सकते हैं।

मुख्यमंत्री ने कहा कि सार्वजनिक परिवहन की बसें भी चलेंगी, लेकिन ज्यादा से ज्यादा 20 सवारियां ही सफर कर सकेंगी। सभी यात्रियों की स्क्रीनिंग होगी। चौपहिया गाड़ी यानी कार में ड्राइवर के साथ दो सवारी की इजाजत होगी। वहीं, बाइक पर सिर्फ अकेला आदमी चल सकेगा। उसके साथ पिछली सीट पर किसी भी व्यक्ति को बैठने की अनुमित नहीं है। सोशल डिस्टेंसिंग बनाए रखने की जिम्मेदारी ट्रांसपोर्ट डिपार्टमेंट की होगी। यूं तो निजी दफ्तर भी खुल गए हैं लेकिन कंपनियों को अधिक से अधिक कर्मचारियों को घर से काम करने के लिए प्रोत्साहित करना होगा। कॉलोनियों में सभी तरह की दुकानें खुलेंगी लेकिन सोशल डिस्टेंसिंग बनाए रखने की जिम्मेदारी दुकानदार की होगी। दिल्ली की सीमाओं पर डॉक्टरों, पैरामेडिकल स्टाफ, नर्स, सफाई कर्मचारियों और एंबुलेंस को आने की अनुमति होगी। गुड्स और कार्गो से लदे और खाली ट्रकों को आने की अनुमति होगी। नए नियमों के मुताबिक मेट्रो, स्कूल-कॉलेज, शॉपिंग मॉल, स्विमिंग पूल, होटल, सिनेमा हॉल, मॉल, बार, राजनीतिक और धार्मिक जलसे बंद रहेंगे। नाई की दुकान, स्पा और सैलून खोलने की अनुमति नहीं होगी। शादी-समारोह में 50 लोगों के षामिल होने की छूट होगी। अंतिम संस्कार में 20 लोग जा सकेंगे। सभी तरह के धार्मिक स्थल बंद रहेंगे। खास यह कि शाम 7 बजे से सुबह 7 बजे के बीच घरों से बाहर निकलना पूरी तरह से बंद हैं। बहुत जरूरी काम होगा या कोई इमरजेंसी तभी निकल सकते हैं। दिल्ली में सोमवार को कोरोना के मामले बढ़कर 10,000 के पार पहुंच गए हैं। मौत का आंकड़ा भी 160 पर पहुंच गया है। आंकड़ों के मुताबिक, दिल्ली में पिछले 24 घंटों में 299 नए मामले सामने आए हैं।

मजदूरों के लिए हजार बसों की प्रियंका की मांग योगी ने मानी

- गाजियाबाद-नोएडा से श्रमिकों को पहुंचाएंगी गांव, कांग्रेस महासचिव ने सीएम को कहा-धन्यवाद

पायनियर समाचार सेवा। लखनऊ

कांग्रेस महासचिव व यूपी कांग्रेस की प्रभारी प्रियंका गांधी वाड्रा के प्रस्ताव को प्रदेश की योगी आदित्यनाथ सरकार ने स्वीकार कर लिया है। सरकार ने उनसे एक हजार बसों की लिस्ट मांगी है। प्रियंका ने यूपी सीएम योगी आदित्यनाथ को पत्र लिखकर प्रवासी श्रमिकों को घर पहुंचाने के लिए 1000 बसें चलाने की अनुमति मांगी थी। उन्होंने कहा था कि कांग्रेस पार्टी मजदूरों को उनके घर पहुंचाने में जो खर्च आएगा, वह वहन करेगी। ऐसे में हमें एक हजार बसें चलाने की अनुमति दी जाए। प्रदेश के अपर मुख्य सचिव गृह अवनीश कुमार अवस्थी ने इस संबंध में प्रियंका के निजी सचिव को एक पत्र भेजा है। पत्र में कहा गया है कि प्रवासी मजदूरों के संदर्भ में प्रियंका गांधी के प्रस्ताव को स्वीकार कर लिया गया है। आप एक हजार बसों की सूची चालक-परिचालक का नाम व अन्य जानकारी उपलब्ध कराने का कष्ट करें, (शेष पेज 9)

योगी ने पूछे प्रियंका से सवाल

- कहा-मजदूरों की मददगार बनने का स्वांग रच रही है कांग्रेस

लखनऊ(पीएनएस)। मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने कांग्रेस और प्रियंका गांधी वाड्रा पर सीधा निशाना साधा है। उन्होंने कहा है कि यह पार्टी मजदूरों की मददगार बनने का बस स्वांग रच रही है। सीएम योगी ने कांग्रेस महासचिव प्रियंका और उनकी पार्टी से कुछ सवाल भी पूछे हैं। दरअसल बीते कुछ दिनों से प्रियंका लगातार सीएम योगी पर मजदूरों के मुद्दे को लेकर हमला बोल रही हैं। (शेष पेज 9)

नोएडा फिर वायरस के चंगुल में फंसा, एक दिन में 31 केस

- ओपो, वीवो कंपनी में 11 पाजिटिव, आपरेशन बंद
- मीडिया हाउस के 15 कर्मचारी कोविड 19 पाजिटिव

रिंकू यादव। नोएडा

कोरोना वायरस की चपेट में शहर की दो नामी कंपनियों के साथ एक मीडिया हाउस भी आ गया है। सोमवार को 1679 लोगों की रिपोर्ट मिली। इसमे 1648 लोगों की रिपोर्ट निगेटिव मिली जबकि इसमे 31 लोग पाजिटिव मिले। इन सभी को सेक्टर.30 स्थित चाइल्ड पीजीआई में भर्ती किया गया है। ऐसे में संक्रमित मरीजों की संख्या बढ़कर 286 हो चुकी है। इसमे 194 मरीज ठीक होकर घर जा चुके है। 87 मरीज सक्रिय हैं। जिनका इलाज किया जा रहा है।

जिला सर्विलांस अधिकारी ने बताया कि कासना ग्रेटरनोएडा में ओपो कंपनी है। (शेष पेज 9)

कोरोना केस लाख का आंकड़ा छूने की ओर

पायनियर समाचार सेवा। नई दिल्ली

भारत में सोमवार की रात आठ बजे तक 24 घंटों के दौरान 157 लोगों की मौत हुई और 5242 नए मामले सामने आए। जिससे संक्रमित लोगों की संख्या करीब एक लाख तक पहुंच गयी है। स्वास्थ्य मंत्रालय ने कहा कि वर्तमान में हमारे यहां ठीक होने की दर 38.29 फीसदी है। भारत में एक लाख की आबादी पर कोरोना वायरस के 7.1 मामले हैं जबकि वैश्विक स्तर पर यह आंकड़ा प्रति एक लाख पर 60 पीड़ितों का है। स्वास्थ्य मंत्रालय ने सोमवार को यह जानकारी देते हुए कहा कि देश में कोविड-19 के कारण मरने वालों की संख्या 3029 हो गई है (शेष पेज 9)

आईसीएमआर ने कोविड-19 पर जांच की रणनीति बदली

पायनियर समाचार सेवा। नई दिल्ली

कोविड-19 की जांच के लिए अपनी रणनीति बदलते हुए आईसीएमआर ने सोमवार को कहा कि प्रवासी और लौटने वाले लोगों में अगर इन्फ्लुएंजा जैसी बीमारी के लक्षण दिखाई देते हैं तो इसके सात दिन के भीतर उनकी कोरोना वायरस के लिए जांच की जाएगी। उसने यह भी कहा कि जांच नहीं हो पाने की स्थिति में प्रसव समेत अन्य आपातकालीन क्लीनिकल प्रक्रियाओं में देरी नहीं होनी चाहिए। भारतीय आयुर्विज्ञान अनुसंधान परिषद (आईसीएमआर) ने भारत में कोरोना वायरस की जांच के लिए अपनी परिवर्तित रणनीति में यह भी जोड़ा है कि अस्पतालों में भर्ती किसी भी रोगी को और कोविड-19 की रोकथाम और नियंत्रण में लगे अग्रिम पंक्ति के लोगों में इन्फ्लुएंजा जैसी बीमारी (आईएलआई) के लक्षण दिखने पर उनकी भी आरटी-पीसीआर जांच होगी। इसके अलावा किसी संक्रमित मामले के सीधे संपर्क में और अत्यंत जोखिम में रहने वाले ऐसे लोग जिनमें लक्षण नहीं हैं, (शेष पेज 9)

घर जाने की आस में जुटे हजारों मजदूर, टूटे नियम

घर जाने के लिए वेरिफिकेशन को गाजियाबाद के घंटाघर रामलीला मैदान में सोशल डिस्टेंसिंग की धज्जियां उड़ाती प्रवासी श्रमिकों की भीड़। कविनगर रामलीला मैदान से प्रवासी श्रमिकों को बसों के द्वारा रवाना किया गया

विभु मिश्रा। गाजियाबाद

- ट्रेन का पास लेने उमड़ी भीड़ में कोरोना संक्रमित भी थे, आरोग्य सेतु ऐप से पता लगने पर फूले अधिकारियों के हाथ-पांव

देश के अमूमन सभी राज्यों मजदूरों का पलायन जारी है। कोरोना महामारी की रोकथाम को लागू लॉकडाउन में रोजी रोटी को तरसे लाखों मजदूर हर दिन घर वापसी के लिए सड़कों पर उतर रहे हैं। सोमवार को गाजियाबाद में भी उतावले श्रमिकों की ऐसी ही भीड़ दिखाई दी। शहर के घंटाघर रामलीला मैदान में हजारों मजदूर एक साथ जुट गए। इतने विशाल जमावड़े से सोशल डिस्टेंसिग की धज्जियां उड़ गईं। (शेष पेज 9)

बाजार

सेंसेक्स	31,097
निफ्टी	9,136
सोना	/10g
चांदी	/kg

क्विक न्यूज

सीबीएसई ने लंबित बोर्ड परीक्षाओं की तिथियों की घोषणा की

नई दिल्ली। सीबीएसई ने सोमवार को कक्षा 10वीं और 12वीं की लंबित बोर्ड परीक्षाओं के कार्यक्रम की घोषणा की। इसके अनुसार परीक्षाएं। से 15 जुलाई के बीच आयोजित कराई जाएंगी। कोविड-19 के प्रसार को रोकने के लिए 25 मार्च को लागू देशव्यापी लॉकडाउन के कारण परीक्षाएं स्थगित कर दी गई थी।कक्षा 10वी की बोर्ड परीक्षा केवल उत्तर पूर्वी दिल्ली मे लंबित है। संशोधित नागरिकता कानून के खिलाफ प्रदर्शन के चलते उत्पन्न हुई कानून और व्यवस्था की स्थिति के चलते यहां परीक्षा स्थगित की गई थी। कक्षा 10वी की परीक्षाएं चार दिन तक चलेंगी। पहला पेपर सामाजिक विज्ञान का होगा, जबकि अगले दिन छात्रों की विज्ञान विषय की परीक्षा होगी।

पहले ही दिन लंबे जाम ने किया हलकान

- डीएनडी, सहित नोएडा गाजियाबाद के नाकें पर लगा लम्बा जाम

पायनियर समाचार सेवा। नोएडा

लॉकडाउन-4 के पहले ही दिन डीएनडी पर लगा लम्बा जाम

लॉकडाउन-4 के पहले ही दिन डीएनडी समेत गाजियाबाद नोएडा और दिल्ली को जोड़ने वाले सभी नांकों पर जबरदस्त ट्रैफिक जाम लगा, कई हफ्तों तक घरों में बंद रहने के बाद अचानक बड़ी संख्या में निजी वाहन सड़कों पर उतर आए, क्योकि सरकार की तरफ से पाबंदी में ठील दी गई है। इसलिए पुलिस वाले भी खास टोका टाकी नहीं कर रहे थे विशेषकर डीएनडी पर स्थिति बेहद विकट थी। घंटों लोगों को जाम में फंसे रहना पड़ा। उनकी मुश्किलें गर्म हवा के थपेड़ों से और भी बढ़ गई थी। लंबे होते जाम को देखते हुए पुलिस की टीमें मौके पर पहुंच गईं और तीन चार घंटे की मशक्कत के बाद स्थिति को काबू में कर लिया। गौरतलब है कि, जिला प्रशासन ने दिल्ली से सटे सभी बॉर्डर सील कर रखे हैं। ऐसे में लॉक डाउन 4 के पहले दिन बॉर्डर पर भारी संख्या में वाहन जुट गए। सूचना पर पहुंची ट्रैफिक पुलिस एक-एक वाहन चालक से नोएडा आने की जानकारी ले रही थी। डीएनडी टोल प्लाजा में जिन वाहन चालकों के पास एंट्री पास था और जो वाहन चालक अति आवश्यक वस्तुओं को लेकर आ रहे थे। उन्हें ही ट्रैफिक पुलिस ने नोएडा में प्रवेश करने की अनुमति दी। पिछले करीब 10 दिनों से डीएनडी पर रोजाना ट्रैफिक जाम लग रहा है। ट्रैफिक पुलिस के मुताबिक, सबसे ज्यादा परेशानी दिल्ली पुलिस के रवैऐ से है। दिल्ली पुलिस नोएडा की ओर आने वाले वाहनों की अच्छी तरह जांच पड़ताल नहीं कर रही है। वहां से बिना पास वाहन चालक सीधे नोएडा बॉर्डर पर पहुंच जाते हैं। जिन्हें नोएडा पुलिस उप्र की सीमा में प्रवेश करने की इजाजत नहीं देती। जिसके कारण सभी बॉर्डरों पर भारी जाम लग रहा है।

250 किमी प्रति घंटा की गति से आएगा तूफान

ओडिशा व पश्चिम बंगाल में भारी तबाही की आशंका, सेना-नौसेना-वायु सेना, तटरक्षक हाई अलर्ट पर

राजेश कुमार। नई दिल्ली

कन्याकुमारी में चक्रवाती तूफान ने आते ही जनजीवन अस्त व्यस्त कर दिया

अत्यधिक गंभीर चक्रवाती तूफान अम्फान सोमवार को सुपर चक्रवाती तूफान में बदल गया। इस तूफान से ओडिशा और पश्चिम बंगाल में निचले तटीय क्षेत्रों में घरों, फसलों, रेल, रोड, बिजली खंभों, संचार सेवाओं आदि को भारी नुकसान की आशंका है। हजारों लोगों को सुरक्षित स्थानों पर पहुंचाया गया है। सेना, नौसेना, वायु सेना और तटरक्षक बल को हाई अलर्ट पर रखा गया है। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने सोमवार शाम उच्च स्तरीय बैठक कर स्थिति का जायजा लिया और जरूरी दिशा-निर्देश दिए। बैठक के बाद प्रधानमंत्री ने कहा कि वह सभी की सुरक्षा के लिए प्रार्थना करते हैं और केंद्र सरकार प्रभावितों को हर संभव मदद देगी। मौसम विभाग के महानिदेशक डॉ. मृत्युंजय महापात्र के अनुसार सुपर साइक्लोन 250 किमी प्रति घंटे की रफ्तार से आएगा और यह बुधवार को पश्चिमी तट से टकराएगा। (शेष पेज 9)

मोदी ने की उच्च स्तरीय बैठक, एजेंडे में नागरिक सुरक्षा

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने देश के विभिन्न हिस्सों में चक्रवात अम्फान स्थिति की समीक्षा करने और स्थिति का आकलन करने के लिए गृह मंत्रालय और राष्ट्रीय आपदा प्रबंधन प्राधिकरण के अधिकारियों के साथ उच्च स्तरीय बैठक भी की है। एनडीआरएफ के प्रमुख एस प्रधान ने कहा कि पश्चिम बंगाल में 19 टीमों को तैनात किया गया है। चार टीमें रिजर्व रखी गई हैं। ओडिशा में 13 टीमों को तैनात किया गया है जबकि 17 को रिजर्व में रखा गया है।

तीस साल में तीसरा बड़ा साइक्लोन है अम्फान

यह 30 वर्षों में तीसरा प्री मानसून सुपर साइक्लोन है। आईएमडी के अनुसार 21 साल पहले 1999 में इसी तरह के सुपर चक्रवाती तूफान ने ओडिशा और गंगीय पश्चिम बंगाल के बड़े हिस्से को तबाह कर दिया था। वर्ष 1990 के बाद से बंगाल की खाड़ी में बनने वाला यह तीसरा भयावह तूफान है। 1990 में 4-9 मई के बीच आंध्र प्रदेश में सुपर साइक्लोन आया था। इसमें 967 लोगों की मौत हुई थी। इसके बाद 1991 में 24 अप्रैल से मई के बीच बांग्लादेश में सुपर साइक्लोन उठ खड़ा हुआ था।

आज दिल्ली से हरियाणा के लिए चलेंगी बसें

हरियाणा रोडवेज ने शुरू की ऑनलाइन बुकिंग

तीन दिन की बुकिंग के लिए खोला साफ्टवेयर

फिलहाल चंडीगढ़ में प्रवेश पर रहेगी रोक

पायनियर समाचार सेवा। चंडीगढ़

हरियाणा सरकार ने मंगलवार से नए रूटों पर बसें उतारने का फैसला किया है। जिसके चलते अब दिल्ली से हरियाणा के सात शहरों के लिए बस सेवा शुरू की जाएगी। हरियाणा के 15 जिलों से बसों का संचालन पहले ही शुरू कर दिया है। भले ही अभी तक कई रूटों पर यात्रियों का प्रोत्साहन नहीं मिल रहा है और बस सेवा को रद्द भी किया जा रहा है। इसके बावजूद मंगलवार से राजधानी दिल्ली से हरियाणा के अलग-अलग शहरों के लिए बसों को रवाना किया जाएगा।

हरियाणा में 22 मार्च को जनता कर्फ्यू के बाद से ही बस सेवा बंद पड़ी है। करीब 54 दिन बाद 15 मई से हरियाणा राज्य परिवहन द्वारा पंचकूला समेत दस जिलों से 29 रूटों पर बस सेवा शुरू की गई है। इसका विस्तार करते हुए मंगलवार तक हरियाणा के 15 जिलों से बस सेवा शुरू हो चुकी है। अब हरियाणा सरकार ने इसका विस्तार करते हुए मंगलवार से देश की राजधानी नई दिल्ली से हरियाणा के अलग-अलग शहरों के लिए बस सेवा शुरू करने का फैसला लिया है। दिल्ली सरकार ने भी इस संबंध में एनओसी जारी कर दी है। उधर हरियाणा राज्य परिवहन के मुख्यालय से इस बारे में दिल्ली डिपो प्रबंधकों को सूचना भेज दी गई है। इन बसों में केवल तीस यात्री ही सफर कर सकेंगे। 30 सीटों पर ऑनलाइन बुकिंग के बाद साफ्टवेयर अगली बुकिंग नहीं करेगा। इसके अलावा नई दिल्ली बस अड्डे पर सभी यात्रियों की थर्मल स्कैनिंग की जाएगी। फिलहाल हरियाणा के अन्य जिलों की तरह दिल्ली से चलने वाली बसें भी अंबाला व पंचकूला तक ही आ सकेंगी। चंडीगढ़ के सेक्टर-17 में प्रशासन द्वारा सब्जी मंडी चलाई जा रही है। जिसके चलते दिल्ली व अन्य जिलों से चलने वाली बसों का अभी चंडीगढ़ में प्रवेश नहीं होगा।

बीच रास्ते में बस नहीं रोकेंगे चालक

चंडीगढ़। हरियाणा में कोरोना के चलते लॉकडाउन के तीसरे चरण में सरकार ने बसों का संचालन तो शुरू कर दिया है लेकिन बीच रास्ते में किसी भी ढाबे अथवा अन्य स्थानों पर बसे रोकने पर पूरी तरह से पाबंदी लगा दी है। सरकार ने यह फैसला कोरोना संक्रमण के चलते लिया है। हरियाणा सरकार ने 15 मई से बसों का संचालन शुरू किया है। बसों के स्टार्टिंग प्वाइंट से ही बसों को सैनेटाइज किया जाता है। इसके बावजूद अधिकारियों को सूचना मिली है कि कई चालकों द्वारा पुरानी आदत के अनुकूल बसों को बीच रास्ते में अपनी सुविधा के अनुसार रोका जा रहा है। सोमवार को रेस्टोरेंट आदि भी खुल गए हैं। ऐसे में लंबे रूटों पर बसों को रोकने की संभावनाओं के चलते अधिकारियों ने चालकों को सख्त निर्देश दिए हैं कि वह अपने पहले व अंतिम पड़ाव पर ही बस को रोकेंगे। इस बीच यात्रियों के अभाव में सोमवार को हरियाणा रोडवेज को कई रूट रद्द भी करने पड़ गए हैं। हरियाणा रोडवेज द्वारा पंचकूला से कई शहरों के लिए बसें चलाई जा रही हैं लेकिन यात्रियों की कमी के चलते सोमवार को करीब डेढ़ दर्जन रूटों को रद्द करना पड़ा गया। सोमवार को पंचकूला से रोहतक, भिवानी,हिसार, हिसार, नारनौल व रेवाड़ी के लिए ही बसें चलीं। अन्य रूटों पर यात्रियों की संख्या नाममात्र होने के चलते रूटों को रद्द कर दिया गया।

दिल्ली से चलने वाली बसों का रूट प्लान

कहां तक जाएगी	समय
अंबाला कैंट	9.30 बजे सुबह
भिवानी	9.00 बजे सुबह
कैथल	9.00 बजे सुबह
पलवल	9.30 बजे सुबह
नारनौल	9.30 बजे सुबह
पंचकूला	9.45 बजे सुबह
सिरसा	9.00 बजे सुबह

सांसद व पूर्व मंत्री ने प्रवासी मजदूरों से बात कर बढ़ाया हौसला

रादौर। कलानौर बॉर्डर पर यूपी की सीमा पर रुके प्रवासी मजदूरों की स्थिति व व्यवस्था का जायजा लेने के लिए कुरुक्षेत्र सांसद नायब सैनी और पूर्व मंत्री कर्णदेव कांबोज ने मौके पर दौरा किया। इस दौरान वहां रुके प्रवासी मजदूरों को खाने-पीने के सामान के साथ-साथ प्राथमिक उपचार से संबंधित दवाइयां भी सांसद व पूर्व मंत्री ने मुहैया कराई। उन्हें आश्वासन दिया कि संकट की घड़ी में घबराने की जरूरत नहीं है। सभी प्रवासी मजदूरों को उनके घरों तक पहुंचाने की व्यवस्था सरकार व प्रशासन की ओर से की जाएगी। नायब सैनी ने कहा कि सरकार प्रवासी मजदूरों की समस्या को लेकर गंभीर है। उन्हें उनके गंतव्य तक पहुंचाने की जिम्मेदारी सरकार की है। सरकार व प्रशासन की ओर से बस और ट्रेनों की पर्याप्त व्यवस्था कराई जा रही है। धीरे-धीरे सभी प्रवासी मजदूरों को उनके घरों तक पहुंचा दिया जाएगा। पूर्व मंत्री कर्णदेव कांबोज ने कहा कि प्रवासी मजदूर धैर्य के साथ काम लेकर सरकार का सहयोग करें।

11000 वोल्ट की चपेट में आने से बिजली कर्मचारी की मौत

एसडीओ, 2 जेई व एसए के खिलाफ लापरवाही से मौत का केस दर्ज

ट्रांसफार्मर से एएलएम संजय का शव उतारते हुए बिजली कर्मी व ग्रामीण।

कैथल। गांव शेरखेड़ी में 11 हजार वोल्ट की लाइन पर झुलसने से बिजली कर्मचारी की मौत। शेरू खेड़ी में बिजली कर्मी की मौत के मामले में पुलिस ने परिजनों की शिकायत पर बिजली विभाग के 5 अधिकारियों के खिलाफ मुकदमा दर्ज कर मृतक का शव पोस्टमार्टम करवाकर परिजनों को सौंप दिया।

पुलिस को दी शिकायत में ओमप्रकाश पुत्र अन्नू राम निवासी धासू पट्टी नजदीक नया बस स्टैंड पाई ने बताया कि उसका बेटा संजय करीब 5-6 साल से डीसी रेट पर बिजली बोर्ड विभाग राजौन्द में एएलएम के पद पर लगा हुआ था। उसके लड़के संजय की ड्यूटी सौगल व शेरुखेड़ी गांव में थी। सोमवार को उसका लड़का व मोहन लाल पुत्र अजमेर सिंह वासी पाई भी चुड़िया राम उर्फ प्लाटी पुत्र रुलिया राम निवासी शेरु खेड़ी के खेतों की लाइन ठीक करने के लिए करीब 10 बजे गए थे। लाइन बन्द कराने के बाद उसका लड़का चुड़िया राम के खेतों में लगे ट्रांसफार्मर पर चढ़कर तारों को ठीक करने लगा तो उसके लड़के को बिजली का करंट लगा। संजय ट्रांसफार्मर के ऊपर ही लटका रहा, जिसकी मौत हो गई। जांच अधिकारी वीरेंद्र सिंह एएसआई ने बताया कि मृतक के पिता ओमप्रकाश की शिकायत पर सुनील एसए, एसडीओ व 2 जेई के खिलाफ लापरवाही से मौत होने का केस दर्ज किया है।

प्रवासी मजदूरों के लिए समाजिक संस्थाएं निभा रहीं अपनी अहम भूमिका

पायनियर समाचार सेवा। रादौर

पैदल चल रहे प्रवासी मजदूरों को रोककर उनके रहने की व्यवस्था शहीद उधम सिंह कांबोज धर्मशाला रादौर में की गई है। जहां न केवल सेवा भारती की ओर से उनके खाने-पीने की व्यवस्था की गई है बल्कि पंतजलि योग समिति रादौर की ओर से उनके लिए योग शिविर का आयोजन भी किया जा रहा है। ताकि प्रवासी मजदूर खुद को स्वस्थ रखने का प्रयास कर सकें।

सोमवार सुबह आयोजित किए जा रहे योग शिविर में पतंजलि योग समिति के तहसील प्रभारी अमित कांबोज ने प्रवासी मजदूरों को योग क्रियाओं का अभ्यास कराया। उन्होंने कहा कि इस प्रकार योग क्रियाएं कर न केवल प्रवासी मजदूर अपना तनाव कम कर सकते है बल्कि अपने शरीर व मन को स्वस्थ रख सकते हैं। उन्होंने बताया कि योग शिविर में प्रवासी मजदूरों को भस्त्रिका, अनुलोम विलोम, कपालभाति, भ्रामरी, उज्जाई, ताड़ासन, वृक्षासन, भुजंगासन, सूर्यनमस्कार, नाड़ी शोधन आदि क्रियाओं का सुक्ष्म अभ्यास कराया गया। उन्होंने कहा कि इन क्रियाओं के प्रयोग से मनुष्य गंभीर बीमारियों जैसे उच्च-निम्न रक्तचाप, मधुमेह, जोड़ों के दर्द, सिरदर्द, मानसिक तनाव आदि से बच सकता है।

संक्षिप्त समाचार

स्वस्थ रहने के लिए लॉकडाउन-4 का करना होगा पालन

कुरुक्षेत्र। जिलाधीश एवं उपायुक्त धीरेन्द्र खडगटा ने कहा कि कुरुक्षेत्र के प्रत्येक नागरिक को स्वस्थ रखने के लिए लॉकडाउन-4 के आदेशों का सख्ती से पालन करना होगा। जिले को कोरोना फ्री जोन बनाने के लिए पहले की तरह आमजन का सहयोग जरूरी है। इसलिए नागरिकों को 31 मई तक लॉकडाउन के आदेशों का नियमित रुप से पालन करना होगा। नियमों की अवहेलना करने वाले व्यक्ति के खिलाफ सख्त कार्रवाई अमल में लाई जाएगी। जिलाधीश धीरेन्द्र खडगटा ने कहा कि विभिन्न देशों और राज्यों से आने वाले लोगों के लिए क्वारिंटाइन सेंटर बनाए गए है, यह क्वारिंटाइन सेंटर पिपली पैराकिट, नीलकंठी यात्री निवास, जाट व गुर्जर धर्मशाला में बनाए गए हैं। इसके अलावा कुछ निजी होटलों को भी क्वारिंटाइन सेंटरों के लिए चिह्नित किया है। इन सभी निजी होटलों के दाम भी निर्धारित किए हैं। इन होटलों में होटल डिवाइन, क्लार्क इन, होटल पर्ल मार्क रेलवे रोड, होटल मेजबान रेलवे रोड, कृष्णा महल, होटल क्राउन जीटी रोड, किमाया होटल, एम्पायर मिर्जापुर, स्पाईर गोल्ड, रिवर रिजार्ट मिर्जापुर, पैराडाईज होटल मिर्जापुर, तृप्ति गेस्ट हाउस रेलवे रोड, सैफरॉन होटल, होटल वेता उमरी शामिल है। इन होटलों को कम से कम 14 दिन के लिए क्वारिंटाइन के लिए लिया जा सकता है। इन होटलों का दाम कम से कम 770 रुपये प्रति कमरा और सबसे ज्यादा 3500 रुपये प्रति कमरा तय किया गया है।

अटेली मंडी में किया हर्बल सैनिटाइजर का छिड़काव

नारनौल। कोरोना वायरस जैसी विश्वव्यापी महामारी को देखते हुए संकट की घड़ी में फ्यूचर इनोवेशन फाउंडेशन भारत के सदस्य गांवों व शहरों में जाकर हर्बल सैनिटाइजर का छिड़काव कर रहे हैं। फ्यूचर इनोवेशन फाउंडेशन भारत द्वारा 49वे दिन सोमवार को अटेली मण्डी शहर के पुराना बस स्टैंड, पावर हाउस के नजदीक, कृष्ण कुंज, वार्ड 10, रेवाडी रोड व शहर के अनेक जगह पर हर्बल सैनिटाइजर का छिड़काव किया। संस्था प्रमुख ओमप्रकाश यादव ने बताया कि संस्था के सभी सदस्य पूरे जोश और उत्साह के साथ जिला के गांवों, शहर के विभिन्न मोहल्लों, हॉस्पिटलों में हर्बल सैनिटाइजर का छिड़काव किया है। संस्था संयोजक ऋषिपाल ने बताया कि इस समय पूरा विश्व कोरोना महामारी से जूझ रहा है। दुकानदार महंगे दामों में सैनिटाइजर बेच रहे हैं ऐसे में गरीब लोगों को सैनिटाइजर खरीदना मुश्किल है। इसी को ध्यान रखते हुए संस्था ने हर्बल से सैनिटाइजर बनाकर फ्री छिड़काव करने का निर्णय लिया है।

लॉकडाउन के चलते कर्मियों के स्वास्थ्य की कराई जांच

सोनीपत। पुलिस अधीक्षक जशनदीप सिंह रंधावा के निर्देशानुसार सोनीपत पुलिस द्वारा अलग-अलग थाना क्षेत्रों में लॉकडाउन के चलते लगातार ड्यूटियों पर नियुक्त 43 पुलिस कर्मचारियों के स्वास्थ्य की जांच करवाई गई। डीएसपी डा. रविन्द्र कुमार के नेतृत्व में हैल्थ चेकअप टीम में नियुक्त फार्मासिस्ट देवेन्द्र व सुभाष ने लॉकडाउन के चलते लगातार ड्यूटियों पर नियुक्त पुलिस कर्मचारियों जिसमें प्रतिबंधित क्षेत्र में नाका सैक्टर-23, वैस्ट रामनगर, विकास नगर, जवाहर नगर, राईडर 3-4, नाका मिशन चौक, अग्रसैन चौक पर तैनात पुलिस कर्मचारियों के स्वास्थ्य की जांच की गई। इस दौरान ड्यूटियों पर तैनात कर्मियों को कहा कि ड्यूटी पर चैंकिग के दौरान सोशल डिस्टेंस बनाये रखते और मास्क, सैनेटाइजर व दस्तानों का प्रयोग करें।

जेआरसी ब्रिगेड एवं वॉलिंटियर्स कमेटी ने कोर्ट में मास्क बांटे

नारनौल। जेआरसी सब कमेटी के चेयरमैन, जिला शिक्षा अधिकारी सुनील दत्त व वाइस चेयरमैन एवं जिला मौलिक शिक्षा अधिकारी नसीब सिंह के मार्गदर्शन में शिक्षा विभाग ने जिले में कोरोना को हराना है भारत को जिताना है का जनजागृति अभियान चलाया हुआ है जेआरसी कोऑर्डिनेटर टेक चंद यादव ने बताया कि जेआरसी काउंसलर्स ब्रिगेड ऑफिसर प्रवक्ता प्राथमिक सहायता एवं स्वयंसेवक की वॉलिंटियर्स कमेटी ने सोमवार को कोर्ट परिसर में मास्क न लगाकर आने वाले लोगों को मास्क वितरित किए और लोगों को महामारी के प्रति जागरूक किया। इस अवसर पर जेआरसी काउंसलर्स संजय योगी, डॉ हंसराज गुर्जर, राजेश कुमार, सूबे सिंह, मुकेश डीपी, त्रिभुवन वर्मा, सुभाष सोनी, जितेंद्र, अशोक कुमार एवं हरिकिशन आदि उपस्थित थे।

चौगामा में कोरोना का एक और मामला, पॉजिटिव हुए 9

करनाल। सोमवार को एक कोरोना संक्रमण का पॉजिटिव केस सामने आया है, यह केस रविवार को आए चौगामा पॉजिटिव केस से जुड़ा हुआ है, यह उनकी लड़की में पॉजिटिव केस पाया गया है। अब जिले में सिविल सर्जन की रिपोर्ट के अनुसार कोरोना वायरस के नौ मामले पॉजिटिव है। बतां दे कि अब तक संदिग्ध कुल 3862 व्यक्तियों के सैम्पल लिए गए इनमें से 3779 की रिपोर्ट नेगिटिव आई है और 64 की रिपोर्ट आना शेष है। उन्होंने बताया कि जिले में अब तक कुल 19 पॉजिटिव केस आए हैं, उनमें से 10 व्यक्ति ठीक होकर अपने घर चले गए हैं तथा एक व्यक्ति की मृत्यु हो गई थी और वर्तमान में 8 केस एक्टिव हैं, इन 8 केसों में एक लड़की का केस सोमवार को इंद्री के चौगामां गांव में मिला है।

हरियाणा में शराब घोटाला

सभी डीईटीसी ने दिया एसईटी को दिया रिकार्ड

पुलिस दस्तावेज देने में कर रही है आनाकानी

अब शुरू होगी फिजिकल वैरीफिकेशन

चंडीगढ़। हरियाणा के सभी जिलों के डीईटीसी ने शराब घोटाले की जांच कर रही एसईटी को रिकार्ड सौंप दिया है। एसईटी ने सभी जिलों की पुलिस से भी रिकार्ड मांग लिया है लेकिन पुलिस द्वारा रिकार्ड देने को लेकर आनाकानी की जा रही है।

हरियाणा में लॉकडाउन के दौरान हुआ शराब घोटाला अब तक सात जिलों तक फैल चुका है। हरियाणा सरकार ने घोटाले की जांच के लिए आईएएस टीसी गुप्ता की अध्यक्षता में एसईटी का गठन किया है। जिसमें वरिष्ठ आईपीएस सुभाष यादव और आबकारी विभाग के अतिरिक्त आयुक्त विजय सिंह को शामिल किया है। एसईटी द्वारा घोटाले की जांच शुरू कर दी गई है। एसईटी द्वारा एक अप्रैल 2019 से 31 मार्च 2020 तक के शराब रिकार्ड की जांच की जाएगी। जिसके चलते एसईटी ने सभी जिलों के जिला आबकारी एवं कराधान आयुक्त से एक साल का रिकार्ड मांग लिया है। सूत्रों से मिली जानकारी के अनुसार सभी जिलों से आबकारी विभाग ने अपना रिकार्ड एसईटी को भेज दिया है। एसईटी द्वारा यही रिकार्ड पुलिस से भी मांगा गया है। एसईटी ने पुलिस से इस अवधि के दौरान बरामद की गई शराब, मालखाने में रखी गई तथा नष्ट की गई शराब का ब्यौरा मांगा है। बताया जाता है कि अभी तक एक-दो जिलों को छोड़कर अन्य जिलों की पुलिस द्वारा शराब का रिकार्ड एसईटी को नहीं दिया है। यह रिकार्ड मिलने के बाद एसईटी द्वारा फिजिकल वैरीफिकेशन शुरू की जाएगी।

> एसईटी की पहली बैठक हो चुकी है। शराब के स्टॉक में गड़बड़ियों को लेकर जांच शुरू कर दी गई है। पुलिस विभाग द्वारा जानकारी उपलब्ध करवाए जाने के बाद जांच में तेजी आएगी। दोनों विभागों की रिपोर्ट का मिलान करने के बाद अगर जरूरत पड़ी तो ग्राउंड पर भी चेकिंग की जाएगी।
>
> **टीसी गुप्ता, एसईटी प्रमुख, हरियाणा।**

बर्बादी की कगार पर सब्जी उत्पादक किसान

सांसद दीपेंद्र सिंह हुड्डा ने जताई चिंता

पायनियर समाचार सेवा। चंडीगढ़

हरियाणा से राज्यसभा सांसद दीपेंद्र सिंह हुड्डा ने सब्जी उगाने वाले किसानों की बदहाली पर गहरी चिंता जताई है। कोरोना महामारी के बीच बनी इस हालात से भिवानी जिले के तोशाम के किसानों को सरकार के खिलाफ धरना देना पड़ रहा है। उनके टमाटर, शिमला मिर्च और दूसरी सब्जियों की बिक्री नहीं हो पा रही है। हजारों क्विंटल सब्जियां पड़ी-पड़ी खराब हो रही हैं। किसान उसे पशुओं के सामने डालने को मजबूर है।

दीपेंद्र हुड्डा ने कहा कि जो टमाटर आमतौर पर ग्राहकों को 20 से 30 रुपये प्रति किलो मिल रहा है। किसान को उसका 2 से 5 रुपया रेट भी नहीं मिल पा रहा है। कुछ ऐसा ही हाल खीरा, शिमला मिर्च, गोभी, आलू, प्याज और मिर्च जैसे उत्पादों का है। इसकी एक वजह ये भी है कि खुद सरकार ने अपनी भावांतर भरपाई योजना में सब्जियों के रेट इतने कम आंके हैं कि किसान की लागत तक पूरी नहीं हो पाती। इस रेट से तो जमीन का ठेका और ट्रांसपोर्ट का खर्च निकालना भी मुश्किल है। उन्होंने कहा कि सरकार की तरफ से तय किए गए 5-5, 6-6 रुपये के रेट असली भावांतर नहीं है। बल्कि किसान से सब्जी की खरीद के रेट और आम ग्राहक को मिलने वाले रेट का अंतर, असली भावांतर है। सरकार को कोई ऐसी योजना बनानी चाहिए, जिससे किसान के असली भावांतर की भरपाई हो सके।

उन्होंने उदाहरण दिया कि सरकार किसान को भावांतर योजना के तहत प्याज का महज साढ़े छह रुपये रेट देती है। जबकि आम लोगों को प्याज 30 से 40 रुपये प्रति किलो के रेट पर मिल रहा है। कभी-कभी इसका रेट 100 रुपये के भी पार चला जाता है। लेकिन किसान को 90-95 रुपये का असली भावांतर मिलने की बजाए महज साढ़े छह रुपया ही मिलता है। यहां तक शिकायत है कि ज्यादातर किसानों को तो ये भी नहीं मिल पाता।

ठीक हुए कोरोना पॉजिटिव 19 मरीजों को किया डिस्चार्ज

सोनीपत। उपायुक्त डॉ. अंशज सिंह ने कहा कि कोविड अस्पताल बीपीएस मेडिकल कॉलेज अस्पताल खानपुर कलां में 19 और कोरोना पॉजिटिव मरीजों ने रिकवरी की है, जिन्हें सोमवार को अस्पताल से डिस्चार्ज कर घर भेजा गया।

सोनीपत में कोरोना वायरस के पॉजिटिव मामलों का आंकड़ा 138 है। उपायुक्त ने कहा आज एक साथ कोरोना के 19 पॉजिटिव मरीजों को ठीक होने के बाद डिस्चार्ज किया है। इसके पहले तक 75 लोगों ने रिकवरी की थी। अब उन्नीस मरीजों के दुरुस्त होने पर यह आंकड़ा 94 पर पहुंच गया है।

कुंडली एसोसिएशन ने किया 66.49 लाख का सहयोग

मुख्यमंत्री कोरोना रिलीफ फंड में आर्थिक सहयोग के लिए उपायुक्त को सौंपे चेक

पायनियर समाचार सेवा। सोनीपत

उपायुक्त को चेक सौंपते एसोसिएशन के सदस्य।

मुख्यमंत्री कोरोना रिलीफ फंड में आर्थिक सहयोग के लिए कुंडली स्टेनलेस स्टील हाउसवेयर एसोसिएशन ने उपायुक्त डा. अंशज सिंह को 66 लाख 49 हजार 500 रुपये की राशि 24 चेक सौंपे। इसके लिए उपायुक्त ने एसोसिएशन का आभार व्यक्त किया। एसोसिएशन की ओर से पवन कंसल तथा प्रमोद गुप्ता और सतीश जैन ने उपायुक्त को हरियाणा कोरोना रिलीफ फंड में सहयोग के लिए चेक सौंपे। उपायुक्त डा. अंशज सिंह ने कहा कि वैश्विक महामारी कोविड-19 की जंग में हर व्यक्ति को सहयोग करना चाहिए। जिसका जितना सामर्थ्य है उसके अनुसार लोगों को सहयोग करना चाहिए। विभिन्न संस्थाओं को सहयोग के लिए आगे आना चाहिए।

इस मौके पर एसोसिएशन ने कहा कि वे सूखा राशन वितरण में भी वे सहयोग के लिए तैयार हैं। जिला प्रशासन जो जिम्मेदारी देगा उसको पूरा किया जाएगा।

अब रॉड या प्लेट डाले बिना नेल विधि से होगा पशु की टूटी हड्डी का ऑपरेशन

पायनियर समाचार सेवा। हिसार

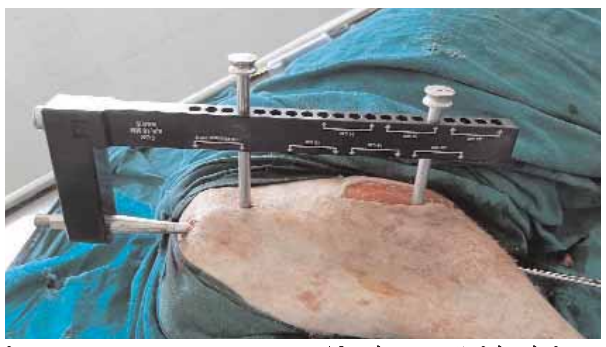

हिसार स्थित लाला लाजपत राय पशु चिकित्सा एवं पशु विज्ञान विश्वविद्यालय के वैज्ञानिकों ने महत्पूर्ण सफलता अर्जित करते हुए पहली बार इंटरलॉकिंग नेल तकनीक से बकरी की टूटी हड्डी जोड़ने का सफल ऑपरेशन किया। यह विधि हरियाणा में पशुओं में पहली बार उपयोग की गई है। इस विधि से पशु जल्द ही पांव रखने लग जाता है, जिससे ऑपरेशन के पश्चात पशु की संभाल कम करनी पड़ती है और पशु के जल्द ठीक होने की संभावना भी बढ़ जाती है।

आज से पहले छोटे पशुओं में जिन की हड्डियां टूट जाती थी (फीमर या टीबीया) उनमें रॉड या प्लेट डाल कर ऑपरेशन किया जाता था। इन दोनों विधि के अलग-अलग नुकसान भी थे जो कि पशुओं की उचित देखभाल न करने के कारण आ जाते थे। रॉड विधि में हड्डी से रॉड का निकालना एक मुख्य समस्या था जबकि प्लेट डालने की एक समस्या ये थी हड्डी में खून का संचार कम हो सकता है।

कई बार पशु के ज्यादा उछल-कूद करने के कारण प्लेट के टूटने का खतरा भी बना रहता था। इन दोनों समस्याओं को दूर करने के लिए लुवास में एक बकरी के पैर में इंटरलॉकिंग नेल डालकर हड्डी को जोड़ा गया। यह सफल ऑपरेशन वीसीसी विभाग, लुवास के डॉ. संदीप सहारण, डॉ. रामनिवास, डॉ. संदीप गोयल व डॉ. दिनेश ने किया। इस विधि में नेल को पशु की हड्डी में स्क्रीन द्वारा फिट किया जाता है, जिससे ये नेल हड्डी से फिसल कर बाहर नहीं आती और इसके टूटने का खतरा भी नहीं होता।

इस विधि के प्रयोग से हरियाणा में पहली बार हड्डी को जोड़ा गया। भविष्य में भी इस विधि का प्रयोग छोटे पशुओं में जिनका वजन 100 से 150 किलो. तक होगा उनमें किया जा सकेगा। यह विधि फ्रैक्चर के इलाज में सबसे ज्यादा कारगार है।

यमुनानदी से प्रवासी मजदूरों को रोकने के लिए सिंचाई विभाग कर रहा निरीक्षण

रादौर। लॉकडाउन के बाद दूसरे राज्यों से अपने घरो तक पहुंचने के लिए पैदल ही निकल पड़े प्रवासी मजदूरों को लगातार सड़कों से गुजरना जारी है।

हालांकि अब प्रवासी मजदूरों को रोकने के उद्देश्य से प्रशासन की ओर से सख्ती अपनाई जा रही है वहीं इंटर स्टेट बॉर्डर पर भी प्रशासन द्वारा इन प्रवासी मजदूरों को आगे बढ़ने से रोका जा रहा है। इसी कड़ी में प्रवासी मजदूर यमुनानदी पार कर दूसरे राज्य पर प्रवेश न करें इसके लिए प्रशासन ने सिंचाई विभाग के अधिकारियों को जिम्मेदारी सौंपी है। यमुनानदी के गुमथला घाट पर सिंचाई विभाग के एसडीओ जसबीर सिंह को जिम्मेदारी सौंपी गई है। ताकि कोई भी प्रवासी मजदूर यमुनानदी में मूवमेंट न कर सकें। एसडीओ जसबीर सिंह ने बताया कि उन्होंने गुमथला घाट का निरीक्षण किया है।

शातिर बदमाश अवैध हथियारों गिरफ्तार, भेजा जेल

सीआईए स्टाफ द्वारा पकड़ा गया बदमाश।

पायनियर समाचार सेवा। सोनीपत

सीआईए स्टाफ ने हथियार के बल पर गाड़ियां लूटने व गन हाउस से हथियार लूटने के शातिर बदमाश को देशी पिस्तौल व दो कारतूस सहित गिरफ्तार किया है। शातिर बदमाश शुभम उर्फ नीतिन निवासी रामा मार्केट प्रीतमपुरा दिल्ली का रहने वाला है।

पुलिस अधीक्षक जशनदीप सिंह रंधावा ने बताया कि सीआईए स्टाफ सोनीपत टीम कुराड मोड जीटी रोड की सीमा में मौजूद थी कि इन्हें सूत्रों से पता चला कि शातिर बदमाश शुभम उर्फ नीतिन निवासी रामा मार्केट प्रीतमपुरा अवैध हथियारों सहित किसी अपराधिक घटना को अंजाम देने की फिराक में घूम रहा है। सूचना पर पुलिस टीम द्वारा कार्यवाही करते हुए उक्त बदमाश को धर दबोचा। तलाशी लेने पर इसके कब्जे से एक अवैध देशी पिस्तौल व दो कारतूस मिले। आरोपी के विरूद्ध शस्त्र अधिनियम के अन्तर्गत थाना मुरथल में मामला दर्ज किया गया।

पायनियर
नई दिल्ली, मंगलवार, 19 मई 2020

योगी सरकार का बड़ा फैसला

राज्य के 661 निजी अस्पतालों में होगा कोरोना का इलाज

पायनियर समाचार सेवा। नोएडा

कोरोना वायरस के खिलाफ चल रही जंग में उत्तर प्रदेश सरकार ने बड़ा फैसला लिया है। अब राज्य के प्राइवेट अस्पताल भी कोरोना वायरस से बीमार लोगों का इलाज कर सकते हैं। सरकार ने गौतमबुद्ध नगर, गाजियाबाद, मेरठ, आगरा, गोरखपुर, बरेली, बनारस, अलीगढ़, मुरादाबाद, मुजफ्फ रनगर, सहारनपुर और बुलन्दशहर समेत राज्य के 73 जिलों में 661 प्राइवेट अस्पतालों को कोरोना वायरस के संक्रमित लोगों का उपचार करने की इजाजत दे दी है।

अब अगर किसी व्यक्ति को कोरोना वायरस का संक्रमण होता है तो वह इन प्राइवेट अस्पतालों में जाकर इलाज करवा सकता है। बड़ी बात यह है कि इन अस्पतालों में प्रदेश के लगभग सभी सुपर स्पेशलिटी, मल्टीस्पेशलिटी और बड़े अस्पताल शामिल हैं। इन सभी अस्पतालों का जिला प्रशासन, स्वास्थ्य विभाग, इंडियन काउंसिल फॉर मेडिकल रिसर्च (आईसीएमआर) और विश्व स्वास्थ्य संगठन के डॉक्टर, वैज्ञानिक और विशेषज्ञ दौरा कर चुके हैं। इन अस्पतालों की सुविधाएं और कोरोना वायरस के प्रति जानकारी को परखने के बाद सरकार ने यह फैसला लिया है। इन अस्पतालों में 20 से लेकर 100 बैड तक के आइसोलेशन वार्ड बनाए गए हैं।

ग्रेटर नोएडा स्थित सील की गई मोबाइल कंपनी। फोटो : दीपक यादव

प्रदेश सरकार के इस फैसले के बाद राज्य में कोरोना वायरस के खिलाफ बड़ी तैयारी हो गई है। अभी तक यूपी के सरकारी मेडिकल कॉलेजों में ही कोरोना वायरस का उपचार किया जा रहा था। प्राइवेट अस्पतालों के इस लड़ाई में जुड़ जाने से एक झटके में करीब तीन लाख बेड क्षमता उत्तर प्रदेश में बढ़ गई है। मतलब, अब राज्य में एक साथ साढ़े तीन लाख लोगों का इलाज किया जा सकता है। सरकार के पास अभी तक करीब 50 हजार लोगों का उपचार करने की व्यवस्थाएं मौजूद थीं। स्वास्थ्य विभाग के अनुसार सीमित उपचार स्थल के कारण हर व्यक्ति का इलाज संभव नहीं हो पा रहा था, अधिकतर लोग सरकारी उपचार केंद्रों पर आने से कतरा रहे थे। इस समस्या को देखते हुए आइसीएमआर और विश्व स्वास्थ्य संगठन से वार्ता कर प्रदेश के बड़े अस्पतालों का दौरा कर उन्हे नामित कर इलाज करने की अनुमति दी है।

ओप्पो कंपनी में 6 कर्मचारी कोरोना संक्रमित

नोएडा। मोबाइल मैन्युफैक्चरर कंपनी ओप्पो में 6 कर्मचारी कोरोना वायरस से संक्रमित पाए गए हैं। कर्मचारियों को उपचार के लिए अस्पताल में भर्ती किया गया है। मेन्युफेक्चरिंग यूनिट को बन्द कर सील कर दिया गया है। फैसिलिटी के बाकी कर्मचारियों का भी टेस्ट करवाया जा रहा है। अब कंपनी में सेनेटाइजेशन ड्राइव चलाई जाएगी। उसके बाद ही दोबारा काम शुरू हो पाएगा। ग्रेटर नोएडा में कासना कस्बे के पास मोबाइल मैन्युफैक्चरर कंपनी ओप्पो का कारखाना है। यह कारखाना करीब 1 सप्ताह पहले ही दोबारा शुरू किया गया है। लॉकडाउन के कारण इस कंपनी में करीब 2 महीने से उत्पादन बंद पड़ा था। केंद्र सरकार और उत्तर प्रदेश सरकार के उद्योग चलाने के फैसले के बाद जिला प्रशासन ने 33 फीसदी मेन पावर के साथ कंपनी को चलाने की इजाजत दी थी। कंपनी प्रबंधन को सोशल डिस्टेंसिंग और लॉकडाउन के मानकों का पालन करते हुए उत्पादन करना था। अब करीब 1 सप्ताह से कंपनी में उत्पादन चल रहा था।

जामिया दंगे में विवि का एक और छात्र गिरफ्तार

नई दिल्ली। जामिया क्षेत्र में हुए दंगों में दिल्ली पुलिस की स्पेशल सेल ने जामिया मिल्लिया इस्लामिया के एक और छात्र को गिरफ्तार किया है। आरोपित छात्र विवि से बीए कर रहा है। वह पारसी भाषा कोर्स का तीसरे वर्ष का छात्र है। उसकी पहचान शाहीनबाग के अबुल फजल एंक्लेव निवासी आसिफ इकबाल तन्हा के रूप में हुई है।

पुलिस के अनुसार आरोपी छात्र के खिलाफ जामिया नगर थाने में मामला दर्ज था। पुलिस ने उसे साकेत कोर्ट में पेश कर 31 मई तक के लिए न्यायिक हिरासत में भेज दिया है। जामिया क्षेत्र में हुए दंगों के मामले में 16 दिसंबर को आसिफ इकबाल तन्हा के खिलाफ नामजद मामला दर्ज किया गया था। मामला दर्ज होने के बाद से वह फरार चल रहा था। आसिफ स्टूडेंट इस्लामिक आर्गेनाइजेशन का सक्रिय सदस्य है। उसे जामिया क्षेत्र में हुए दंगों में दंगों को भड़काने के मामले में नामजद किया गया था। दंगों के आरोप में कई छात्र पहले गिरफ्तार हो चुके हैं।

कृषि भवन कर्मचारी व मदर डेयरी बूथ वाले को कोरोना

- दिल्ली में संक्रमितों का आंकड़ा 10 हजार के पार, 299 नए केस

पायनियर समाचार सेवा। नई दिल्ली

शालीमार बाग के सी एंड डी ब्लॉक में मदर डेयरी का बूथ चलाने वाला व्यक्ति कोरोना पॉजिटिव पाया गया। इससे पूरी कॉलोनी में लोग सहमे हुए हैं। कृषि भवन का कर्मचारी कोरोना वायरस से संक्रमित पाया गया इसके बाद भवन के एक हिस्से को सील कर दिया गया है। दिशा निर्देशों के मुताबिक पूरे कार्यालय परिसर को 19 और 20 मई को सैनिटाइज किया जाएगा। इसके अलावा नियमित सैनिटाइजेशन जारी रहेगा। इस बीच राजधानी दिल्ली में कोविड-19 संक्रमितों का आंकड़ा दस हजार के पार पहुंच गया है। पिछले चौबीस घंटे में 299 नए मामले सामने आए और 160 लोगों ने जान गंवाई।

शालीमार बाग के सी एंड डी ब्लॉक में मदर डेयरी बूथ चलाने वाला व्यक्ति रविवार को कोरोना पॉजिटिव पाया गया था। इसके बाद पूरी कॉलोनी के लोग असमंजस में हैं और डरे हुए हैं। बताया जा रहा है कि इस बूथ से दूध लेने वाले लोगों ने खुद को क्वॉरंटीन कर लिया है। कॉलोनी में करीब 500 घर और परिवार हैं, जो मदर डेयरी के इस बूथ से दूध और अन्य दूध उत्पाद लेते हैं। दुकान को सैनिटाइज किया गया है। जो लोग डेयरी में काम करते थे उनका कोरोना टेस्ट किया गया है।

मध्य दिल्ली में कृषि भवन का कर्मचारी कोरोना वायरस से संक्रमित पाया गया इसके बाद भवन के एक हिस्से को सील कर दिया गया है क्योंकि मत्स्य, पशुपालन और डेयरी मंत्रालय के एक अधिकारी को कोरोना वायरस से संक्रमित पाया गया है।

बोइस लॉकर रूम मामले की जांच में तेजी लाने के हाईकोर्ट ने दिए निर्देश

नई दिल्ली। उच्च न्यायालय ने इंस्टाग्राम के ग्रुप बोइस लॉकर रूम मामले में पुलिस को अपनी जांच में तेजी लाने का निर्देश दिया। इस ग्रुप में अभद्र संदेश और नाबालिग लड़कियों की तस्वीरें साझा की गई थी। न्यायमूर्ति सिद्धार्थ मृदुल और न्यायमूर्ति तलवंत सिंह की पीठ ने वीडियो कॉन्फ्रेंस के जरिए सुनवाई करते हुए जिक्र किया कि दिल्ली पुलिस का साइबर अपराध प्रकोष्ठ पहले ही मामला दर्ज कर चुका है और जांच की जा रही है।

हाई कोर्ट ने पुलिस को कानून के तहत जांच में तेजी लाने और संबंधित निचली अदालत के सामने अंतिम रिपोर्ट सौंपने का निर्देश दिया।

दहेज की मांग पूरी नहीं होने पर महिला की गोली मारकर हत्या

- पुलिस ने दो लोगों को हिरासत में लिया

पायनियर समाचार सेवा। नोएडा

थाना दादरी क्षेत्र स्थित एस्कॉर्ट कॉलोनी में रहने वाली एक महिला को उसके ससुराल वालों ने दहेज की मांग ना पूरी होने पर गोली मारकर हत्या कर दी। पुलिस ने मामला दर्ज कर दो लोगों को हिरासत में लिया है।

पुलिस उपायुक्त (जोन तृतीय) राजेश कुमार सिंह ने बताया कि सोमवार दोपहर को थाना दादरी पुलिस को सूचना मिली कि एस्कॉर्ट कॉलोनी में रहने वाली रचना शर्मा (26 वर्ष) की उसके ससुराल वालों ने दहेज की मांग पूरी ना होने पर गोली मार दी है। महिला को ग्रेटर नोएडा के कैलाश अस्पताल में गंभीर अवस्था में लाया गया, जहां पर डॉक्टरों ने उन्हें मृत घोषित कर दिया।

उन्होंने बताया कि मामले में मृतका के परिजनों ने पति विपिन शर्मा, देवर रविंद्र तथा प्रिंस शर्मा के खिलाफ दहेज हत्या का मुकदमा दर्ज कराया है। सिंह ने बताया कि मृतका मूल रूप से बुलंदशहर की रहने वाली थी तथा कुछ वर्ष पूर्व उसकी शादी विपिन शर्मा के साथ हुई थी। मृतका के परिजनों का आरोप है कि शादी के समय से ही उसके ससुराल वाले दहेज के लिए उसका उत्पीड़न कर रहे थे।

जारी है फर्जीवाड़ा, दुकान में मिली डुप्लीकेट शराब

नई दिल्ली। आबकारी विभाग ने पीतमपुरा में शराब की एक निजी दुकान पर छापा मारकर डुप्लीकेट बारकोड वाली शराब की बोतलें बरामद की हैं। विभाग को शिकायत मिली थी कि पीतमपुरा स्थित दिल्ली विकास प्राधिकरण की मार्केट में शराब की एक दुकान में डुप्लीकेट बारकोडिंग वाली शराब की बोतले मंगाई गईं हैं।

इस सूचना पर विभाग के अधिकारियों ने छापा मारकर शराब की 12 बोतलें बरामद कीं। जिन पर डुप्लीकेट बारकोड पेस्ट किया गया था। दिल्ली एक्साइज एक्ट के तहत मामला दर्ज कर लिया गया है। शराब की दुकान के मालिक के खिलाफ एफआईआर दर्जकर छानबीन की जा रही है।

प्रवासी मजदूरों को लेकर दलों के बीच तीखी तकरार

श्रमिकों की दुर्दशा के लिए भाजपा ने दिल्ली सरकार तो आप ने केंद्र को बताया जिम्मेदार

पायनियर समाचार सेवा। नई दिल्ली

घर जाने के लिए प्रवासी मजदूर सोमवार को भी सड़क पर उमड़ पड़े। दिल्ली-यूपी बॉर्डर पर लोगों की भीड़ लग रही। इन मजदूरों को उनके घरों तक पहुंचाने के लिए बसों का इंतजाम किया जा रहा है। बसों की इंतजार में महिलाएं भी सुबह से अपने बच्चों के साथ बैठी रही।

इस मुद्दे पर आम आदमी पार्टी, भाजपा और कांग्रेस में आरोप-प्रत्यारोप तेज हो गए हैं। आप नेता ने कहा कि आज पूरी तरह से यह साबित हो गया है कि भाजपा केवल अमीरों की पार्टी है। गरीबों को उसने सड़कों पर मरने के लिए छोड़ दिया है। आज वे रेलवे ट्रैक, हाईवे और कहीं पैदल चल-चल कर भूख से तड़प कर मर रहे हैं। वहीं भाजपा नेता का कहना है कि प्रवासी मजदूरों की दुर्दशा के लिए आप सरकार जिम्मेदार है। इस बीच कांग्रेस नेता ने कहा कि लॉकडाउन का पालन करते हुए इस गंभीर संकट में गरीबों व जरूरतमंदों की मदद करने से आप और भाजपा नेता बौखला गए हैं

आम आदमी पार्टी के राज्यसभा सदस्य संजय सिंह ने कहा कि हालात इतने भयावह हैं कि छोटे-छोटे मासूम बच्चे भूखे प्यासे सड़कों पर चल रहे हैं। बच्चों और बुजुर्गों के पैरों में छाले पड़ गए हैं। छोटे बच्चे थक कर सूटकेस पर सो रहे हैं। चारों तरफ इतनी भयावह स्थिति बनी हुई है और भाजपा धृतराष्ट्र की तरह आंख पर पट्टी बांधकर बैठी हुई है। इससे स्पष्ट है कि भाजपा केवल अमीरों की पार्टी है, गरीबों से उसका कोई लेना देना नहीं है।

वहीं नेता प्रतिपक्ष रामवीर सिंह बिधूड़ी ने दिल्ली से रोजाना हजारों की संखया में पलायन कर रहे प्रवासी मजदूरों की दुर्दशा के लिए आम आदमी पार्टी सरकार को जिम्मेदार ठहराया है। उन्होंने आप सरकार की विफलताएं गिनाते हुए कहा कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने 72 लाख लोगों के लिए प्रतिमाह 8 किलो गेहूं, 2 किलो चावल और एक किलो दाल मुफ्त भेजी लेकिन दिल्ली सरकार यह राशन गरीबों तक नहीं पहुंचा सकी।

इस बीच प्रदेश कांग्रेस अध्यक्ष चौधरी अनिल कुमार ने भाजपा और आम आदमी पार्टी की सरकार पर निशाना साधते हुए कहा कि वे जो भी कर लें लेकिन वह अपने नेता राहुल गाँधी के आदेश पर जरुरत मंद लोगों की सेवा खाना खिलाकर और उनको जरुरत का सामान मुहैया करते रहेंगे चाहे हमें इस नेक कार्य के लिए जेल ही क्यों न जाना पड़े।

निर्माण गतिविधियां शुरू लेकिन काम करेगा कौन?

राजधानी को खाली कर गए हैं मजदूर, बचे हुए भी जाने को बैठे हैं तैयार

संजय राय। नई दिल्ली

लॉकडाउन चार में मुख्यमंत्री अरविंद केजरीवाल ने कोविड-19 के संग जीने का नुस्खा दोहराते हुए ढ़ेर सारी रियायतों का ऐलान किया है। इन छूट में सभी इंडस्ट्री खोली जाएंगी, लेकिन भीड़ को रोकने के लिए इनके खुलने के समय में बदलाव किया गया है। साथ ही निर्माण गतिविधियां भी शुरू की जा रही हैं। लेकिन सिर्फ दिल्ली में रहने वाले मजदूर कंस्ट्रक्शन साइट पर काम कर सकेंगे।

अभी सीमा पर से उन्हें लाने की अनुमति नहीं होगी। यहां बड़ा सवाल यह है कि राजधानी को बड़ी संख्या में मजदूर खाली कर गए हैं। बचे हुए भी जाने को तैयार बैठे हैं। ऐसे में उद्योगों और निर्माण स्थल पर काम कैसे शुरू होगा।

अरविंद केजरीवाल ने कहा कि सबसे जरूरी है कि सबको मास्क पहना, सोशल डिस्टेंसिंग का पालन हर जगह करना जरूरी है। साथ ही बार-बार अपने हाथ सैनिटाइटर और साबून से साफ भी करते रहना है। लोग अपना और अपने परिवार का विशेष ध्यान रखें। यह बहुत कठिन समय है। उन्हें पूरा भरोसा है कि जिस तरह से पिछले दो महीने में दिल्ली वालों ने तपस्या की है। उनकी यह तपस्या बेकार नहीं जाएगी और हम सब लोग मिल कर कोरोना से जीत पाने में कामयाब होंगे।

निर्माण उद्योग बचाव मोर्चा के मुख्य संरक्षक सतीश गर्ग ने बताया कि लॉक डाउन तीन में उद्योग शुरू करने की छूट उद्यमियों-व्यापारियों के लिए बेमानी ही साबित हुई। दिल्ली-एनसीआर में कहीं भी 10-15 फीसद से अधिक औद्योगिक ईकाइयां शुरू नहीं हो सकीं। वजह छूट के नाम पर नियमों का पहाड़ था। मास्क, सैनिटाइजर और शारीरिक दूरी का पालन तक तो स्वीकार्य था लेकिन उद्यमी को ही कार्रवाई के कठघरे में खड़ा कर मानों पिछले दरवाजे से छूट वापस भी ले ली गई।

सोसाइटी की 23वीं मंजिल में लगी आग, उपकरणों ने नहीं किया काम

- सीढ़ियों से उतरकर परिवार ने बचाई जान

पायनियर समाचार सेवा। नोएडा

सेक्टर 137 स्थित पारस टियारा सोसाइटी में सोमवार तड़के आग लग गई। इसके चलते परिवार फ्लैट में ही फंसा रहा इस दौरान सोसायटी के टावर में लगे फायर उपकरण भी नहीं चल सके। गनीमत यह रही की परिवार का कोई भी सदस्य को आग की चपेट में नहीं आया।

मौके पर पहुंची दमकल की 3 गाड़ियों ने आग पर काबू पाया। अभी आग की वजह पता नहीं लगी सकी है। हादसे में घर का सामान जलकर राख हो गया अग्निशमन व पुलिस विभाग मामले की जांच कर रहे हैं।

जानकारी के मुताबिक पारस टियारा के टावर 17 की 23 वीं मंजिल में आग की सूचना सोसायटी के लोगों ने दमकल को दी। मौके पर पहुंची दमकल की तीन गाड़ियों ने कड़ी मशक्कत के बाद आग पर काबू पाया। फायर उपकरण काम नहीं करने के चलते काफी परेशानी हुई लोगों ने सीढ़ियों के जरिए इमारत से नीचे उतर कर अपनी जान बचाई।

प्रेमिका की शादी से नाराज युवक ने खुद को मारी गोली

हापुड़। जिले के थाना हापुड़ देहात क्षेत्र में एक युवक ने प्रेमिका की शादी से नाराज होकर खुद को गोली मार ली। जिसे गंभीर हालत में दिल्ली के अखिल भारतीय आयुर्विज्ञान संस्थान (एम्स) में भर्ती करवाया गया है। पुलिस मामलें की जांच कर रही है।

कोटला निवासी आरिफ का किसी लड़की से काफी समय से प्रेम प्रसंग चल रहा था। रविवार को प्रेमिका की शादी होने से नाराज आरिफ (23) ने तमंचे से अपने सिर में गोली मार ली। युवक के आत्महत्या का प्रयास किए जाने की सूचना पर परिवार में हड़कंप मच गया। पुलिस की मदद से घायल युवक को दिल्ली एम्स में गंभीर हालत में उपचार के लिए लाया गया।

संक्षिप्त समाचार

मानसिक रूप से विक्षिप्त युवक को खाना खिलाते सिपाही गुल मोहम्मद।

विक्षिप्त युवक को सिपाही ने खिलाया खाना

गाजियाबाद। लोग अक्सर खाकी पर तमाम तरह के सवाल खड़े करते आए हैं लेकिन कुछ वर्दीधारी ऐसे भी हैं जो कि अपनी ड्यूटी के साथ-साथ मानवता का भी पूरा परिचय देते हुए दूसरों के लिए वरदान साबित होते हैं। ऐसा ही एक मामला गाजियाबाद के थाना विजय नगर इलाके की प्रताप विहार कॉलोनी में उस वक्त सामने आया जब पेट्रोल बाइक पर गश्त कर रहे कांस्टेबल गुल मोहम्मद ने सड़क के किनारे एक युवक को बैठे हुए देखा। कांस्टेबल ने उसके बारे में जानकारी की तो पता चला कि वह शख्स डिग्री होल्डर है लेकिन, दिमाग से कुछ विक्षिप्त हो गया और वह सड़क के आसपास ही घूमता रहता है और वह भूखा है। बड़ी बात यह है कि कांस्टेबल जो लंचबॉक्स अपने लिए घर से लाया था उसने अपने लंचबॉक्स को ही खोलकर इस युवक को अपने हाथ से खाना खिलाया।

मशीन से नालों को साफ करता निगमकर्मी।

शहर के पांच जोन में नालों की सफाई शुरू

गाजियाबाद। वर्षा ऋतु को ध्यान में रखते हुए शहर के पांच जोन के बरसाती नालों की सफाई अभियान नगर निगम ने शुरू कर दिया है। इस समय नगर निगम का सफाई दस्ता नालो में जमी सिल्ट को बाहर निकालने में लगा हुआ है। नगर आयुक्त दिनेश चन्द ने बताया कि बरसात शुरू होने से पहले नालो की सफाई होना जरूरी है ताकि वर्षा के दौरान कोई भी नाला ओवरफ्लो न होने पाये। इस कार्य की देखरेख के लिए जोनल सैनेट्री आफिसर वीपी शर्मा एवं दिनेश अग्रवाल् को जिम्मेदारी सौपी गई है। नगर आयुक्त ने बताया कि इस अभियान में 19 मिनी पोकलेन मशीन, 5 फासिंग मशीन व 10 जेसीबी व 70 कर्मचारियों से सफाई कार्य युद्ध स्तर पर कराया जा रहा है। नालों की सफाई कराने के उपरान्त निकली सिल्ट का भी समय से उठान कराया जा रहा है।

सरकारी क्रय केंद्रों पर गेहूं खरीद में तेजी

गाजियाबाद। जिले में लॉकडाउन के बावजूद सरकारी क्रय केंद्रो पर किसानों के गेहूं की खरीद इस समय तेजी पकड़ रही है। अब तक कुल 1870,45 मीटरिक टन गेहूं की खरीद का काम पूरा हो चुका है। यह गेहूं जिले के 624 किसानों से खरीदा गया है। सोमवार को एक सरकारी प्रवक्ता ने बताया कि जिले में 7500 मीटरिक टन गेहूं खरीद का लक्ष्य रखा गया है। अभी तक कुल लक्ष्य का 24 प्रतिशत गेहूं की खरीद हुई है। इस सिलसिले में किसानों को उनकी फसल का मूल्य 294 लाख रूपये का भुगतान भी कर दिया गया है। प्रवक्ता ने बताया कि किसानों की सुविधा के लिए शासन द्वारा पूर्व में पंजीकरण एवं टोकन की बाध्यता को तत्काल प्रभाव से खत्म कर दिया गया है।

वेतन नहीं मिलने के कारण कंपनी गेट पर हंगामा करते कर्मचारी।

वेतन नहीं मिलने पर कंपनी के बाहर धरने पर बैठे मजदूर

- मौके पर भारी संख्या में पुलिस बल तैनात

पायनियर समाचार सेवा। नोएडा

कपड़ा निर्यात करने वाली एक फैक्टरी के बाहर सोमवार को मजदूरों ने प्रदर्शन किया। मजदूरों का आरोप है कि फैक्टरी प्रबंधन ने मार्च से वेतन नहीं दिया है। मौके पर भारी संख्या में पुलिस बल तैनात कर दिया गया है।

डीसीपी (जोन द्वितीय) हरीश चंदर ने बताया कि थाना फेस-तीन क्षेत्र के तहत आने वाले इलाके में कंपड़ा निर्यात की एक फैक्टरी है जो लॉकडाउन की वजह से मार्च से बंद थी। इसे सरकार के आदेश पर खोला गया है। उन्होंने बताया कि सोमवार सुबह जब मजदूर काम करने पहुंचे तो उन्होंने कंपनी प्रबंधन को बताया कि उन्हें मार्च से अब तक का वेतन नहीं मिला है। चंदर ने कहा कि मजदूरों ने पहले वेतन देने और फिर काम करने की बात कही।

जब फैक्टरी प्रबंधन ने वेतन देने में आनाकानी की तो मजदूरों ने हंगामा शुरू कर दिया तथा फैक्टरी गेट पर नारेबाजी करते हुए धरने पर बैठ गए। डीसपी ने बताया कि सूचना पाकर पहुंची पुलिस ने मजदूरों को समझाना चाहा, लेकिन वे शांत नहीं हुए। पुलिस अधिकारी फैक्टरी प्रबंधन तथा मजदूरों के बीच वार्ता करा रहे हैं।

भाजपा महिला मोर्चा ने दिए दस हजार मास्क

हापुड़। कोविड-19 के चलते जहां देश में लोकडाउन लगा हुआ है तो वहीं महिलाए भी कोरोना योद्धा बनी हुई हैं। कोरोना महामारी में महिलाएं सोशल डिस्टेंस का पालन करते हुए घर मे रहकर मास्क तैयार करने में लगी हुई हैं। भाजपा की क्षेत्रीय महिला मोर्चा महामंत्री कविता सिंह के नेतृत्व में स्वयंसेवी घरेलू महिलाओं ने निस्वार्थ भाव से अपना बहुमूल्य समय निकालकर इस भयंकर बीमारी से लड़ने के लिए करीब दस हजार से अधिक मास्क नि:शुल्क वितरण कर योगदान किया।

कोरोना संक्रमण से बचाव के बताए तरीके

पायनियर समाचार सेवा। नोएडा

कोरोना वायरस से देशभर में भय का माहौल है, ऐसे में लोगों को कोरोना के प्रति जागरूक रहना बेहद आवश्यक है।

इस जानलेवा बीमारी से जागरूक व्यक्ति लड़ सकता है, इन्ही सब बातों को ध्यान में रखते हुए ग्रेटर नोएडा के हल्द्वानी मोड़ स्थित निम्मस अस्पताल के सभी डाक्टर व कर्मचारी अपने संस्थापक डॉ राकेश व डॉ नीरज के साथ लोगों को जागरूक कर रहे हैं। साथ ही जगह-जगह सेनेट्राइजेशन कराते हुए लोगों की सामाजिक तौर पर भी लगातार मदद कर रहे हैं।

डॉ राकेश ने बताया कि उन्होंने अपने स्टाफ के साथ अपने क्षेत्रों में लोगों के बीच जाकर उन्हें कोरोना वायरस के बारे में जागरूक किया। वहीं इन सभी जगह सेनेटाइजेशन के साथ-साथ लोगों को वायरस से लड़ने के उपाय भी बताए।

उन्होंने बताया कि अस्पताल प्रबंधन द्वारा लॉकडाउन के दौर में इन सभी क्षेत्रों के साथ अन्य स्थानों पर परेशान लोगों की सामाजिक तौर पर भी लगातार मदद की जा रही है। इसके साथ मास्क, सेनेट्राजर सहित अन्य कई सामान लगातार जरूरतमंदों को वितरित किए जा रहे हैं।

दूध में जहर मिलाकर चाची और चचेरी बहनों को मार डाला

वसीयत में चाचा के नाम जायदाद करने से आरोपी था नाराज, गिरफ्तार

पायनियर समाचार सेवा। गाजियाबाद

मुरादनगर थाना क्षेत्र के बहादुरपुर गांव में एक युवक ने अपनी चाची व दो चचेरी बहनों की दूध में जहर पिलाकर हत्या कर दी । युवक सारी संपति की वसीयत चाचा के नाम किए जाने और चाची के व्यवहार से क्षुब्ध था । पुलिस ने युवक को गिरफ्तार कर लिया है।

महिला व दो मासूम बच्चियों के सामूहिक हत्याकांड से बाद गांव में मातम का माहौल है । एसएसपी कलानिधि नैथानी ने खुद मौके का मुआयना किया। पूछताछ में भतीजे ने सारी वसीयत चाचा के नाम किए जाने और चाची के व्यवहार पर नाराजगी प्रकट करते हुए जहर देकर मारना कबूल किया है। एसएसपी ने बताया कि मुरादनगर थाना क्षेत्र के बहादुरपुर गांव में एक महिला व उसकी दो पुत्रियों के मृत अवस्था में मिलने की सूचना मिली थी जिसके बाद पुलिस तत्काल मौके पर पहुंची और जांच पड़ताल शुरू की।

उन्होंने बताया कि मरने वालों की पहचान रामेश्वर की पत्नी गीता 28 वर्ष तथा उसकी पुत्री अनन्या 5 वर्ष, परी 3वर्ष के रूप में हुई । तीनों के मुंह से झाग निकल रहे थे। उन्होंने बताया कि तीनों की किसी विषैले पदार्थ के सेवन से मौत हुई है । नैथानी ने बताया कि पुलिस ने तीनों शवों को पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया है जबकि रामेश्वर के अन्य परिजनों व संबंधियों से पूछताछ की। जांच के दौरान पुलिस को रामेश्वर के भतीजे विक्रांत की गतिविधियां संदिग्ध लगी और पुलिस ने उससे गहन पूछताछ की तो उसने अपना जुर्म कुबूल कर लिया। उसने पुलिस को बताया कि उसके पिता रामकिशन व रामेश्वर दो भाई थे । दादा के नाम पर आठ बीघा जमीन थी लेकिन इस सारी जमीन की वसीयत चाचा रामेश्वर के नाम कर दी गई।

ग्रेटर नोएडा में महिला की गोली मारकर हत्या

नोएडा। ग्रेटर नोएडा में एक महिला की गोली मारकर हत्या कर दी गई है। पुलिस ने दो हत्यारोपियों को हिरासत में ले लिया है। उनसे पूछताछ की जा रही है। अभी हत्या के कारणों की स्थिति पुलिस ने स्पष्ट नहीं की है। दूसरी ओर महिला के शव को पंचनामा भरने के बाद पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया गया है। ग्रेटर नोएडा के डीसीपी राजेश कुमार सिंह और एसीपी घटनास्थल पर पहुंचे हैं। मिली जानकारी के मुताबिक दादरी कोतवाली क्षेत्र की एस्कोर्ट कॉलोनी में एक महिला की गोली मारकर हत्या कर दी गई है। सूचना मिलने पर पुलिस मौके पर पहुंची। पुलिस ने 2 लोगों को हिरासत में ले लिया है। पुलिस दोनों लोगों से पूछताछ कर रही है। हत्या के कारणों की वजह का पता लगाने का प्रयास किया जा रहा है।

सीएमवाईके प्रिंटेक लिमिटेड के लिए मुद्रक एवं प्रकाशक चन्दन मित्रा द्वारा नं. 6, गुलाब भवन के पीछे, बहादुर शाह ज़फ़र मार्ग, नई दिल्ली-110002, दूरभाष: 011-40110455 से प्रकाशित तथा बीएफएल इन्फोटेक लिमिटेड सी-9 सेक्टर-3, नोएडा-201301 (उ.प्र.) से मुद्रित। सम्पादक: चन्दन मित्रा, स्थानीय सम्पादक: उषा श्रीवास्तव।
पाठकों को सुझाव दिया जाता है कि इस अखबार के किसी भी विज्ञापन पर प्रतिक्रिया करने से पहले पूरी तरह उसके बारे में दिए गए दावों, शर्तों और तथ्यों की जांच कर लें। पायनियर ग्रुप के मुद्रक, प्रकाशक, सम्पादक या उसका कोई भी कर्मचारी विज्ञापनदाता द्वारा उनके किसी उत्पाद तथा सेवा हेतु किए गए किसी दावे की सच्चाई का आश्वासन या उत्तरदायित्व नहीं लेता है। ऐसे विज्ञापनों के बाद किसी आर्थिक क्षति के लिए वे जिम्मेदार भी नहीं हैं।
पत्रवार्ता ऑफिस- एफ-31, सेक्टर 6, नोएडा, गौतमबुद्धनगर-201301, उत्तर प्रदेश, दूरभाष- 120-4879800-4879900।

शहीद राजसिंह खटाना का राजकीय सम्मान के साथ अंतिम संस्कार

शहीद के पार्थिव शरीर पर पुष्प अर्पित करतीं सोहना एसडीएम डॉ. चिनार।

शहीद पिता के पार्थिव शरीर पर पुष्प भेंट करते जेष्ट पुत्र ऋषभ।

गांव दमदमा शहीद राजसिंह खटाना की चिता को अग्नि देते पुत्र ऋषभ।

बेटा ऋषभ बोला पापा की तरह करूंगा देश की सेवा

पायनियर समाचार सेवा। सोहना

दमदमा निवासी शहीद राजसिंह खटाना की अंतिम यात्रा में शामिल हुए हजारों लोगों ने नम आंखों से विदाई दी। पार्थिव शरीर को घर से अंतिम संस्कार के लिए ले जाते समय ग्रामीणों ने गगन चुंबी नारे लगाते हुए शहीद राजसिंह अमर रहे, 'जब तक सूरज-चांद रहेगा, राजसिंह खटाना तेरा नाम रहेगा' जैसे नारों से गांव गूंज उठा।

कश्मीर के जिला डोडा में रविवार सुबह देश के दुश्मन आतंकवादियों से 10 घंटे तक लड़ाई लड़ने के दौरान शहीद हुआ 28 वर्षीय राजसिंह खटाना का पार्थिव शरीर सोमवार को पौने चार बजे पैतृक गांव दमदमा में पहुंचा। इस अवसर पर प्रशासन की तरफ से एसडीएम डॉ. चिनार, सोहना विधायक संजय सिंह, राजस्थान की टोंग लोकसभा सीट से सासंद चौधरी सुखबीर सिंह जौनापुरिया, सतबीर पहलवान सहित नायब तहसीलदार दलबीर सिंह दुग्गल सहित आर्मी एसोसिएशन से आए वीर जवानों ने शहीद राजसिंह खटाना को पुष्प भेंट करके श्रद्धांजलि दी।

सामाजिक दूरी नियम को किया दरकिनार

शहीद राजसिंह खटाना का पार्थिक शरीर आने से चंद मिनट पहले मौके पर मौजूद पुलिस प्रशासन ने ग्रामीणों से सामाजिक दूरी का नियम अपनाने की अपील की थी। इसके लिए गांव के ही निवासी कांग्रेसी नेता सतबीर पहलवान ने भी ग्रामीणों को अपने घरों में रहते हुए शहीद के पार्थिव शरीर पर पुष्पों से वर्षा करने की अपील की थी, लेकिन जैसे ही शहीद का पार्थिव शरीर गांव में पहुंचा। ग्रामीण अपने लाडले के अंतिम दर्शन करने के लिए बेकाबू हो गए। सामाजिक दूरी का नियम दूर-दूर तक नजर नहीं आया।

नम आंखों से शहीद को दी अंतिम विदाई

शहीद का पार्थिव शरीर को जैसे ही राजसिंह खटाना के निवास से लेकर अंतिम संस्कार के लिए लेकर चले। वैसे ही शहीद के अंतिम दर्शन करने के लिए गांव का क्या बच्चा क्या वृद्ध सभी मुख्य रास्ते पर घर के दरवाजों और छतों के ऊपर खड़े हो गए थे।

मां से ख्याल रखने को बोले थे राजसिंह

राज सिंह ने शहादत देने से एक दिन पहले ही अपनी मां व पत्नी से वीडियो कॉल पर बात की थी। वीडियो कॉल पर हुई बातचीत में राज सिंह ने मां से अपना ख्याल रखने के बारे में कहा। राजी खुशी की बात करते हुए छुट्टी मिलते ही घर आने की बात कही थी। राज सिंह छह महीने से लगातार ड्यूटी पर तैनात थे। ड्यूटी पर रहते हुए भी फोन पर अपने बेटे से बात कर अच्छे से पढ़ने की बात करते थे। ग्रमीणों के अनुसार राज सिंह बड़े ही सहनशील मिजाज व खेल के शौकीन थे। राज सिंह की शहादत के बाद ग्रमीण राज सिंह की तारीफ करते हुए नहीं थक रहे है।

2011 में हुए थे भर्ती

सैनिक राज सिंह खटाना साल 2011 में राजपूत रेजीमेंट में भर्ती हुए थे। उनके पिता गजराज सिंह और चाचा कैलाश भी फौज में थे। शहीद का पूरा ही परिवार फौज में रहा। देशभक्ति की भावना उनमें कूट-कूटकर भरी हुई थी। शहीद के तीन बच्चे हैं। बड़ा बेटा 8 साल का ऋषभ, छोटा बेटा और एक बेटी हैं।

शहीद के बेटे ने कहा पिता के दुश्मनों से सेना में जाकर लूंगा बदला

नरेश कुमार। सोहना

अंतिम दर्शन करती पत्नी रविता।

शहीद राजसिंह की मां बिमला देवी बेटा शाहदत देते हुए बेटा पुकारती हुई।

शहीद राजसिंह की दो बहनें भाई के शव को देखे बिलख पड़ी।

शहीद राजसिंह खटाना के बड़े बेटे ऋषभ ने कहा कि फौज में भर्ती होकर पिता के दुश्मनों को चुन-चुनकर मारेगा। ताकि अपने पिता के खून का बदला आतंकवादियों लिया जा सके। रविवार रात शहीद हुआ दमदमा निवासी राजसिंह खटाना के परिजनों को प्रशासन द्वारा यह सूचना दे दी गई थी।

शहीद राजसिंह खटाना अपने पीछे मां बिमला देवी, पत्नी रविता, दो बेटा ऋषभ, अनुराग और एक बेटी इशीका। चार बहन सहित दो भाइयों को रौते-बिलखते हुए छोड़ गया है। सोमवार को जैसे ही राजसिंह खटाना का पार्थिव शरीर घर के आंगन में पहुंचा। वैसे ही अपने लाड़ले को देखने के लिए परिजनों सहित ग्रामीणों का ताता लग गया। शहीद राजसिंह खटाना के बड़े बेटे ऋषभ ने पिता को अंतिम विदाई देते वक्त दुश्मनों के दांत खट्टे करने का प्रण लिया। ऋषभ ने कहा कि वह भी दादा गजराज सिंह व पिता राजसिंह खटाना की तरह से देश की सेना में भर्ती होगा। सेना में भर्ती होने के बाद सबसे पहले आतंकवादियों को अपनी बंदूक का निशाना बनाएगा। ताकि पिता की शाहदत का बदला ले सकूं। पौत्र ऋषभ के सिर पर हाथ फेरते राजसिंह की मां बिमला देवी ने उसके जज्बे को सलाम बढ़ाने का काम किया। ऋषभ ने कहा कि अभी उसकी उम्र मात्र दस वर्ष ही है। लेकिन आठ साल बाद वह सेना में भर्ती होने का मकशद आज से ही लेकर चलेगा।

मां का गला सूखा

रविवार को जैसे ही शहीद की मां बिमला देवी को पुत्र की शाहदत की जानकारी मिली। वैसे ही माता बिमला देवी की आंखों से अश्रुधारा बहने लगी। सूचना मिलने के 18 घंटे बीत जाने के बाद जैसे ही शहीद पुत्र का पार्थिव शरीर घर के आंगन में पहुंचा। वैसे ही मां बिमला देवी का गला अपने लाडले को पुकारते हुए सूख गया। ताबूत में चैन की नींद सौ रहा बेटा राजसिंह खटाना मां बिमला को एक बार की उसकी पुकार का उत्तर नहीं दे सका।

पांच माह पहले दो बहनों की शादी की थी

12 वर्ष पहले पिता का साया सिर से उठ जाने के बाद राजसिंह ने पूरे घर की जिम्मेदारी लेते हुए अपनी मां बिमला देवी सहित दो भाइयों और चार बहनों को किसी प्रकार की कमी नहीं होने दी। दिसम्बर 2019 में अपनी दो छोटी बहनों की धूमधाम से शादी करते डोली में बैठाकर विदा किया था, लेकिन बहनों को क्या पता था की अनहोनी पिता के बाद बड़े भाई का साया भी उनके ऊपर से छीन लेगा। राजसिंह की बहनों का रो-रोकर बुरा हाल था।

मकान मालिक ने किराए का दबाव बनाया तो पलम्बर ने की आत्महत्या

पायनियर समाचार सेवा। गुरुग्राम

गांधी नगर क्षेत्र की है घटना

मकान मालिक के खिलाफ पुलिस ने किया केस दर्ज

बेशक सरकार और प्रशासन लॉकडाउन में मकान मालिकों द्वारा किराए मांगने की सूरत में कार्रवाई की बात कहता हो, लेकिन यहां एक मकान मालिक द्वारा बनाए गए किराए के दबाव के चलते एक पलम्बर ने आत्महत्या करने जैसा कदम उठाया। इससे यह साबित होता है कि लोगों में किसी प्रशासन, कानून का डर नहीं है। सहायक पुलिस आयुक्त राजेंद्र कुमार ने बताया कि शव को पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया है। अभी आरोपी कि गिरफ्तारी नहीं कि गई है।

पुलिस के मुताबिक उड़ीसा के ललितापुर गांव निवासी मधुसूदन मिश्रा (45) गुरुग्राम गांधी नगर कि गली नम्बर-6 स्थित हर्षित शर्मा के मकान में बीते डेढ़ साल से किराए पर रहता था। वह प्लम्बर का काम करता था। लॉकडाउन कि वजह से वह काफी समय से काम न होने कारण घर पर ही था। रविवार सुबह उनके पड़ोस में रहने वाले भुवनेश्वर चौरसिया ने पानी भरने के लिए मधुसूदन का दरवाजा खटखटाया, लेकिन उसने दरवाजा नहीं खोला। बार-बार दरवाजा खटखटाने के बाद जब उसे शक हुआ तो उसने ग्राउंड फ्लोर में रहने वाले मकान मालिक को सूचना दी।

मकान मालिक ने पुलिस कंट्रोल रूम में फोन करके सूचना दे दी। मकान मालिक कि मदद से प्लम्बर के कमरे की खिड़की कि ग्रिल तोड़कर कुंडी खोली तो वह जमीन पर अचेत मिला। बगल में ही एक जहरीले पदार्थ की डिब्बी पड़ी मिली। अस्पताल ले जाने पर डॉक्टरों ने उसे मृत घोषित कर दिया।

पड़ोसी भुवनेश्वर ने पुलिस को बताया कि दो दिन पहले पलम्बर ने उसे बताया कि मकान मालिक किराए के लिए परेशान कर रहा है, तभी से वो परेशान चल रहा था। पुलिस जांच में सामने आया कि बीते 5 माह से पलम्बर किराया नहीं दे पा रहा था। मकान मालिक के दबाव बनाने पर उसने खुदकुशी कर ली। शिवाजी नगर थाना पुलिस ने मकान मालिक पर केस दर्ज कर शव को पोस्टमार्टम के लिए रखवा दिया है। पुलिस मामले कि जांच कर रही है।

910 प्रवासी नागरिकों को लेकर 20 बसें यूपी और नौ बसें एमपी रवाना

एसडीएम चिनार चहल की देखरेख में गंतव्य को रवाना हुए श्रमिक

गुरुग्राम। लॉकडाउन में हरियाणा सरकार के दिशा-निर्देशानुसार प्रवासी नागरिकों को उनके गृह जिलों में भेजने की व्यापक व्यवस्था जिला प्रशासन की ओर से की जा रही है। सोमवार को गुरूग्राम जिला के अलग-अलग स्थानों से उत्तर प्रदेश व मध्यप्रदेश के लिए हरियाणा राज्य परिवहन की बसें रवाना हुई। उत्तर प्रदेश के लिए 595 तथा मध्यप्रदेश के लिए 315 प्रवासी नागरिक जिला से रवाना हुए।

एसडीएम चिनार चहल की देखरेख में सभी प्रवासी नागरिकों को बसों में बैठाकर उनके गंतव्य की ओर भेजा। बसों में सवार करने से पूर्व सभी प्रवासी श्रमिको की थर्मल स्कैनिंग की गई और उन्हें फिटनेस सर्टिफिकेट दिया गया। सभी प्रवासी नागरिकों को मास्क, बिस्किट व पानी की बोतलें देते हुए उन्हें क्रमवार राज्य परिवहन की बसों में बिठाकर उत्तर प्रदेश के बुलंदशहर तथा मध्यप्रदेश के ग्वालियर के लिए भेजा गया। उन्होंने बताया कि सोमवार को सरहौल स्थित सामुदायिक केन्द्र से 207 प्रवासी नागरिक, सिद्धरावली शैल्टर होम से 118, बस स्टैंड से 90 तथा सैक्टर-21 से 180 प्रवासी नागरिकों की बसों में रवाना किया गया। इसी प्रकार मध्य प्रदेश के ग्वालियर के लिए राजकीय कन्या महाविद्यालय सैक्टर-14 से मध्य प्रदेश के लिए 9 बसों में 315 प्रवासी नागरिकों को रवाना किया गया। सोमवार को सुश्री चहल ने सभी प्रवासी नागरिकों को अपने घर सकुशल पहुंचने का संदेश दिया।

रविवार को जिला में 3 लाख 21 हजार 650 क्विंटल सरसों की खरीद

गुरुग्राम। जिला की सभी मंडियों में सरसों और गेहूं की खरीद के लिए उचित प्रबंध किए गए हैं व सभी मंडियों में फसल खरीदने का कायज़ व्यवस्थित चल रहा है। उन्होंने कहा कि मंडियों में किसानों के लिए सभी मूलभूत सुविधाएं उपलब्ध करवाई जा रही हैं। जिला खाद्य एवं पूर्ति नियंत्रक मोनिका मलिक ने बताया कि रविवार को जिला की फरूखनगर मंडी में 7240 क्विंटल सरसो की खरीद की गई। उन्होंने बताया कि हेलीमंडी तथा सोहना मंडी में रविवार को सरसों की कोई खरीद नही हुई। इस प्रकार जिला में रविवार को 7 हजार 240 क्विंटल सरसों की खरीद की गई। उन्होंने बताया कि जिला में फसलों की खरीद दो एजेंसियों नामत: हरियाणा वेयर हाउसिंग कॉरपोरेशन और हैफेड द्वारा की जा रही है।

डीड राइटर्स की कार्यकारिणी गठित, लॉकडाउन का समर्थन

पायनियर समाचार सेवा। फर्रुखनगर

गुरुग्राम के खंड फरूखनगर की तहसील में बैठक करते डीड राइटर।

कोरोना वायरस के संक्रमित लोगों की नियंतरण बढ़ती संख्या के चलते 18 मई से पूरे देश में लागू चौथे चरण के लॉकडाउन की घोषणा के बाद सोमवार को फरूखनगर तहसील परिसर में अधिवक्ताओं और डीड राईटरों की संयुक्त बैठक हुई। बैठक में सर्वसम्मति से अधिवक्ता राजेश राव राजुपुर को अध्यक्ष, कुलदीप यादव डाबोदा को कोषाध्यक्ष तथा अधिवक्ता तेजपाल शर्मा पटौदा को सचिव नियुक्त किया गया।

नवगठित पदाधिकारियों ने सर्वसम्मति से 31 मई तक जनहित को ध्यान में रखते हुए तहसील परिसर में किसी भी प्रकार का कोई कार्य नहीं करने तथा निजी दफ्तर नहीं खोलने की घोषणा की। इस मौके पर तहसील फर्रूखनगर एसोशिएसन के नव नियुक्त अध्यक्ष अधिवक्ता राजेश राव ने बताया कि सरकार द्वारा 20 अप्रैल से ही प्रदेश की सभी तहसील कार्यालयों को रजिस्ट्री आदि दस्तावेजों के लिए खोला हुआ है। फर्रूखनगर तहसील भले ही ग्रामीण आंचल की तहसील है। लेकिन इसमें रजिस्ट्रियां कराने के लिए दिल्ली, राजस्थान, गुरुग्राम, झज्जर, बहादुरगढ़, उत्तर प्रदेश, रेवाडी, फरीदाबाद आदि स्थानों से लोग आते है। अगर सभी अधिवक्ता अपने कार्यालय खोलते है तो तहसील में आने वाली भीड पर काबू पाना तो दूर शारीरिक दूरी, मास्क लगाना, सेनीटाईजर का प्रयोग आदि लॉकडाउन के नियमों का पालन भी नहीं हो पायेगा। इस मौके पर अशोक शर्मा खंडेवला, श्रीभगवान गुरावडिया, अधिवक्ता मनोज डाबोदा, अधिवक्ता प्रदीप यादव, अधिवक्ता राजेंद्र यादव, प्रवीण शर्मा, सोनू सैनी, विनोद राणा, अनिल कुमार, सुरेंद्र सैनी, टीपलू शर्मा, कंवर सिंह नम्बरदार आदि मौजूद थे।

कोरोना पर एक माह में लिखी दूसरी पुस्तक

पायनियर समाचार सेवा। गुरुग्राम

वरिष्ठ पत्रकार अमित नेहरा ने कोरोना पर लिखी है यह पुस्तक

अंग्रेजी में भी शीघ्र ही कोविड-19 डॉट कम अगेन नाम से आने वाली है तीसरी पुस्तक

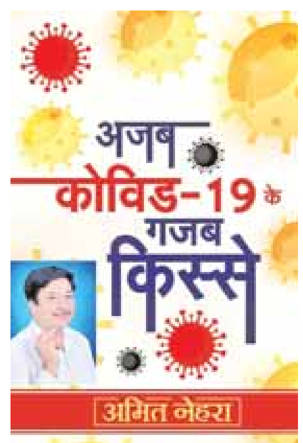

वरिष्ठ पत्रकार, लेखक और राजनीतिक विश्लेषक अमित नेहरा द्वारा लिखित अजब कोविड-19 के गजब किस्से नामक पुस्तक।

विश्वव्यापी कोरोना वायरस की महामारी पर वरिष्ठ पत्रकार, लेखक और राजनीतिक विश्लेषक अमित नेहरा ने अजब कोविड-19 के गजब किस्से नामक पुस्तक लिखी है। लांच होने के शुभ अवसर पर इस ई-बुक को विश्व विख्यात ई-कॉमर्स कम्पनी अमेजन से आगामी 21 मई तक बिल्कुल फ्री खरीदा जा सकता है।

अमित नेहरा इसी महामारी पर पिछले महीने ही कोविड-19-2020 नामक एक अन्य पुस्तक भी लिख चुके हैं। एबीएस ट्रस्ट द्वारा प्रकाशित अजब कोविड-19 के गजब किस्से नामक यह पुस्तक अंतरर्राष्ट्रीय महामारी कोविड-19 के कहर के दौरान घटित हुए रोचक और रोमांचक असली किस्सों पर आधारित है। अमित नेहरा द्वारा अपनी एक विशेष शैली में लिखे गए ये किस्से मन को गुदगुदाते तो हैं ही साथ में पाठक के दिल को भी झकझोर कर रख देते हैं। इन किस्सों को पढ़कर कोविड-19 की विभीषिका के व्यापक असर का पता चलता है। सबसे बड़ी बात यह है कि इस पुस्तक में साहित्य के भी सभी रंग देखने को मिलते हैं। अजब कोविड-19 के गजब किस्से लिखकर अमित नेहरा ने लेखन की अपनी एक विशिष्ट शैली को आगे बढ़ाया है। यह पुस्तक भी उनकी बहुचर्चित पुस्तक, रंगीला हरियाणा की याद ताजा करा देती है। इसके अलावा एबीएस ट्रस्ट द्वारा प्रकाशित यह पुस्तक कोविड-19 के कहर के दौरान हुई घटनाओं का भविष्य में प्रामाणिक दस्तावेज साबित होगी।

देश में बेशक लॉकडाउन चल रहा हो लेकिन अमित नेहरा की लेखनी की गति धीमी नहीं हुई है। अंग्रेजी में भी शीघ्र ही कोविड-19 डॉट कम अगेन नामक उनकी पहली पुस्तक भी प्रकाशित होने वाली है। अनेक लेखकों, पत्रकारों और गणमान्य लोगों ने उन्हें उनकी इस उपलब्धि पर बधाई दी है और कामना की है कि मानव जाति की भलाई के लिए वे इसी तरह साहित्य की सेवा करते रहेंगे। इस पुस्तक को पढ़कर पाठक लॉकडाउन के खाली समय का बेहतरीन सदुपयोग कर सकते हैं। लॉकडाउन के कारण फिलहाल इस किताब को ई-बुक के रूप में प्रकाशित किया गया है, स्थिति सामान्य होते ही इसका पेपरबैक संस्करण भी उपलब्ध होगा।

विधायक ने पहनाई प्रवासियों को चप्पलें

नवकल्प फाउंडेशन की ओर से आवंटित की गई चप्पलें

देवीलाल स्टेडियम से रवाना होते हुए प्रवासियों को सुहाने सफर की दी शुभकामनाएं

पायनियर समाचार सेवा। गुरुग्राम

गुरुग्राम के देवीलाल स्टेडियम में लोगों को चप्पलें पहनाते विधायक सुधीर सिंगला। सदर थाना एसएचओ नवीन पराशर, केएमपी एक्सप्रेस-वे पर प्रवासियों को चप्पलें पहनाते नवकल्प फाउंडेशन के सचिव डा. सुनील आर्य, पार्षद दलीप साहनी व अन्य।

गुरुग्राम से रवाना हो रहे प्रवासियों को नवकल्प फाउंडेशन की ओर से विधायक सुधीर सिंगला ने चप्पलें पहनाई। गुरुग्राम के कवि सुंदर कटारिया द्वारा लॉकडाउन के माहौल के बीच हल्का-फुल्का काव्य पाठ करके उनका मनोरंजन भी किया गया। सभी प्रवासियों को विधायक सुधीर सिंगला द्वारा सुहाने सफर की शुभकामनाएं देते हुए लॉकडाउन के बाद फिर से आने की भी बात कही।

यहां देवीलाल स्टेडियम से प्रवासी श्रमिकों को हरियाणा राज्य परिवहन की बसों में रोजाना रवाना किया जाता है। इस रवानगी के मौके पर नवकल्प फाउंडेशन की ओर से सभी प्रवासियों को चप्पलें भेंट की गई। इस मौके पर विधायक सुधीर सिंगला ने कहा कि गुरुग्राम के विकास में प्रवासियों का अहम योगदान है। इसमें मजदूर भी हैं, श्रमिक भी हैं, अधिकारी भी हैं। जो श्रमिक यहां से रवाना हो रहे हैं, वे अपनों से मिलकर वापस जरूर लौटें। क्योंकि उनकी यहां बहुत जरूरत है। बेशक उनका रोजगार हो, लेकिन यहां विकास का रास्ता भी उन्हीं से होकर जाता है।

विधायक ने कहा कि शहर की सामाजिक संस्थाओं ने किसी भी प्रवासी को परेशान नहीं होने देने के भरसक प्रयास किए हैं। चाहे खाना की बात हो या राशन की, जहां भी जरूरत महसूस पड़ी या जहां से भी सूचना आई, वहां पर खाना, राशन भिजवाया गया। उन्होंने कहा कि बिना किसी स्वार्थ के संस्थाओं ने इस लॉकडाउन में जो भूमिका निभाई है, वह काबिले तारीफ है। भोजन, राशन देते समय यह नहीं देखा गया कि कौन कहां का है, बल्कि उसकी भूख की चिंता की गई। यही हमारी एकता की बात है।

उन्होंने कहा कि आज का दौर दुनिया में बदलाव का दौर है। इसलिए हम सबको भी बदलना होगा। लॉकडाउन के बीच दुनिया के साथ हम सब भी प्रभावित हुए हैं। अब हमें इससे बाहर निकलना है। सरकार भी पूरा प्रयास कर रही है। जरूरत की मार्केट को खोलने का निर्णय ले लिया गया है। सोशल डिस्टेंस का ख्याल रखते हुए मार्केट का समय भी निर्धारित किया गया है। धीरे-धीरे सब सामान्य हो जाएगा। हमें भी इसका ख्याल रखना है। इस मौके पर हरियाणवी हास्य कवि सुंदर कटारिया ने हल्का-फुल्का मनोरंजन भी किया।

कलाकारों को काम नहीं अधिकारियों पर करोड़ों खर्च

पायनियर समाचार सेवा। गुरुग्राम

विश्वदीपक त्रिखा।

कला एवं कलाकारों की भलाई और प्रदेश में बेहतर सांस्कृतिक माहौल बनाने के लिए बनाए गए हरियाणा कला परिषद की सांस्कृतिक गतिविधियां पिछले काफी समय से ठप्प पड़ी हैं।

प्रसिद्ध रंगकर्मी तथा मल्टी आर्ट एण्ड कल्चर सेंटर कुरुक्षेत्र के पूर्व उपनिदेशक विश्व दीपक त्रिखा इस बाबत कहते हैं कि कोरोना महामारी के प्रकोप के बाद तो अब निकट भविष्य में भी किसी तरह के सांस्कृतिक आयोजन होने की गुंजाइश नहीं दिखती। इसके बावजूद हरियाणा कला परिषद में जमे बैठे पदाधिकारियों पर बेवजह जनता के टैक्स का करोड़ों रुपए खर्च किया जा रहा है। उन्होंने कहा कि परिषद के उपाध्यक्ष संजय भसीन तथा क्षेत्रीय निदेशकों का कार्यकाल पूरा हो जाने के बावजूद वे अपनी पदों पर चिपके हुए हैं। यह सब तब हो रहा है जब सरकार आर्थिक तंगी के चलते खर्चे कम करने की कोशिशों में जुटी है और खुद मुख्यमंत्री आदेश जारी कर चुके हैं कि सभी सरकारी निगमों, बोर्डों, सहकारी संस्थाओं तथा अन्य उपक्रमों में कार्यरत अध्यक्षों तथा उपाध्यक्षों का कार्यकाल 30 अप्रैल 2020 तक ही माना जाएगा। परन्तु कला परिषद के अधिकारी सरकार के इन आदेशों की भी सरेआम अवहेलना कर रहे हैं। विश्वदीपक त्रिखा का कहना है कि हाल ही में केन्द्र सरकार द्वारा लॉकडाउन के चलते जनजीवन पर पड़े विपरीत प्रभाव से उभरने और आम लोगों को राहत देने के लिए जो 20 लाख करोड़ का पैकेज घोषित किया गया है, उसमें भी कलाकारों के लिए कोई प्रावधान नहीं किया गया है।

लाखों रंगकर्मी, लोक कलाकार, संगतकार, शिल्पकार, पेंटर, मूर्तिकार, गायक, नर्तक ऐसे हैं जो सांस्कृतिक एवं कलात्मक गतिविधियों के सहारे ही अपने परिवार का गुजर-बसर करते हैं।

लॉकडाउन में घर बैठे बच्चों की पेंटिंग स्पर्धा करवा निखारी प्रतिभा

वैश्य परिवार वेलफेयर एसो. की ओर से पेंटिंग प्रतियोगिता का आयोजन

पायनियर समाचार सेवा। गुरुग्राम

गुरुग्राम के सेक्टर-10ए में बच्चों द्वारा घर बैठे पेंटिंग प्रतियोगिता दिखाते वैश्य परिवार वेलफेयर एसो. के पदाधिकारी।

लॉकडाउन के समय में बेशक बहुत से लोग इसे मौज-मस्ती करके बिता रहे हों, लेकिन यहां सेक्टर-10 में वैश्य परिवार वेल्फेयर एसोसिएशन ने लॉकडाउन का सदुपयोग करते हुए बच्चों को कलात्मक रूप से निखारा। उनकी घर बैठे पेंटिंग प्रतियोगिता कराई और फिर वाट्सअप के जरिए पेंटिंग की फोटो मंगवाकर, कई जगहों से पेंटिंग उठाकर फिर उनका परिणाम निकाला। लॉकडाउन के बीच बहुत से परम्पराएं बदली हैं तो शिक्षा के क्षेत्र में यह नई परम्परा भी शुरू की गई।

सेक्टर-10 में वैश्य परिवार वेल्फेयर एसोसिएशन के अध्यक्ष नवीन गोयल ने कहा कि बच्चों को शिक्षा व कला से जोड़े रखने के लिए पेंटिंग प्रतियोगिता आयोजित की गई। प्रतियोगिता का विषय रखा गया कोरोना और पर्यावरण। इसमें प्रतिभागी बच्चों ने अपने-अपने दिमाग की उपज से बेहद ही प्रभावशाली पेंटिंग बनाई। कोषाध्यक्ष सुदर्शन अग्रवाल, महासचिव टीसी अग्रवाल व स्पॉन्सर मनीष सिंघल ने कहा कि लॉकडाउन में बच्चों के लिए यह अलग तरह का प्रयास था, जो कि सफल रहा। निर्णायक के रूप में प्रसिद्ध आर्टिस्ट एवं त्रिपुरारी कला संगम के सर्वेसर्वा सुधीर गुप्ता त्रिपुरारी ने अपनी अहम भूमिका निभाई।

यह रहे प्रतियोगिता के परिणाम

इस प्रतियोगिता के प्रथम वर्ग यानी छठी कक्षा तक के प्रतिभागियों में युवराज गोयल प्रथम, लवण्य गोयल द्वितीय, इशिता गुप्ता तृतीय रहे। द्वितीय वर्ग 7वीं कक्षा से ऊपर की स्पर्धा में मृगांशी प्रथम, भुम्बी सिंघल द्वितीय और तनिष्क अग्रवाल तृतीय, तृतीय वर्ग 10वीं कक्षा से ऊपर अंशिका अग्रवाल प्रथम, सार्थक अग्रवाल द्वितीय, संजना गर्ग तृतीय स्थान पर रही।

फटाफट खबरें

विश्व शांति के लिए किया हवन

फरीदाबाद। सेक्टर-16 स्थित फरीदाबाद कालीबाड़ी मंदिर परिसर में भारत सेवा आश्रम के सन्यासियों स्वामी पीताम्बरानंदा एवं स्वामी सौरभानंदा की अगुवाई में एक भव्य वैदक शांति यज्ञ का आयोजन किया गया। जो वर्तमान में वैदिक मंत्रोच्चारण की गूंज के साथ जारी है। यह यज्ञ सम्पूर्ण जीव जगत के कल्याण, विश्व शांति एवं पारिवारिक शांति के लिए आयोजित किया गया।
लॉकडाउन के मद्देनजर मंदिर परिसर में आम आवागमन पर रोक है परन्तु इस यज्ञ का लाभ समस्त मानव जगत एवं जीव जगत के हित में है और इससे सभी का कल्याण होगा।
कालीबाड़ी मंदिर के कतिपय गिने चुने कार्यकर्ता/सदस्य के देख-रेख में इस यज्ञ का आयोजन किया गया। इस यज्ञ के दौरान मंदिर में अचिंत पंडित, सांतनु देब सरकार, देवाशीष घोष एवं अभिजीत गांगुली उपस्थित रहे। फरीदाबाद कालीबाड़ी मंदिर संस्थान के पदाधिकारियों ने बताया कि कोरोना महामारी के चलते घोषित लॉकडाउन के प्रथम दिन से लेकर 17 मार्च तक लगभग 39,700 जरुरतमंद लोगो तक अपने मंदिर परिसर में मंदिर के स्वयं सेवको द्वारा बनाया गया स्वच्छ, पौष्टिक एवं रोचक भोजन उचित पैकेजिंग के साथ उपलब्ध कराया है।

रेडक्रॉस ने किसी एनजीओ को नहीं किया भुगतान : विकास

फरीदाबाद। जिला रेडक्रॉस सोसायटी की छवि खराब करने के उद्देश्य से इन दिनों सोशल मीडिया में एक सूची गलत जानकारी के साथ फॉरवर्ड की जा रही है जोकि बेहद शरारतपूर्ण कार्य है। इसकी जिला रेडक्रॉस सोसायटी निंदा करती है। रेडक्रॉस सोसायटी के सचिव विकास कुमार ने बताया कि उन्हें सूचना मिली है कि विभिन्न व्हाट्सअप ग्रुपों में एक सूची भेजी जा रही है और कहा जा रहा है कि जिला रेडक्रॉस सोसायटी द्वारा एनजीओ को फंड दिया गया है। विकास कुमार ने बताया कि एनजीओ को फंड दिये जाने का तथ्य पूरी तरह से गलत है। उन्होंने बताया कि उनके कार्यालय ने यह सूची जिला उपायुक्त कार्यालय को यह बताने के लिए भेजी गई थी कि हमारी एनजीओ इतने फूड पैकेट्स वितरित कर चुकी हैं और लगभग इतनी रकम के फूड पैकेट्स एनजीओ द्वारा बांटे जा चुके हैं। जिससे की हमारी एनजीओ द्वारा किया जाने वाला काम हाईलाइट हो सके। विकास कुमार ने कहा कि जबकि इस सूची को गलत तथ्यों के साथ सोशल मीडिया में पेश करना जिला रेडक्रॉस सोसायटी की छवि को खराब करना है तथा ऐसा करने वालों के खिलाफ कार्यवाही की जाएगी। वहीं विकास कुमार ने जिले की उन सभी सहयोगी एनजीओ'स व धार्मिक-सामाजिक संगठन जो कोरोना महामारी के इस कठिन दौर में जरूरतमंदों को भोजन व अन्य जरूरी सामान उपलब्ध कराने के लिए जिला रेडक्रॉस सोसायटी की मदद को तन-मन-धन से जुटे हुए हैं, उन सभी का सोसायटी तहेदिल से आभार व्यक्त करती है और आशा करती है कि उनकी ओर से इसी तरह भविष्य में भी मदद मिलती रहेगी।

बीएमएस ने श्रम कानूनों में बदलाव पर जताया विरोध दिया ज्ञापन

फरीदाबाद। सेक्टर-12 स्थित लघुसचिवालय में जिला उपायुक्त को सोशल डिस्टेंसिग का ध्यान रखते हुए बीएमएस ने ज्ञापन सौंपा। इस मौके पर श्रमिक नेताओं में भारतीय मजदूर संघ के आरसी कटोच, अशोक कुमार, जिला मंत्री नीरज त्यागी, टूरिज्म कर्मचारी संघ के प्रदेश अध्यक्ष बाबू आर्य, ग्रूप-4 के प्रधान शैलेश चौधरी, भवन निर्माण जिला अध्यक्ष नीरज मावई, महेश यादव मुख्य रूप से उपस्थित रहे। दिए गए मांग पत्र में स्वास्थ्य कर्मचारी संघ हरियाणा सदैव स्वास्थ्य कर्मचारी की आवाज को उठाया है। अब केंद्र सरकार के द्वारा कर्मचारियों श्रमिकों मजदूरों का शोषण करने की मंशा से नए श्रम कानून पारित किए जा रहे हैं। जिसमें कर्मचारियों से 8 घंटे की बजाए 12 घंटे काम लेना। यूनियन बनाने का अधिकार समाप्त करना। केंद्र सरकार के इस फरमान का विरोध मजदूर संघ के द्वारा किया गया है। केंद्र सरकार अपने इस निर्णय को वापस नहीं लेती तो संघ ने चेताया समस्त संबंधित संगठन राष्ट्रीय स्तर पर आंदोलन करने के लिए मजबूर होंगे। जिसकी जिम्मेवारी केंद्र सरकार की होगी। इस आपदा में ठेका प्रथा, एनएचएम एंबुलेंस सेवा 108 कर्मी स्वास्थ्य विभाग में विभिन्न स्कीमो मे कार्यरत कर्मचारी इस महामारी के दौरान अपनी सेवाएं दे रहे हैं। केंद्र सरकार कर्मचारियों को सेवा सुरक्षा रेगुलराइजेशन पॉलिसी पुरानी पेंशन स्कीम बहाली करने व कर्मचारियो को प्रोत्साहित करे न कि शोषण। केंद्र सरकार ऐसे कानूनों को तुरंत प्रभाव से रद्द करने की मांग की। सुरेंद्र देशवाल स्वास्थ्य कर्मचारी संघ हरियाणा ने आश्वासन दिया संगठन सदैव मातृत्व संगठन के दिशानिर्देशों के प्रति दृढ़ संकल्पित रहेगा।

कोरोना का कहर: तीन पॉजिटिव आने से आंकड़ा पहुंचा 154

पायनियर समाचार सेवा। फरीदाबाद

जिले में सोमवार को जहां दोपहर बाद तक पॉजिटिव ने बढ़ने से राहत महसूस की जा रही थी। यह राहत देर शाम सात पॉजिटिव आने से आफत में तब्दील हो गई। तीनों में एक को होम आईसोलेट किया गया है और अन्य छह व्यक्तियों को ईएसआईसी मेडिकल कॉलेज में भर्ती करवाया गया है।

यहां पाए गए पॉजिटिव

सेक्टर-सात निवासी 46 वर्षीय एक व्यक्ति ने दिल्ली की एक निजी लैब में जांच करवाई थी। जिसकी रिपोर्ट सोमवार देर शाम पॉजिटिव पाई गई। युवक चार्टर्ड अकाउंटेंट है। उसमें कोरोना के कोई लक्षण नहीं थे। जिस पर व्यक्ति को होम आईसोलेट किया गया है। वहीं स्वास्थ्य विभाग की रिपोर्ट में कंटेनमेंट जोन जवाहर कालोनी से 65 वर्षीय एक बुजुर्ग व्यक्ति पॉजिटिव पाया गया है। व्यक्ति ने एसएलआर लैब से कोविड-19 की जांच कराई थी। देर शाम पॉजिटिव आने पर उसे ईएसआईसी मेडिकल कॉलेज में दाखिल किया गया। वहीं साईं नगर मवई से भी 65 वर्षीय एक बुजुर्ग व्यक्ति पॉजिटिव पाया गया है। उसने इलाज के दौरान ईएसआईसी मेडिकल कॉलेज में जांच कराई थी। देर शाम रिपोर्ट पॉजिटिव आने पर उसे ईएसआईसी में भर्ती किया गया।
सेक्टर 55 से तीन पुलिसकर्मी और मिल्हाड़ कॉलोनी से 13 वर्षीय संक्रमित पाई गई है।

ये हैं आंकड़े

कोविड 19 नोडल अधिकारी डा. रामभगत ने बताया कि जिले में अब तक 7578 यात्रियों को सर्विलांस पर लिया जा चुका है, जिनमें से 1728 लोगों का निगरानी में रखने का 28 दिन का पीरियड पूरा हो चुका है। शेष 6084 लोग अंडर सर्विलांस हैं। कुल सर्विलांस में रखे गए लोगों में से 7667 होम आइसोलेशन पर हैं। अब तक 7238 लोगों के सैंपल लैब में भेजे गए थे, जिनमें से 6806 की नेगेटिव रिपोर्ट मिली है तथा 278 की रिपोर्ट आनी शेष है। अब तक 154 लोगों के सैंपल पॉजिटिव मिले हैं, जिनमें से 66 लोगों को अस्पताल में दाखिल किया गया है तथा पांच पॉजिटिव मरीजों को घर पर आइसोलेट किया गया है। इसी प्रकार ठीक होने के बाद 77 मरीजों को अस्पताल से डिस्चार्ज कर दिया गया है। अब तक छह मरीजों की मौत हो चुकी है।

रैपिड टेस्ट किट से जांच शुरू, 272 सैम्पल

रैपिड टेस्ट में चिकित्सक पॉजिटिव कराई आरटीपीसीआर जांच

कविता। फरीदाबाद

जिले में रैपिड टेस्ट किट से जांच शुरू हो चुकी है। रविवार से जांच शुरू होते ही डबुआ सब्जी मंडी, सेक्टर-16 सब्जी मंडी और एक डिस्पेंसरी में जांच की गई। जिसमें दो दिनों में 272 लोगों की जांच हुई। लेकिन 271 की रिपोर्ट नेगेटिव पाई गई। एक चिकित्सक की रिपोर्ट पॉजिटिव आने पर उसका सैम्पल एक बार फिर से जांच के लिए भेजा गया है। चिकित्सक को क्वारेंटाइन कर दिया गया है। उसके सम्पर्क में आए सभी लोगों के सैम्पल जांच के लिए भेजे गए हैं।

पॉजिटिव की दोबारा जांच

डॉ. संजीव भगत ने बताया कि फिलहाल रैपिड टेस्ट किट से अधिकतर जांच रिपोर्ट नेगेटिव आ रही है। लेकिन पॉजिटिव आने वालों का आरटीपीसीआर जांच कराई जाती है। ताकि कोई जोखिम न रहे। रैपिड टेस्ट किट में रक्त का सैम्पल जांच की जाती है। लेकिन इस रिपोर्ट के पॉजिटिव आने पर आरटीपीसीआर से कंफर्म जरूर करवाया जा रहा है।

आरटीपीआर जांच से होगा कंफर्म

हरियाणा ईएसआईसी डॉक्टर एसोसिएशन के प्रधान डॉ. अखिल महाजन ने बताया कि दिन रात काम कर रहे चिकित्सकों की जांच के लिए एक पत्र लिखा था। जिस पर स्वास्थ्य विभाग ने उन्हें रैपिड टेस्ट किट उपलब्ध करवा दी। रैपिट टेस्ट किट से 70 स्वास्थ्य कर्मियों की जांच में हमारे यहां की एक चिकित्सक पॉजिटिव पाई गई। जिस पर रैपिड एंटी बॉडी टेस्ट रिपोर्ट के बजाय चिकित्सक की आरटीपीसीआर जांच कराई गई है। ताकि कंफर्म रिपोर्ट आ सके। एहतियात के तौर पर चिकित्सक को होम क्वारेंटाइन कर दिया गया है। फिलहाल उसके सम्पर्क में आए सभी को एहतियात बरतने की सलाह दी है। वहीं चिकित्सक के घर को सैनिटाइज करवाया गया है।

मंडियों से सैम्पल

डिप्टी सिविल सर्जन डॉ. संजीव भगत ने बताया कि मंडियों से रैपिड टेस्ट किट से 202 सैम्पल जांच को भेजे गए थे। जिसमें सभी की रिपोर्ट नेगेटिव आई है। उन्होंने बताया कि डबुआ सब्जी मंडी में गत 17 मई को 66 और 18 मई को 120 लोगों की जांच रैपिड टेस्ट किट से की थी। वहीं सेक्टर-16 में डॉ. ज्योति ने दो दिनों में 16 सैम्पल लिये। इन सभी की रिपोर्ट नेगेटिव पाई गई है।

जरूरतमंदों को खाना वितरित करना पुण्य का कार्य : ललित नागर

पायनियर समाचार सेवा। फरीदाबाद

तिगांव विधानसभा क्षेत्र से कांग्रेस के पूर्व विधायक ललित नागर ने कहा है कि केंद्र सरकार प्रवासी मजदूरों को राहत देने में पूरी तरह से नाकाम साबित हो रही है। प्रवासी मजदूर जहां खाना-पीने की समस्याओं से जूझ रहे है वहीं सरकार द्वारा उन्हें उनके घरों तक भी नहीं पहुंचाया जा रहा, नतीजतन मजदूर पैदल ही अपने घरों की ओर चल रहे है और कई मजदूर तो दुर्घटनाओं में अपनी जान भी गंवा चुके है, ऐसे में सरकार को चाहिए कि इन प्रवासी मजदूरों को उनके घर तक पहुंचाने का बंदोबस्त करें।

नागर एनआईटी विधानसभा क्षेत्र के सेक्टर-55 में गरीब व प्रवासी मजदूरों को खाना वितरित कर रहे थे। यहां टीम दीपेंद्र द्वारा कांग्रेसी नेता जगन डागर व राजेश आर्य के नेतृत्व में पिछले डेढ़ महीने से प्रतिदिन लगभग 2500 लोगों खाना वितरित करने की मुहिम चलाई जा रही है। पूर्व विधायक ललित नागर ने कहा कि कोरोना महामारी ने समूचे देश की व्यवस्था को बिगाड़ दिया है, लेकिन इस महामारी में साधन सम्पन्न लोगों का दायित्व बनता है ।

परीक्षा निरस्त करने को सरकार से किया अनुरोध

पायनियर समाचार सेवा। फरीदाबाद

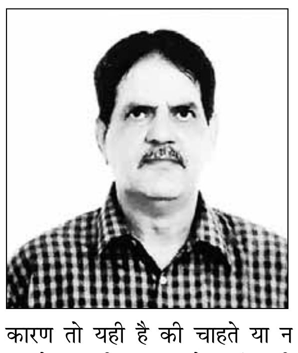

हरियाणा शिक्षा विभाग में 2 दिन पहले घोषणा की है कि 10वीं का रिजल्ट 20 मई को जारी कर दिया जाएगा, साथ ही साथ उस बयान में यह भी कहा गया है कि जो छात्र कक्षा 11 में साइंस विषय लेना चाहते हैं उनकी परीक्षा जुलाई माह में आयोजित की जाएगी। और जो बच्चे आर्ट्स या कॉमर्स लेना चाहते हैं उन्हें साइंस का पेपर देने की आवश्यकता नहीं है।

सरकार के इस फैसले से हरियाणा स्कूल लेक्चरर एसोसिएशन फरीदाबाद सहमत नहीं है। क्योंकि इससे बहुत से छात्र-छात्राओं का भविष्य दांव पर लग जाएगा। पहला कारण तो यही है की चाहते या न चाहते हुए भी कुछ बच्चे साइंस की परीक्षा नहीं देना चाहेंगे और आर्ट्स या कॉमर्स में दाखिला ले लेंगे। क्योंकि उन्हें डर होगा कि अगर साइंस में फेल हो गए या कंपार्टमेंट आ गई तो उनका एक साल खराब हो जाएगा। दूसरे बहुत से बच्चे ऐसे भी हैं जो इस महामारी के उनके माता-पिता का रोजगार छिन गया है और वह अपने परिवार के साथ अपने पैतृक स्थान पर चले गए हैं इससे यह संभावना प्रबल हो जाती है कि जो बच्चे साइंस लेना चाहते थे वह संभवत है परीक्षा देने के लिए वापस ना आ पाए। इस कारण से उनके भविष्य की संभावना पर प्रश्न चिन्ह लग जाता है।

एस के दलाल ने कहा कि दसवीं कक्षा की साइंस विषय की परीक्षा न ली जाए बल्कि उसके स्थान पर उन बच्चों का साइंस विषय का उनके मासिक टेस्ट, आंतरिक मूल्यांकन और प्री बोर्ड के परीक्षा के आधार पर उनका परीक्षा परिणाम घोषित किया जाए। इससे बोर्ड को भी कोई परेशानी नहीं होगी न ही कोई अधिक कार्य करना पड़ेगा। क्योंकि सभी बच्चों का वर्ष भर का परीक्षा परिणाम पहले से ही ऑनलाइन किया जा चुका है, चाहे वह मासिक परीक्षा का हो, आंतरिक मूल्यांकन हो या प्री बोर्ड के अंक सभी ऑनलाइन समय से किए जा चुके हैं। साइंस के विषय में इन सभी अंको को आधार बनाकर साइंस का परीक्षा परिणाम भी अन्य विषयों के साथ घोषित किया जा सकता है। इससे सभी बच्चों को समान अवसर प्राप्त होगा और अगर भविष्य में साइंस विषय की परीक्षा ली जाती है तो यह संभावना सदैव बनी रहेगी कि बहुत से बच्चे साइंस विषय की परीक्षा देने से वंचित रह जाएं।

21 मई को ग्रामीण कर्मचारी करेंगे आंदोलन, धरना प्रदर्शन

फरीदाबाद। कोरोना महामारी के चलते संपूर्ण तालाबंदी का सोमवार को चौथा चरण शुरू हो गया। ग्रामीण सफाई कर्मचारी पूर्व की भांति चौथे चरण में भी इस महामारी के खिलाफ जंग में डटे हुए हैं। इनको समय पर पर चाहे वेतन नहीं मिलता है। लेकिन अधिकारियों के पास वेतन का भुगतान बजट नहीं होने का बहाना हमेशा तैयार रहता है। जबकि ग्रामीण सफाई कर्मचारी अपनी जान को जोखिम में डालकर समाज को इस महामारी से बचाने के कार्य को सफलतापूर्वक करते हैं। इतने महत्वपूर्ण कार्य को कर्मचारी बिना सुरक्षा उपकरण के करते हैं। जबकि सरकार से इनकी मांगों पर अनेकों बार सहमित बनी है। परंतु पत्र जारी नहीं किए। सरकार इनके साथ भेदभाव कर रही है। इनको समान काम के लिए-समान वेतन नहीं मिला है।

500 में मात्र 20 स्कूलों ने जारी किया शपथ पत्र

पायनियर समाचार सेवा। फरीदाबाद

शिक्षा निदेशक पंचकूला के 13 मई के पत्र में दिए गए निर्देश पर फरीदाबाद के सभी प्राइवेट स्कूलों से ट्यूशन फीस में वृद्धि न करने व अन्य किसी फंडों में पैसा न लेने का शपथ पत्र मांगा गया था। 5 दिन में 500 प्राइवेट स्कूलों में से सिर्फ 20 ने जिला शिक्षा अधिकारी कार्यालय में शपथ पत्र जमा कराया है। जिनमें 10 स्कूल सीबीएसई के व 10 हरियाणा बोर्ड के शामिल हैं। किसी भी नामी-गिरामी स्कूल के प्रबंधक ने शपथ पत्र जमा नहीं कराया है। इसके अलावा 17 स्कूलों की आई 38 शिकायतों पर जिला शिक्षा अधिकारी ने जो नोटिस स्कूलों को भेजे थे, उनका भी जवाब स्कूल प्रबंधकों ने नहीं दिया है। हरियाणा अभिभावक एकता मंच का कहना है कि स्कूल प्रबंधक जिला शिक्षा अधिकारी कार्यालय को कुछ नहीं समझते हैं।

यह बात चेयरमैन फीस एंड फंड रेगुलेटरी कमेटी (एफएफआरसी) के चेयरमैन को भी पता है, लेकिन उच्च अधिकार प्राप्त कमेटी के द्वारा भी दोषी स्कूलों के खिलाफ कोई भी ठोस कार्रवाई नहीं की जा रही है। इसका सबसे बड़ा प्रमाण यह है कि अभिभावकों ने अप्रैल के शुरू में ही स्कूलों की मनमानी की शिकायत दर्ज करा दी थी आज एक महीने से ज्यादा हो गया है, उन पर कार्रवाई न होने से स्कूल वालों के हौसले बुलंद हैं और वे डरा धमका कर अभिभावकों से अप्रैल, मई की बढ़ी हुई फीस वसूल रहे हैं और जो नहीं दे रहे हैं। उनके बच्चों की ऑनलाइन क्लास बंद कर दी गई है। मंच ने स्कूलों की मनमानी की प्राप्त शिकायतों को मुख्यमंत्री, शिक्षा मंत्री व शिक्षा सचिव महावीर सिंह को भेजकर दोषी स्कूलों के खिलाफ उचित कार्रवाई करने की मांग की है।

प्रतियोगिता का आयोजन

फरीदाबाद। हरियाणा राज्य बाल कल्याण परिषद, चंडीगढ़ के निर्देशानुसार एवम उपायुक्त महोदय फरीदाबाद के मार्गदर्शन में कोरोना वायरस के कारण पूरे देश में चल रहे लॉकडाउन को मध्य नजर रखते हुए बच्चों के तनाव को कम करने के लिए विभिन्न आयु वर्ग में विभिन्न प्रतियोगिताये आठ से 15 मई तक जिले के बच्चों के बीच प्रदेश स्तरीय बाल प्रतियोगिताओं का आयोजन ऑनलाइन जिला स्तर पर जिला बाल कल्याण परिषद बाल भवन फरीदाबाद द्वारा करवाया गया। जिसमें प्रथम ग्रुप 3 से 5 साल, द्वितीय ग्रुप 6 से 10 साल, तृतीय ग्रुप 11 से 14 साल का रहा।

मजदूरों पर अत्याचार बर्दाश्त नहीं किया जाएगा : कौशिक

पायनियर समाचार सेवा। फरीदाबाद

कोविड-19 के प्रकोप के चलते देश में जहां लॉकडाउन-4 लागू हो गया है, वहीं अपने गंतव्य स्थानों की ओर रवाना होने वाले प्रवासी मजदूरों की संख्या भी लगातार बढ़ती जा रही है। ऐसे में कांग्रेस पार्टी इन प्रवासी मजदूरों की मदद के लिए आगे आई हैं। सोनिया गांधी, राहुल गांधी, प्रियंका गांधी एवं प्रदेश अध्यक्ष शैलजा से मिले दिशा-निर्देशों के बाद पूरे देश में कांग्रेसी नेता सक्रिय हो गए हैं।

सोमवार को फरीदाबाद के कांग्रेसी नेताओं ने घरों को लौट रहे मजदूरों को जूते, चप्पल, खाना, गुड़-चना एवं पानी की बोतलें मुहैया कराई। हरियाणा प्रदेश कांग्रेस कमेटी के महासचिव बलजीत कौशिक, हरियाणा प्रदेश कांग्रेस कमेटी के सचिव सतबीर डागर, पूर्व पार्षद योगेश ढींगड़ा, एचपीसीसी के स्टेट कोर्डिनेटर गौरव ढींगड़ा, ऑल इंडिया प्रोफेशनल कांग्रेस के जिला अध्यक्ष डा. सौरव, एडवोकेट विनोद कौशिक, सुशांत गुप्ता, डा. सतीश, गौरव वशिष्ठ आदि ने टीम बनाकर लोगों को मदद पहुंचाई। उक्त सभी ने बदरपुर से लेकर बल्लभगढ़ अनाज मंडी तक लोगों को सभी सुविधाएं मुहैया कराई। इस मौके पर उन्होंने मजदूरों से भरे एक रिक्शा जोकि पलट गया था, मदद की और उनको फर्स्ट एड दिया। कांग्रेसी नेताओं ने पुलिस कर्मचारियों से अपील की कि वे इन मजदूरों के साथ शालीनता से पेश आएं, इनका तिरस्कार न करें।

जारी है गेहूं की बिक्री

फरीदाबाद। उपायुक्त यशपाल ने बताया कि सरकार द्वारा जारी हिदायतों के अनुसार जिले की सभी अनाज मंडियों में रबी फसलों की बिक्री का कार्य किया जा रहा है। उन्होंने बताया कि जिला के सभी खरीद केंद्रों पर सोमवार को दोपहर तक 8 हजार 15 क्विंटल गेहूं की खरीद की गई, जबकि अब तक कुल 9 लाख 83 हजार 951 क्विंटल 50 किलो ग्राम गेहूं की खरीद की जा चुकी है।
उन्होंने बताया कि बल्लभगढ़ अनाजमंडी में आज 2 हजार 215 क्विंटल गेहूं की खरीद की गई है। अब तक इस मण्डी कुल 2 लाख 39 हजार 371 क्विंटल गेहूं की खरीद हुई। इसी प्रकार तिगांव अनाजमंडी में 300 क्विंटल गेहूं की खरीद की गई, जबकि इस मंडी में अब तक कुल 1 लाख 19 हजार 260 क्विंटल गेहूं खरीदा गया है। एनआईटी, डबुआ मंडी में अब तक कुल एक हजार 719 क्विंटल 50 किलोग्राम गेहूं की खरीद की जा चुकी है।

नकाबपोश बदमाशों ने युवक पर की फायरिंग, गंभीर

फरीदाबाद। तिगांव स्थित एक मकान पर सोमवार की दोपहर को बाइक पर सवार होकर आए दो नकाबपोश बदमाशों ने हमला कर दिया। बदमाशों ने घर में घुस अंदर सो रहे युवक पर एक के बाद एक दो गोलियां चलाई और मौके से फरार हो गए। घायल युवक को इलाज के लिए अस्पताल में दाखिल कराया गया है। सूचना मिलने पर पुलिस ने मौके पर पहुंच कर जांच पड़ताल शुरू कर दी है।

थाना तिगांव पुलिस के मुताबिक तिगांव निवासी कमल सिंह का 26 वर्षीय बेटा धर्मेंद्र उर्फ कालू लॉकडाउन के कारण इन दिनों घर पर ही रह रहा है। सोमवार दोपहर बाद करीब साढ़े तीन बजे वह घर में लेटा हुआ था। उसके घर का मेन गेट खुला हुआ था। आरोप है कि तभी उसके घर के सामने एक बाइक आकर रूकी। जिस पर दो युवक सवार थे। दोनों युवकों ने अपना चेहरा ढका हुआ था। आरोप है कि बाइक पर पीछे बैठे युवक ने धर्मेंद्र के ऊपर गोली चला दी। हमलावरों ने दो बार फायरिंग की। एक गोली धर्मेंद्र के पैर में जाकर लगी। जिससे वह गंभीर रूप से घायल हो गया। गोली मारने के बाद दोनों हमलावर मौके से फरार हो गए। गोली की आवाज सुनकर आसपास के लोग आ गए। इस मामले की सूचना पुलिस को दी गई। सूचना पाकर तिगांव थाना प्रभारी जसवीर सिंह पुलिस टीम के साथ मौके पर पहुंच गए। पुलिस ने जांच पड़ताल के दौरान धर्मेंद्र के घर से गोली के दो खाली खोल बरामद किए हैं। थाना प्रभारी जसबीर सिंह ने बताया कि घायल युवक को अस्पताल में दाखिल कराया गया है। अभी हमलावरों की पहचान नहीं हो पाई हैं। जांच पड़ताल कर हमलावरों का सुराग लगाने का प्रयास किया जा रहा है।

एमएसएमई उद्योगों की नकदी की समस्या दूर करें सरकार

पायनियर समाचार सेवा। फरीदाबाद

डीएलएफ इंडस्ट्रीज एसोसिएशन के प्रधान जेपी मल्होत्रा ने केंद्र सरकार द्वारा अर्थव्यवस्था को सुदृढ़ता प्रदान करने के लिए 20 लाख करोड रुपए के पैकेज की घोषणा पर प्रतिक्रिया व्यक्त करते हुए कहा है कि आवश्यकता इस बात की है कि सरकार ऐसे प्रभावी पग उठाए, जिससे एमएसएमई सेक्टर के लिए नकदी की समस्या का समाधान हो सके। मल्होत्रा ने वित्त मंत्री निर्मला सीतारमण द्वारा घोषित पैकेज उपरांत एमएसएमई सेक्टर के लिए कैश फ्लो के लिए पग उठाने का आग्रह किया है। कहा गया है कि उद्योगों में उत्पादन प्रक्रिया ठप है और बाजार में मांग नहीं है ऐसे में केवल नकदी प्रवाह से ही उद्योगों की समस्याओं का समाधान संभव है। मल्होत्रा के अनुसार वर्तमान में स्थिति यह है कि उद्योगों की बिक्री शून्य प्रतिशत है और उत्तर प्रदेश, मध्य प्रदेश, बिहार तथा अन्य प्रदेशों से आए श्रमिक पलायन कर रहे हैं, ऐसे में यदि उद्योगों को प्रत्यक्ष वित्तीय सहायता उपलब्ध कराई जाए तो लाक डाउन के कारण गंभीर परिस्थितियों से घिरे उद्योगों को बचाया जा सकता है। मल्होत्रा ने आर्थिक सुधारों तथा उद्योगों के लिए प्रभावी योजनाओं को आरंभ करने की आवश्यकता पर बल देते हुए कहा है कि एमएसएमई सेक्टर के लिए वर्तमान में फंड की काफी आवश्यकता है, जिससे वे वेतन, बिजली भुगतान, उत्पादन को पुन: आरंभ करने, हाइजीनिक सिस्टम बनाने तथा स्वास्थ्य संबंधी एमएचए के निर्देशों की पालना कर सकें। मल्होत्रा के अनुसार पिछले लगभग 7 सप्ताह से एमएसएमई सेक्टर गंभीर आर्थिक मंदी के दौर से गुजर रहा है, उत्पादन बिल्कुल ठप है और दिन प्रतिदिन के खर्चे के लिए भी उद्योग प्रबंधकों को काफी परेशानी का सामना करना पड़ रहा है। यही नहीं जिला स्तर पर तथा प्रदेशों के बॉर्डर पर आवागमन न होने के कारण उद्योग प्रबंधकों को काफी परेशानी का सामना करना पड़ रहा है, जिससे निजात दिलाई जानी चाहिए। मल्होत्रा के अनुसार आवश्यकता इस बात की है कि सरकार मीडियम टर्म पॉलिसी तैयार करे, ताकि उद्योगों की समस्याओं का समाधान प्रभावी रूप से हो सके। उन्होंने स्पष्ट करते हुए कहा है कि एमएसएमई सेक्टर को तभी गति प्रदान की जा सकती है, जब उनके हाथ में नकदी होगी और इसके लिए भारत सरकार को ऐसे पैकेज पर ध्यान देना होगा जो एमएसएमई सेक्टर को किसी भी रूप में धन उपलब्ध कराएं। केंद्र सरकार द्वारा ईपीएफ के संबंध में दिए गए सहयोग पर प्रतिक्रिया व्यक्त करते हुए मल्होत्रा ने कहा है कि इस संबंध में ऐसे प्रावधान किए गए हैं जिससे वास्तविक रूप से एमएसएमई सेक्टर को लाभ मिलता दिखाई नहीं दे रहा, इसके साथ ही इलेक्ट्रिसिटी फिकस्ड चार्जेज को पूर्ण रूप से माफ करने की मांग करते हुए मल्होत्रा ने कहा है कि यह काफी जरूरी है क्योंकि यह सर्वविदित तथ्य है ।

एमएलए ने कोरोना योद्धाओं को किया सम्मानित

पायनियर समाचार सेवा। फरीदाबाद

फरीदाबाद के एमएलए नरेंद्र गुप्ता द्वारा लीगल एड सर्विसेज फरीदाबाद के सचिव एवं सीजीएम मंगलेश कुमार चौबे व पैनल अधिवक्ता संजय गुप्ता, मनमीत कौर, रानी छोकर, अर्चना गोयल, रेनू सिंह, प्रमोद गोयल और ममता सिंह को अपने कार्यालय में पुष्प व शॉल भेंट करके सम्मानित किया।

नरेंद्र गुप्ता ने लीगल सर्विसेज द्वारा किए जा रहे कार्यो से प्रभावित होकर उनका उत्साह बढ़ाया। उन्होंने सभी पैनल अधिवक्ताओं को कोरोना योद्धाओं की श्रेणी में शामिल करके उनका उत्साह बढ़ाया। लीगल सर्विसेज अर्थॉरिटी लॉकडाउन शुरू होने के बाद से ही जन सेवा में जुटी हुई है। गरीब लोगों को राशन उपलब्ध कराने, उनको मेडिकल हेल्प देने, किसी फैक्ट्री मालिक द्वारा वेतन न देने या छंटनी करने, मकान मालिक द्वारा किराए के लिए प्रताड़ित करने या प्रवासी मजदूरों को घर जाने की समस्याओं से निजात दिलाने के लिए भरसक प्रयास कर रही है।

लॉकडाउन से मुक्ति

सुरक्षित सार्वजनिक परिवहन का प्रस्ताव

अब यह पूरी तरह स्पष्ट हो गया है कि कोविड-पश्चात दुनिया में व्यापक परिवर्तन होंगे और जीवन कभी पहले जैसा नहीं होगा। इसे आवश्यकता-आधारित, संसाधन-सक्षम, सुविचारित व ज्यादा संतुलित बनाना होगा। वैक्सीन या इलाज की अनुपस्थिति में व्यावहारिक व स्वच्छता संबंधी अनुशासन ही एकमात्र रोग-प्रतिरोधक है। दुनिया भर के देश सुरक्षित रूप से लाकडाउन से मुक्ति के प्रयास कर रहे हैं। प्रोटोकाल सरल करने वाला लाकडाउन-4 भारत के लिए ज्यादा बड़ी चुनौती है। दुनिया में कठोरतम कदमों के बावजूद हमारी जनसंख्या के घनत्व के कारण संक्रमण तेजी से फैल सकता है। लाकडाउन के कारण अर्थव्यवस्था संकट में है और श्रमिकों का गांवों की ओर पलायन हो रहा है जिससे सार्वजनिक स्वास्थ्य व्यवस्था का संकट गहरा सकता है। इसलिए संकट से बाहर निकलने की भारत की योजना चरणबद्ध होनी चाहिए। दिल्ली सरकार ने सुरक्षित सार्वजनिक परिवहन व्यवस्था का सुझाव दिया है क्योंकि आजीविका के लिए लोगों का आवागमन जरूरी है। लेकिन भारत में परिवहन भीड़ से भरा रहा है। ऐसे में बसें व मेट्रो यात्रियों के लिए जोखिम बन सकते हैं। वास्तव में बसें, लोकल ट्रेनें व मेट्रो अधिकतम क्षमता से काम के लिए बने हैं। कोविड से पहले दिल्ली मेट्रो रोज 1.5 मिलियन तथा डीटीसी लगभग 20-25 लाख यात्री ढोती थीं। दिल्ली सरकार ने बसों में 20 यात्री रखने का प्रस्ताव किया है। बसों व मेट्रो की बार-बार सफाई तथा इनमें सोशल डिस्टेंसिंग का पालन भी जरूरी है। इसके लिए यात्रियों को नियमित सूचनाएं देने के लिए एक कंट्रोल रूम बनाना होगा। इन नए उपायों से खर्च बढ़ जाएगा। अधिकारियों को सभी

टर्मिनलों पर क्लीनरों की 'त्वरित प्रतिक्रिया' टीमें बनानी होंगी। इसके साथ ही सड़कों पर ट्रैफिक नियंत्रित रखना होगा ताकि प्रदूषण न बढ़े और आड-इवेन फार्मूला न लागू करना पड़े। लेकिन अब यह फार्मूला दूकानों व मालों में भी प्रयोग करने का प्रस्ताव है और दिल्लीवासियों को इसकी आदत डालनी होगी। अब मालों व पार्कों में आवागमन नियंत्रित होगा।

यात्रा करते समय वायरस का जोखिम न्यूनतम रखने के लिए भौतिक दूरी बनाए रखना तथा मास्क व दस्तानों का प्रयोग जरूरी हो गया है। कुछ सबक चीन से सीखे जा सकते हैं जो मोटेतौर से संक्रमण के गंभीर चरण से निकलने में सफल हुआ है। पहले उसने बस सेवाएं 30 प्रतिशत क्षमता के साथ शुरू की थीं तथा कठोर निगरानी के लिए उनमें कैमरे लगाए थे। इस प्रयोग के बाद कुछ स्थानों पर बसों की संख्या बढ़ानी पड़ी तथा खास समय पर यात्रियों की संख्या कम करनी पड़ी। चीन पैदल चलने व साइकिल चलाने की अपनी संस्कृति को बढ़ावा दे रहा है। मिलान व न्यूयार्क जैसे संक्रमण के अत्यधिक शिकार शहरों में भी सड़कों को इस ढंग से पुन: व्यवस्थित करने की महत्वाकांक्षी योजना बनाई जा रही है ताकि साइकिल सवारों व पैदल चलने वालों के लिए समुचित जगह बन सके। ब्रिटेन में सरकार ने लोगों से सार्वजनिक परिवहन से बचने, पैदल या साइकिल अथवा अपनी कार से चलने का अनुरोध किया है। इसके साथ ही लोग साइकिल को सुरक्षित व मुफ्त विकल्प के रूप में स्वीकार कर रहे हैं। आवश्यकता होने पर टैक्सी बुलाने की व्यवस्था भी पसंद की जा रही है। पैदल या साइकिल से चलने वालों के लिए स्थान न होने पर यह एक व्यावहारिक विकल्प हो सकता है। हांगकांग में रेल आपरेटर एमटीआर ट्रेनों व स्टेशनों को विसंक्रमित करने के लिए रोबोटों का प्रयोग कर रहे हैं। यूरोप में अनेक सार्वजनिक परिवहन एजेंसियों ने ड्राइवरों को संक्रमण से बचाने के लिए आगे का दरवाजा बंद कर दिया है। यात्री चढ़ते-उतरते समय केवल पिछले दरवाजे का प्रयोग कर सकते हैं। इस्तांबुल में सप्ताह के कुछ दिनों में बारी-बारी से लाकडाउन की व्यवस्था की गई है ताकि सार्वजनिक स्थलों पर ट्रैफिक नियंत्रित रखी जा सके। मानव प्रजाति में परिस्थितियों के अनुकूल स्वयं को ढालने की असाधारण क्षमता है। ऐसे में हमें वायरस से पीछा छुड़ाने के लिए चालाकी से काम करने व जीवन के रास्ते तलाशने होंगे।

ढांचागत परिवर्तनों की आवश्यकता

स्वास्थ्य प्रशासन व्यवस्थाओं तथा कुल मिला कर सार्वजनिक प्रबंधन में ढांचागत कमियां होने के कारण ही मानवजाति वर्तमान कोरोनावायरस संक्रमण से निपटने में विफल रही है।

संदीप कुमार दुबे
लेखक नीति संबंधी टिप्पणीकार हैं

दुनिया वर्तमान समय में कोविड-19 वैश्विक महामारी के शिकंजे में फंसी है। लगभग 100 साल पहले अमेरिका में पैदा इन्फ्लूएंजा वैश्विक महामारी प्रथम विश्वयुद्ध के समय सामने आई थी। अमेरिका की विज्ञान, इंजीनियरिंग व चिकित्सा की राष्ट्रीय अकादमियों ने इस पर 'ग्लोबल हेल्थ एंड फ्यूचर रोल आफ युनाइटेड स्टेट्स' शीर्षक से रिपोर्ट तैयार की थी। इससे दुनिया की एक तिहाई जनसंख्या प्रभावित हुई थी तथा 50-70 मिलियन लोग मरे थे। उस समय प्रथम विश्वयुद्ध से पैदा विभीषिका के कारण स्थिति और खराब थी। वर्तमान में यह स्थिति न होने के बावजूद तीन लाख से अधिक लोग अपनी जान गंवा चुके हैं। अर्थव्यवस्था की बदहाली और जनता में वैश्विक महामारी के कारण पैदा घबराहट ने राज्य की वैधता का भी परीक्षण किया है। मोटेतौर से कहा जाए तो दुनिया अनिश्चित भविष्य का सामना कर रही है। स्वास्थ्य प्रशासनिक व्यवस्थाओं तथा सार्वजनिक प्रबंधन में कमी के कारण हम इस संकट से निपटने में सफल नहीं हुए। शायद भारत समेत दुनिया के नीति निर्माताओं ने पिछले बीस वर्षों में आई महामारियों जैसे सार्स, एच1एन1, इबोला व जीका वायरस से कोई सबक नहीं सीखे, जबकि इनसे भी बड़ी संख्या में लोग मरे थे तथा आर्थिक नुकसान हुआ था।

शहरीकरण बढ़ने, शहरी मलिन बस्तियों, संकरी गलियों व सड़कों, जैव विविधता में कमी तथा पानी समेत प्राकृतिक संसाधनों के बेलगाम शोषण के कारण वैश्विक महामारियों या 'भीड़ की बीमारियों' की संख्या और भयावहता बढ़ने की आशंका है। अपनी पुस्तक 'गन्स, जेम्स एंड स्टील' में जेरेड डायमंड कहते हैं, 'भीड़ की बीमारियां घनी मानव जनसंख्या में पनप सकती हैं। इनकी शुरुआत लगभग 10,000 साल पहले खेती तथा इसके हजारों साल बाद बड़े शहर बनने से हुई थी।' शहरीकरण व जनसंख्या की वृद्धि से शहरों की संख्या तथा ज्यादा वैश्विक महामारियों का रास्ता साफ हुआ। संयुक्त राष्ट्रसंघ की 2018 में आई 'वर्ड अर्बनाइजेशन प्रोस्पेक्टस' रिपोर्ट के अनुसार, 2050 तक दुनिया की 68 प्रतिशत जनसंख्या शहरों में होगी। 2030 तक दुनिया में 43 विशाल महानगरों का अनुमान है जिनमें से अधिकांश विकासशील देशों में होंगे। इन अनुमानों से स्पष्ट है कि शहरीकरण बेलगाम है और यह वैश्विक महामारियों के प्रसार का कारण बन सकता है। भावी वैश्विक महामारियों के स्वास्थ्य जोखिमों को देखते हुए हमारे सामने 'जोखिम वाले समाज' से बचने के सिवा कोई और रास्ता नहीं है। प्रख्यात जर्मन समाजविज्ञानी उलरिच बेक ने इस अवधारणा को 'विकृत आधुनिकीकरण' बताया है।

अपनी पुस्तक 'रिस्क सोसाइटी: टुवर्डस अ न्यू मार्डनिटी' में बेक ने लिखा है, 'वर्ग, उद्योगों व बाजार समाज की समस्याओं और प्रतियोगिताओं के साथ समाज में खतरा बढ़ता है, पर संपदा सृजन का तर्क इस पर भारी पड़ता है। हालांकि, इसी कारण रिस्क सोसाइटी की विजय होती है। लेकिन संपदा की ओर बेलगाम दौड़ तथा इससे पैदा जोखिमों पर हमेशा विजय नहीं पाई जा सकती है। दृश्यमान की प्रतियोगिता अदृश्य से नहीं हो सकती है। इस विसंगति से यह तर्क पैदा होता है कि अदृश्य के दौड़ जीतने का संकट बहुत अधिक है।' विकृत आधुनिकीकरण के कारण समाज के उभरते जोखिम से बचा नहीं जा सकता है। इसका समाधान करने के लिए संपदा वितरण समाज के बजाय हमें रिस्क सोसाइटी बनना होगा। बेक के अनुसार, 'वैसे हम अभी रिस्क सोसाइटी में नहीं हैं, पर संपदा वितरण समाज के संकट गंभीर होते जा रहे हैं। समाज का नया परिवर्तन हमें पुराने विचारों व कार्यों से दूर ले जाएगा।'

भारत में संपदा वितरण समाज से रिस्क सोसाइटी में नीतिगत परिवर्तन आसान नहीं है क्योंकि यह बड़ी सीमा तक औपनिवेशिक विरासत ढो रहा है। अधिकांश पूर्व यूरोपीय उपनिवेश इस अवधारणा से ग्रस्त हैं। जर्मन समाजविज्ञानी राबर्ट मिशेल्स ने इस परिघटना को 'आयरन ला आफ ओलीगार्की' कहा है। अपनी पुस्तक 'व्हाई नेशन्स फेल' में डारोन एकीमोगुलु व जेम्स राबिन्सन ने आयरन ला आफ ओलीगार्की को परिभाषित करते हुए बताया है कि 'इसमें नए नेता आमूल परिवर्तनों के वादे के साथ पुराने नेताओं को उखाड़ फेंकते हैं, पर उनके जैसा ही काम करते हैं।' भारत नए संपूर्णतावाद की एक और परिघटना-साम्यवाद से ग्रस्त है। स्वतंत्रता के पश्चात भारत का झुकाव कम्युनिस्ट सोवियत व्यवस्था की ओर था जिसने प्रशासनिक व्यवस्था में कम्युनिस्ट ढांचागत आदर्शों को स्थान दिया। व्हाई नेशन्स फेल के लेखकों ने उचित ही संकेत किया है, 'बीसवीं शताब्दी के नए संपूर्णतावाद-साम्यवाद को समझे बिना बीसवीं शताब्दी के अंत में दुनिया के अनेक गरीब देशों को समझना असंभव होगा। मानव पीड़ा व विनाश के अलावा सभी कम्युनिस्ट समाजों ने विभिन्न प्रकार के शोषक संस्थानों का गठन किया।' ओलीगार्की के लौह कानून व नए संपूर्णतावाद की परिघटनाओं ने ऐसे शोषक संस्थानों का गठन किया जो गरीबी का दुष्चक्र पैदा करते हैं तथा रिस्क सोसाइटी की ओर नीतिगत परिवर्तन प्रयासों के लिए हानिकारक सिद्ध होते हैं। इस कारण नीतिगत प्राथमिकताओं में देश की संपदा के पुन: वितरण व गरीबी उन्मूलन के माध्यम से आर्थिक न्याय को केन्द्रीय स्थान मिलता है। कहने का यह अर्थ नहीं है कि संपदा वितरण समाज व रिस्क सोसाइटी के बीच कोई सीधा विरोध है। कहने का अर्थ केवल यह है कि संपदा वितरण समाज से रिस्क सोसाइटी की ओर परिवर्तन गरीबी उन्मूलन से तेज होता है और समाज को ज्यादा न्यायपूर्ण व समतापूर्ण बनाता है। इसलिए भारत के नए नेतृत्व के समक्ष चुनौती हमारी राजनीतिक व आर्थिक व्यवस्था में नए संपूर्णतावाद की विचार प्रक्रिया तथा ओलीगार्की के लौह कानून के प्रभुत्व से मुक्ति पाना है। ऐसे में शोषणकारी संस्थानों को समाप्त करना जरूरी है।

भारत में नीति निर्माताओं के सामने गरीबी घटाने की बहुत बड़ी चुनौती मौजूद है। हालांकि, स्वतंत्रता के बाद से विभिन्न सरकारों ने ज्यादा से ज्यादा लोगों को गरीबी के शिकंजे से बाहर निकालने के लिए अर्थव्यवस्था को सुधारने व इसके नतीजे बेहतर करने के लिए अनेक नीतिगत कदम उठाए हैं, लेकिन हमें अभी बहुत दूर जाना है। हम वर्तमान परिदृश्य में क्या कर सकते हैं? हमारे सामने क्या विकल्प बचे हैं? हालांकि, भयानक गरीबी के अर्थ में गरीबी-मुक्त समाज का कोई विकल्प नहीं हो सकता है, पर सामाजिक सुरक्षा संजाल में वृद्धि तथा युनिवर्सल बेसिक इन्कम-यूबीआई का क्रियान्वयन वैश्विक महामारियों, प्राकृतिक विभीषिकाओं तथा किसी अन्य प्रकार के अप्रत्याशित खतरों से निपटने में सुरक्षा दीवाल का काम कर सकते हैं।

2016-17 के आर्थिक सर्वेक्षण में यूबीआई पर एक पूरा अध्याय दिया गया था जिसके अनुसार, 'यूबीआई एक सशक्त विचार है, भले ही इसके क्रियान्वयन का समय अभी न आया हो पर इस पर गंभीर चर्चा करना जरूरी है।' लेकिन आर्थिक सर्वेक्षण के बाद आने वाले केन्द्रीय बजट में इस पर गौर नहीं किया गया, इसलिए इस विचार की व्यावहारिकता व प्रायोगिकता पर 'गंभीर' चर्चा नहीं हुई। स्पष्ट रूप से यूबीआई कम से कम सभी लाभार्थियों के लिए न्यूनतम आय की गारंटी करता है। यूबीआई के क्रियान्वयन से खजाने पर अतिरिक्त बोझ पड़ेगा, पर निश्चित रूप से सीमित तरीके से इसके क्रियान्वयन के रास्ते खोजे जा सकते हैं। भारत की गंभीर आर्थिक स्थिति को देखते हुए केवल इसकी व्यापकता सिद्ध करने के लिए सबको यूबीआई सुनिश्चित करना व्यावहारिक नहीं होगा। अपने लेख 'आउट आफ माई माइंड: इन्कम फार एवरीवन' में प्रख्यात अर्थशास्त्री मेघनाद देसाई ने सुझाव दिया था, 'यह भत्ता-यूबीआई केवल महिलाओं को दिया जाना चाहिए। वे जनसंख्या का लगभग आधा हिस्सा हैं। इनमें से अनेक अपने परिवारों की देखभाल करने में सक्षम नहीं हैं। जब वे मजदूरी के लिए काम करती हैं तो उनको समुचित मजदूरी नहीं मिलती है। इस तर्क को अनदेखा नहीं किया जा सकता है। इससे भारतीय समाज में क्रान्तिकारी परिवर्तन आएगा।'

यदि हम यूबीआई लागू करें तो महिलाओं और बच्चों की जरूरतें पूरी होंगी तथा काम की तलाश में उनका विस्थापन घटेगा। वैश्विक महामारियों को देखते हुए जनता, खासकर प्रवासी श्रमिकों व उनकी महिलाओं व बच्चों को भूखे, प्यासे, नंगे पैरों सैकड़ों किलोमीटर अपने गृह राज्यों तक जाने की अनुमति नहीं देनी चाहिए। यह घटना हाल ही में भारत सरकार द्वारा लाकडाउन की घोषणा के बाद सामने आई है। श्रमिकों को गरिमापूर्ण जीवन व स्वतंत्रता के लिए संघर्ष करने का अवसर अवश्य मिलना चाहिए।

संकट के दौर में स्वदेशी को प्रोत्साहन

"भारत के गांवों में, छोटे शहरों में, गृह उद्योगों में, छोटे-छोटे इंडस्ट्री में कई प्रकार के उत्पाद तैयार किये जाते हैं। समाज उन उत्पादों का उपयोग करता भी है।"

टीवी कट्टीमनी
(लेखक इंदिरा गांधी राष्ट्रीय जनजाति विश्वविद्यालय, अमरकंटक के पूर्व कुलपति हैं)

प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी जी ने एक असली विचार देश के सामने रखा है। भारत के गांवों में, छोटे शहरों में, गृह उद्योगों में, छोटे-छोटे इंडस्ट्री में कई प्रकार के उत्पाद तैयार किये जाते हैं। समाज उन उत्पादों का उपयोग करता भी है। खादी उत्पाद- कपड़े, साबुन, तेल, दलहन, तिलहन, कोदो, कुटकी, कंगुनी, रागी का उपयोग हम करते आ रहे हैं, क्योंकि इन देशी उत्पादों का महत्व हमको मालूम है। हल्दी, जंगली हल्दी, आमा हल्दी के सेहतकारी गुण जानकर इनका उत्पाद और क्रय जारी है।

लेकिन हम इन चमत्कारी देशी उत्पादों पर चर्चा नहीं करते। कोदो, कुटकी, कंगुनी, सावां की किसानी केवल आदिवासी लोगों में बची है। देश की खादी दुकानों, कुछ गिनचुने गांवों की दुकानों और आर्गेनिक दुकानों में केवल ये उत्पाद उपलब्ध हैं। इन 'दलहन' के असीम लाभ हैं। हम इस पर चुप हैं। इसकी आर्गेनिक खेती किसानों को लाभ पहुंचा सकता है, लेकिन हम चुप हैं, अग्रो-इकोनोमिस्ट चुप हैं। जैविक खेती की मार्केटिंग अब तक हम गली-गली में फैला सकते थे लेकिन हमारे कंजूमर विशेषज्ञ चुप हैं। हमारे कंजूमर विशेषज्ञों को देशी उत्पादों पर वोकल होने की जरूरत है। 'अरंडी (कास्ट्रोल) एक चमत्कारी पौध है, इसके पत्तों में- ठंडी फैलाने के, शुद्ध हवा देने के चमत्कारी गुण हैं, इसके तेल के औषधीय गुणों पर हमारा बाजार चुप है। सादा साबुन जो 80 रुपये में बाजार में बिकता है, वही गुण, आकार में झारखंड के गांवों में आदिवासी महिलाओं से तैयार होकर 20 रुपए में बिकता है और इस साबुन में जंगल के लघु उत्पाद -जैसे शिकाकाई, इमली, करंजी का तेल, कई प्रकार की सब्ज पत्तियों का रस मिला हुआ होता है, हमारे व्यापारी इस गांव के उत्पाद को प्रैम प्लेस में प्रदर्शन करें, हां इस झारखंड के कॉमोडिटी में आपको मार्जिन कम मिलेगा और बहु राष्ट्रीय कम्पनी के साबुन में ज्यादा, देश के लोकल उत्पाद पर हमारे व्यापारी समुदाय को वोकल होने की जरूरत है।

कोरोना -19 के कारण जो ग्रामवासी वापस घर पहुंचे हैं। ये लोग वापस शहर आने की उम्मीद में नहीं है। गांव के लोग गांव में ही रहेंगे। शहर में इन लोगों ने आपाधापी देखी हैं। गलाकाट स्पर्धा झेली है, क्या ये लोग घर में चुप बैठेंगे? जवाब साफ है- नहीं बैठेंगे।

शहर में ये लोग वाचमैन थे, राज मिस्त्री थे, बार बेंडर के सहायक थे, बनती इमारत को पानी देने वाले थे, साइकिल रिक्शा चलाते थे, कार की सफाई करते थे, इनकी स्त्री घरों की सफाई करती थीं, शहरवालों की रुचि के अनुकूल खाना बनाना सीखी हैं, कुछ महिलाएं छोटी-मोटी सिलाई सीखी हैं, फिश पाउंड की देखभाल सीखी हैं, पालतु कुत्ते को खाना खिलाना, बच्चों का देखभाल करना ये जानती हैं। इनके जवान बच्चे कार चलाना सीखे हैं, पानी का पंप चलाना, छोटे-मोटे रिपेयर जान गए हैं, शहर में रहते हुए और बहुत जान गए हैं ये लोग, जान गए हुनर क्या होता है। ये लोग गांव में चुप नहीं बैठ सकते। शहरवासियों के पेट की दहकती आग को यह जान गये हैं, इनके दिलो-दिमाग में अनगिनत सपने हैं, इन लोकल लोगों के धधकते हुनर को हमें वोकल बनाना है।

शहर से लौटे हुए लोग, मनुष्य की बेचने की शक्ति को जान गये हैं, उत्पाद की कला जो पहले से गांव के -कुम्हार में, लोहार में, बढ़ई में, शिल्पकार में, कुक्कुट पालन में, दूध उद्योग में उपलब्ध है। इनको अपनी बेचने की कला से ये चमका सकते हैं, मोटर गराज, पंक्चर दुकान, इडली-दोसा दुकान, उबले अंडे-आम्लेट बेचना इनके लिए व्यापार का रूप ले लेगा। शहर से सामान खरीदकर गांवों में बेचने की परंपरा के बदले, गांव में उत्पाद करके गांव में, आसपास के गांवों में बेचने की नई उम्मीद को हमें प्रोत्साहन देने की जरूरत होगी। मध्यप्रदेश के डिंडोरी जिले के जंगल के बैगा चेक में 52 बैगा आदिवासियों के छोटे-छोटे गांव हैं। इन बावन गांवों के आदिवासी-शहद, तेंदु पत्ता, कंदमूल, जड़ी-बूटी, फल, महुआ, मशरूम इकट्ठा करके पैदल 'बजग' बाजार में बेचकर अपने लिये जो सामान चाहिए- नमक, मिर्च, गुड़, शक्कर, मिट्टी का तेल, तिली खरीदकर पैदल वापस निकलते हैं। मेरे सर्वे के अनुसार 'बजग बाजार' के साहू व्यापारी अपनी दुकानों में वही सामान, वही बरतन, भांडे रखते हैं जो आदिवासी पसंद करते हैं।

यदि महुआ के विविध प्रयोजन व्यंजन, केक, चाकलेट बनाने का युनिट यहां लगा देंगे तो उत्पादक और ग्राहक के बीच एक सेतु बन जाएगा और 'महुआ' में जो विटामिन और ताकत उपलब्ध है वह आदिवासी बाल बच्चों को मिलेगा, जो अक्सर पौष्टिकता की कमी से जूझ रहे हैं। इस बैगा चेक के लोकल पे हमको वोकल होने की जरूरत है।

कर्नाटक में दूर के कोप्पल, रायचूर, कलबुर्गी जिलों के दस हजार से ज्यादा लोग बेंगलूरू में काम करते थे और 90 प्रतिशत लोग वापिस चले गए हैं। घर जाते ही ये लोग यह कहकर बैठ गये हैं कि हम वापस शहर नहीं जाएंगे, हमारे दो एकड़ जमीन में कुछ करके दिखाएंगे, प्याज बेचेंगे, पकौड़े बेचेंगे लेकिन बेंगलूरू कभी वापिस नहीं जाएंगे।

इस लोकल शक्ति का उपयोग स्थानीय व्यापारियों को, उद्यमियों को करने की जरूरत है। हमारे देश की, आदतन, हम लोकल का अनादर करते आए हैं, लेकिन कोरोना-19 ने लोकल का आदर बढ़ा दिया है। शहरवासी गांव भागना चाहते हैं क्योंकि वहां कोरोना से बच सकते हैं। गांव की शुद्ध हवा, शुद्ध पानी, ताजा सब्जी, दूध, अब लगता है कि अमृत समान है। हमारे कंजूमर्स एक्सपर्टस को इस लोकल ताजगी पर वोकल होना है। देशी ताजगी पर वोकल होने के लिए हमको विदेशी अर्थशास्त्री की जरूरत नहीं होती, हमारे देशी अर्थशास्त्र इन नितांत सच्चाई पर लगातार बात करते आये हैं। इनमें बापू जी, पंडित दीनदयाल उपाध्याय प्रमुख हैं।

आप की बात

निर्मम ममता

सभी प्रांतों के प्रवासी मजदूर अपने कार्यस्थल छोड़कर अपने मूल स्थानों को लौट रहे हैं। केंद्र सरकार ने सैकड़ों श्रमिक स्पेशल ट्रेन चलाई हैं। वापसी करने वाले कामगारों का आंकड़ा कई करोड़ पहुंच चुका है। सभी राज्य अपने-अपने परिश्रमी बेटों को अपनी गोद में जगह दे रहे हैं। पर ममता बनर्जी ने इन परेशानहाल मजदूरों को लेकर आने वाली ट्रेनों को बंगाल की सीमा पर रुकवा दिया है। कहती हैं, इससे वायरस फैल सकता है। तो उसका इलाज था। इन्हें करीब 14 दिन क्वारंटाइन में रखकर घर भेजा जा सकता था। बिहार में तो सरकार क्वारंटाइन में रहकर स्वस्थ निकले श्रमिकों को एक-एक हजार रुपया अलग से दे रही है। ममता रुपया न दें, किन्तु पृथकवास की सुविधा तो दे ही सकती थीं। श्रमिक स्पेशल ट्रेनों को रोक देने वाली ममता चतुर इतनी हैं कि रेलवे मंत्रालय द्वारा भेजी गयी 84 डिब्बों वाली अन्नपूर्णा माल ट्रेन, जिसमें 5,200 टन खाद्यान्न भरा हुआ था, जो डेढ़ लाख परिवारों का एक माह तक पेट भर सकता है, को तुरंत जलपाईगुड़ी स्टेशन पर खाली कराकर गल्ला वितरित करा दिया। मोदी ने 42-42 डिब्बों की 2 मालगाड़ियों को जोड़कर डबल ट्रेन बंगाल के भूखा-ग्रस्त क्षेत्रों हेतु बड़ी तत्परता से भेजी थी।

- **ध्रुवी कृपा**, मेरठ कैंट

समय बदला, मजदूर नहीं

यदि हम संवेदनशील व्यक्ति के रूप में विचार करें तो स्वतन्त्र भारत में स्वतंत्रता प्राप्ति के 73 वर्षों तथा भारतीय गणराज्य के द्वारा संविधान पारित होने के 70 वर्षों के बाद आज मजदूर वैसे का वैसा मजबूर ही होता गया है परन्तु गांधीवादी अर्थशास्त्री विचारधारा पर गौर फरमाएं तो यही मजदूर भारत का सर्वाधिक मजबूत समुदाय है। बापू के जन्म के 150 वर्ष तथा स्वामी विवेकानंद के जन्म के 125 वर्ष पूरे होने पर भी हमने इस मजदूर को मजबूर बनाकर गरीब से ही पहचाना है इसे श्रमवीर की मौलिक उपाधि देने में सत्ता दलों को सदैव हिचक रहती है, जबकि यही श्रमवीर जिसे मजदूर कहा जा रहा है, पूरे उत्पादन का ब्रह्मा तथा आर्थिक संपन्नता का कुबेर है। गरीबी हटाने के नारे पर सत्ता हथियाने वालों ने गरीबी तो नहीं हटाई परन्तु गरीब को जरूर मुख्यधारा से हटाते रहे हैं। आज यदि कोरोना महामारी के चलते हर जगह तालाबन्दी न होती तो शायद हम भारत के ज़मीनी ढांचे को मजबूत करने वाले वर्ग को न जान पाते। जब सोशल मीडिया, टेलीविजन आदि नेटवर्कों के माध्यम से मजदूरों की मजबूरियों को हम देख रहे हैं तो पूरी व्यवस्थाओं पर प्रश्न खड़े होते हुए आत्मा कराह उठती है।

- **अभिनंदन भाई पटेल**, लखनऊ

चीन की छटपटाहट

आज पूरी दुनिया कोरोना की महामारी से निकलने का रास्ता तलाश रही है, लेकिन बड़ी हैरानी की बात है। चीन और पाकिस्तान दोनों भारत के खिलाफ इस दौर में भी नापाक साजिश करने में लगे हैं। कल चीनी चॉपर ने भारत-चीन सीमा रेखा के पंद्रह किलोमीटर हिमाचल के लाहौल स्पीति में घुसपैठ कर दी। चीन एलएसी को दो बार अपने चॉपर भेजकर सीमा रेखा का उल्लंघन कर चुका है। भारत द्वारा आजाद कश्मीर के गिलगित, बाल्टिस्तान, मुजफ्फराबाद में मौसम बुलेटिनों जारी करने के खिलाफ़ चीन की छटपटाहट नजर आ रही है, क्योंकि चीन-पाक आर्थिक गलियारा गिलगिट, बाल्टिस्तान और बलूचिस्तान से होकर ही जायेगा, इसलिए चीन एक तरफ पीओके में स्कार्दू में एयरबेस बनाने में पाकिस्तान की मदद करके भारत के खिलाफ षणयंत्र रच रहा है, तो दूसरी तरफ खुद की सेना को भारत के अंदर घुसपैठ करा रहा है। भारतीय सेना चीन और पाकिस्तान दोनों की साजिश को नाकाम कर रही है। भारतीय सेना भारत के पाक अधिकृत क्षेत्र को आजाद कराने में सक्षम है।

- **अजीत यादव**, रोहिणी, दिल्ली

पाठक अपनी प्रतिक्रिया ई-मेल से
responsemail.hindipioneer@gmail.com
पर भी भेज सकते हैं।

फरमाया

एक नागरिक के तौर पर मुझे निराशा हुई है कि 20 लाख करोड़ का पैकेज ऋण के तौर पर नहीं बल्कि हाथों में धन देने वाला होना चाहिए। सरकार साहूकार न बने।

- **राहुल गांधी**
कांग्रेस नेता

मुझे उम्मीद है कि देश के विभिन्न हिस्सों में काम करने वाले बंगाली कामगारों के भले के लिए, पश्चिम बंगाल बांहें फैलाकर उन्हें स्वीकार करेगा।

- **पीयूष गोयल**
रेल मंत्री

हमारे बंधुओं ने जो मुसीबतें झेलीं उनको सलाम करते हुए राज्य सरकार विशेष ट्रेनों से उनके आवागमन का पूरा खर्च वहन करेगी।

- **ममता बनर्जी**
पश्चिम बंगाल की मुख्यमंत्री

पायनियर
नई दिल्ली, मंगलवार, 19 मई, 2020

श्रमिकों के लिए एक्सप्रेस-वे, टोल प्लाजा पर करें भोजन-पानी की व्यवस्था

● पुलिस सघन चेकिंग अभियान चलाकर लोगों को करे जागरूक

● परिवहन निगम की बसों की रात्रिकालीन चेकिग करें अधिकारी

पायनियर समाचार सेवा। लखनऊ

मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने कहा कि उत्तर प्रदेश सरकार ने प्रवासी श्रमिकों की सुरक्षित एवं सम्मानजनक प्रदेश वापसी कराई है। उन्होंने प्रवासी श्रमिकों के लिये टोल प्लाजा, एक्सप्रेस वे तथा हाइवे पर खाने पीने की उचित व्यवस्था किये जाने के अधिकारियों को निर्देश दिये हैं। इसके साथ ही सीएम ने लाकडाउन के चौथे चरण के लिये केन्द्र सरकार द्वारा कल जारी की गई एडवाइजरी का अध्ययन करके कन्टेन्मेंट जोन में शुरू की जाने वाली गतिविधियों के लिये कार्ययोजना बनाने के भी निर्देश अधिकारियों को दिये हैं। उन्होंने स्पष्ट किया कि केन्द्र सरकार की गाइड लाइन के अनुरूप राज्य सरकार लाकडाउन के चौथे चरण की व्यवस्था निर्धारित करेगी। मुख्यमंत्री ने सोमवार को अपने सरकारी आवास पर हुई बैठक में लॉकडाउन व्यवस्था की समीक्षा की। उन्होंने कहा कि प्रदेश की सीमा में प्रवेश करते ही प्रवासी श्रमिकों को भोजन व पानी उपलब्ध कराया जाए। इसके बाद उनकी स्क्रीनिंग करते हुए उन्हें सुरक्षित व सम्मानजनक ढंग से उनके गंतव्य तक पहुंचाया जाए। उन्होंने कहा कि बॉर्डर क्षेत्र के साथ-साथ टोल प्लाजा, एक्सप्रेसवे तथा प्रमुख चैराहों पर प्रवासी कामगारों व श्रमिकों के लिए भोजन एवं पेयजल की व्यवस्था की जाए। उन्होंने निर्देश दिए हैं कि लॉकडाउन के संबंध में भारत सरकार की नवीनतम एडवाइजरी का अध्ययन किया जाए। यह तय किया जाए कि कंटेंमेंट जोन में क्या-क्या छूट दी जा सकती है। मुख्यमंत्री ने आदेश दिया कि जल्द से जल्द इसकी कार्य योजना तैयार की जाए।

योगी ने कहा कि कोविड 19 से उत्पन्न परिस्थितियों से निपटने तथा देश को आत्मनिर्भर बनाने के उद्देश्य प्रधानमंत्री द्वारा घोषित 20 लाख करोड़ रुपए की निवेश आर्थिक पैकेज की प्रदेश की कार्य योजना को अंतिम रूप दिया जाए। मुख्यमंत्री ने कहा कि राज्य की सीमा में प्रवेश करते ही प्रवासी मजदूरों को भोजन व पानी उपलब्ध कराया जाए। इसके बाद उनकी स्क्रीनिंग करते हुए उन्हें सुरक्षित व सम्मानजनक ढंग से उनके घर तक पहुंचाया जाए। उन्होंने कहा कि बॉर्डर क्षेत्र के साथ साथ टोल प्लाजा, एक्सप्रेसवे और प्रमुख चौराहों पर प्रवासी श्रमिकों के लिए भोजन और पेयजल की व्यवस्था सुनिश्चित की जाए। मुख्यमंत्री ने कहा कि सुनिश्चित किया जाए कि लोग पैदल, बाइक , थ्री व्हीलर ट्रक आदि जैसी असुरक्षित साधनों से यात्रा न करें। इसके लिए पुलिस द्वारा सघन चेकिंग चलाकर लोगों को जागरूक करने को कहा।

मुख्यमंत्री ने निर्देश दिए कि परिवहन निगम जिला प्रशासन से समन्वय स्थापित करते हुए प्रवासी मजदूरों की यात्रा कराएं। मुख्यमंत्री ने कहा कि क्वॉरंटाइन सेंटर तथा कम्युनिटी किचन की व्यवस्था को चुस्त दुरुस्त रखा जाए। सीएम योगी आदित्यनाथ ने कहा है कि अन्य राज्य सरकारें उत्तर प्रदेश के प्रवासियों की सूची उपलब्ध कराए ताकि सभी को सुरक्षित प्रदेश में वापस लाने की व्यवस्था की जा सके। इसके साथ ही प्रदेश में रह रहे दूसरे राज्य के लोगों को भी वापस भेजने की तैयारी पूरी कर ली जाये। मुख्यमंत्री ने कहा कि प्रदेश के अधिकारी अन्य प्रदेशों के अधिकारियों से समन्वय स्थापित करें और अन्य प्रदेशों से जो सूचियां श्रमिकों की आ रही हैं उन्हें वापस लाया जाए। उन्होंने कहा कि सभी बसों को नियमित रूप से सेनिटाइज किया जाए। बस में सेनिटाइजर की उपलब्धता सुनिश्चित की जाए। परिवहन निगम यह भी सुनिश्चित करे कि प्रत्येक प्राइवेट बस में दो ड्राइवर हों। आरटीओ व एआरटीओ सतत निरीक्षण करते हुए यह सुनिश्चित करें कि दुर्घटना न होने पाए। जिला प्रशासन से समन्वय स्थापित करते हुए प्रवासीजनों की सुरक्षित यात्रा सुनिश्चित कराए। उन्होंने कहा कि राज्य सरकार ने प्रवासीजनों को बस से भेजने के लिए धनराशि भी स्वीकृत की है। यात्रा नि:शुल्क संपन्न कराई जाए। परिवहन निगम की जो बसे हैं उन्हें सुरक्षित रूप से चलाने के लिए परिवहन विभाग के अधिकारी उसकी रात्रिकालीन चेकिंग भी करें। योगी ने कहा कि प्रवासी श्रमिकों को बताया जाए कि वे ट्रेन तथा बस जैसे सुरक्षित साधन से ही यात्रा करें। मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने इस संबंध में वरिष्ठ अधिकारियों को दिशा निर्देश दिया है कि पुलिस रात्रिकालीन पेट्रोलिंग करें। पीआरबी टीमें भी लगातार निगरानी करें। ट्रकों पर रात्रि में श्रमिक न चढ़ें इसकी भी व्यवस्था सुनिश्चित कराएं। मुख्यमंत्री ने कहा पल्स ऑक्सीमीटर के माध्यम से शरीर में ऑक्सीजन की मात्रा कम हो रही है तो ऐसे सभी लोगों की चेकिंग करा कर उनकी जान बचाई जा सकती है। स्वास्थ्य कर्मियों को यह सुविधा दी जा रही है कि वह इसकी तत्काल चेकिंग भी करा लें। अगर सांस लेने में दिक्कत है तो इस मशीन के माध्यम से मदद की जा सकती है।

छह सप्ताह और बढ़ सकती है बंदियों की पैरोल अवधि

पायनियर समाचार सेवा। लखनऊ

सूबे की जेलों पर भी मंडरा रहे संक्रमण के खतरे को देखते हुए पैरोल पर छोड़े गए बंदियों की पैरोल अवधि 6 सप्ताह और बढ़ाई जा सकती है। आगरा सेंट्रल जेल व मुरादाबाद जेल में कोरोना पॉजिटिव मामले पाए जाने के बाद कारागार महकमा फूंक-फूंक कर कदम रख रहा है। महकमे की ओर से पैरोल की अवधि बढ़ाए जाने के संबंध में शासन को एक प्रस्ताव भेजा गया है। जिसमें बंदियों के पैरोल की अवधि से सप्ताह बढ़ाने की सिफारिश की गई है।

आगरा सेंट्रल जेल में पिछले दिनों कोरोना वायरस सजायाफ्ता कैदी की मौत हो गई थी। जिसके बाद उसके संपर्क में रहने वाले अन्य कैदियों का परीक्षण कराया गया तो 10 में कोरोना पॉजिटिव पाया गया था। आगरा जिला जेल में भी कोरोना से एक कैदी की मौत हो चुकी है। मुरादाबाद जेल में भी आधा दर्जन बंदी कोरोना की चपेट में आ चुके हैं हालांकि वर्तमान में उनकी रिपोर्ट नेगेटिव आ चुकी है। प्रदेश में कोरोना

संक्रमण के लगातार बढ़ते खतरे को देखते हुए जेल महकमे ने सुझाव दिया है कि पैरोल पर छोड़े गए बंदियों की समयावधि बढ़ाना ही सही होगा। उल्लेखनीय है कि बीती 23 मार्च को सुप्रीम कोर्ट के निर्देश पर प्रदेश की 71 जेलों के 15 हजार 700 से अधिक विचाराधीन और सजायाफ्ता कैदी 8 हफ्ते की पैरोलध् अंतरिम जमानत पर रिहा किए गए थे। जिनका समय अगले सप्ताह पूरा हो रहा है। जेल महकमे के प्रस्ताव को शासन स्तर पर मंजूरी प्रदान किए जाने की पूरी उम्मीद जताई जा रही है।

केंद्र के इशारे पर हुई मजदूरों की अनदेखी: त्रिवेदी

पायनियर समाचार सेवा। लखनऊ

राष्ट्रीय लोकदल के प्रदेश प्रवक्ता सुरेन्द्र नाथ त्रिवेदी ने केन्द्र सरकार की कार्यशैली पर प्रहार करते हुए कहा कि सम्पूर्ण देश में मजदूरों की अनदेखी और उन पर आर्थिक तथा सामाजिक अत्याचार केन्द्र सरकार के ही इशारे पर हुआ और हो रहा है। देश के प्रधानमंत्री ने पहले ही लाक डाउन घोषित करते समय इन मजदूरों को सिर्फ चार घण्टे का समय दिया था। सरकार द्वारा यह साजिश इसलिए की गई कि यदि मजदूर अपने घरों को चले गए तो उसके चहेते पूँजीपतियों की बड़ी बड़ी मिलें और उद्योग धन्धे कैसे चलेंगे। त्रिवेदी ने कहा कि उद्योगपतियों द्वारा वेतन न मिलने पर जब मजदूर अपने अपने घरों के लिए निकल पड़े तो इस पलायन को रोकने के लिए प्रशासन के माध्यम से पुलिस द्वारा लाठीचार्ज कराये गए और अब भी कराये जा रहे हैं ताकि सरकार की साजिश कामयाब हो सके। लाठीचार्ज और अनावश्यक उत्पीड़न पर विपक्ष ने आवाज उठाई तब सत्ता द्वारा विपक्ष पर राजनीति करने का आरोप लगाया जा रहा है। उन्होंने कहा कि सत्ता पक्ष की तिलमिलाहट स्वाभाविक है क्योंकि देश के लगभग 40 करोड़ मजदूरों पर की गई साजिश सफल नहीं हो सकी।

बचाव पक्ष को मिली सीबीआई के तीन गवाहों से जिरह की अनुमति

● अयोध्या के विवादित ढांचे को ढहाए जाने का मामला

विधि संवाददाता। लखनऊ

अयोध्या के विवादित ढांचा को ढ़हाए जाने के आपराधिक मामले में सोमवार को सीबीआई की विशेष अदालत (अयोध्या प्रकरण) ने बचाव पक्ष को अभियोजन के तीन गवाहों से जिरह करने की अनुमति दे दी। विशेष जज सुरेंद्र कुमार यादव ने सीबीआई को निर्देश दिया कि वो गवाह मधुरिमा मिश्रा को 20 मई, फरहत अब्बास को 21 मई व जगत बहादुर अग्रवाल को 22 मई को जरिए वीडियो कांफ्रेंसिंग जिरह के लिए उनकी सुरक्षित उपस्थिति सुनिश्चित कराएं। उन्होंने सीबीआई से यह भी कहा है कि इन गवाहों से जिरह के तत्काल बाद मुल्जिमों का सीआरपीसी की धारा 313 के तहत बयान भी दर्ज होना है। लिहाजा सीबीआई वीडियो कांफ्रेंसिंग के जरिए बयान दर्ज कराने के लिए मुल्जिमों की सुरक्षित उपस्थित कैसे सुनिश्चित करेगी, 22 मई को ही बताएं। गौरतलब है कि बीते छह मार्च को इस मामले में गवाही के साथ ही जिरह की प्रक्रिया भी पूरी हो गई थी। इसके बाद विशेष अदालत ने मुल्जिमों का सीआरपीसी की धारा 313 के तहत बयान दर्ज करने के लिए 24 मार्च की तारीख तय की थी। अदालत ने पहले दिन मुल्जिम चंपत राय बंसल, लल्लू सिंह व प्रकाश शर्मा को अपना बयान दर्ज कराने के लिए उपस्थित रहने का आदेश दिया था। लेकिन लॉकडाडन के चलते मुकदमे की कार्यवाही स्थगित चल रही थी। विशेष जज सुरेंद्र कुमार यादव ने वीडियो कांफ्रेंसिंग की सुविधा शुरु कराने के मसले पर एक बार फिर से मुख्य सचिव को पत्र भेजने का आदेश दिया है। उनका कहना था कि 14 मई को ही मुख्य सचिव को इस संदर्भ से अवगत कराया गया था। लेकिन उनके द्वारा आज तक कोई कार्यवाही करने की सूचना नहीं दी गई है। जबकि आठ मई, 2020 को सुप्रीम कोर्ट ने एक आदेश जारी कर इस मामले को हर हाल में 31 अगस्त, 2020 तक निर्णीत करने का आदेश दिया है। यह भी आदेश दिया है कि अब इस मामले में शेष साक्ष्य की कार्यवाही वीडियो कांफ्रेंसिंग के माध्यम से कराई जाए। इधर, सोमवार को इससे पहले विशेष अदालत में बचाव पक्ष की ओर से इन तीनों गवाहों से जिरह के लिए तैयार की गई अपनी विशिष्ट प्रश्नों की सूची सौंपी गई। बीते 15 मई को लॉकडाउन के दौर इस मामले में पहली सुनवाई हुई थी। उस रोज बचाव पक्ष की ओर से एक अर्जी दाखिल कर इन तीनों गवाहों से जिरह की इजाजत मांगी गई थी। तब अदालत ने इस अर्जी पर बचाव पक्ष को गवाहो से जिरह करने वाले अपनी विशिष्ट प्रश्नों की सूची दाखिल करने का निर्देश दिया था।

यूपी में निर्मित सैनिटाइजर की सभी प्रदेशों में हो रही सप्लाई

लखनऊ। घातक बीमारी के संक्रमण के इस दौर में कोरोना वायरस से बचाव में संजीवनी साबित हो रहे सैनिटाइजर की मांग इस समय पूरे देश में है। ऐसे में प्रदेश की योगी सरकार की यह एक बड़ी उपलब्धि है कि उत्तर प्रदेश में निर्मित सैनिटाइजर की सप्लाई इस समय सभी प्रदेशों में हो रही है। उत्तर प्रदेश अभी तक करीब 27 लाख लीटर से ज्यादा सैनीटाइजर निर्यात कर चुका है। प्रदेश के आबकारी विभाग की ओर से दी गई जानकारी के अनुसार प्रदेश में कुल 86 इकाइयों में सैनिटाइजर का उत्पादन हो रहा है जिनमें 27 चीनी मिल, 12 डिस्टलियां, 37 सैनेटाइजर कंपनियां और 10 अन्य संस्थान शामिल हैं। उत्तर प्रदेश से 28 राज्यों में अब तक 27 लाख 20 हजार 607 लीटर सैनेटाइजर का निर्यात किया जा चुका है। यही नहीं इस समय 44 लाख 95 हजार 59 सैनीटाइजर पैक होकर बिक्री के लिए उपलब्ध हैं। कुल 52 लाख 19 हजार 079 पैकिंग की सप्लाई की जा चुकी है।

भत्ते समाप्ति के बाद कर्मचारी संगठन लामबंद

● लॉकडाउन खत्म होने के बाद बड़े आन्दोलन की तैयारी

पायनियर समाचार सेवा। लखनऊ

प्रदेश के बड़े कर्मचारी संगठनों ने मिलकर सरकार के खिलाफ आन्दोलन की योजना बनानी शुरू कर दी है। मंहगाई भत्ता सहित अन्य लगभग 15 भत्तों पर सरकार द्वारा कैची चलाए जाने से प्रदेश के कर्मचारी, शिक्षक और अधिकारी नाराज ही नहीं बल्कि अब आन्दोलन के मूड में है। इसके लिए राज्य कर्मचारी संयुक्त परिषद के अध्यक्ष हरिकिशोर तिवारी के समन्वय में आयोजित वीडियो कांन्फ्रेंसिंग का संचालन महामंत्री महामंत्री शिवबरन सिंह यादव ने किया। इस वीडियों कांन्फ्रेंसिंग के जरिये भत्तों के कटौती और सरकार तथा नौकरशाहों की भूमिका पर विचार रखते हुए सभी संगठनों के शीर्ष पदाधिकारियों ने प्रदेशव्यापी आन्दोलन पर जोर दिया।

परिषद के मीडिया प्रभारी मनोज कुमार श्रीवास्तव ने बताया कि इस वीडियो कान्फेसिग में रेलवे के राष्ट्रीय नेता कामरेड शिवगोपाल मिश्र, अधिकारी महापरिषद के संरक्षक बाबा हरदेव आदि ने अपने विचार रखते हुए इन भत्तों की कटौती के लिए चंद नौकरशाहों को इसके लिए जिम्मेदार ठहराया।

हरिकिशोर तिवारी ने आन्दोलन की रूपरेखा बनाने एवं निर्णायक लड़ाई के लिए तैयार रहने का अवाहन किया। बैठक में कर्मचारी नेताओं ने द्वारा कहा गया कि सरकार के चंद अधिकारियों ने प्रदेश के बड़े कर्मचारी संगठनों की चिन्ता अब और बढ़ा दी है। दरअसल में प्रदेश सरकार कर्मचारियों की किसी भी मांग पर ना ते ध्यान दे रही है और नही कर्मचारी संगठनों को विश्वास में लेकर निर्णय कर रही है। यही चिन्ता का कारण अब सरकार और कर्मचारियों के बीच संघर्ष की स्थिति उत्पन्न कर रहा है।

सरकार कर रही है मजदूरों की अनदेखीः कांग्रेस

पायनियर समाचार सेवा। लखनऊ

प्रदेश कांग्रेस कमेटी के अध्यक्ष अजय कुमार लल्लू एवं विधायक दल नेता आराधना मिश्रा मोना ने संयुक्त प्रेस कांफ्रेंस करके योगी आदित्यनाथ सरकार को गरीब-मजदूर विरोधी करार दिया है। उन्होंने कहा कि हम लगातार सरकार को सकारात्मक सुझाव दे रहे हैं लेकिन भाजपा सरकार इस विपत्ति में भी बेसहारा लोगों की, जरूरतमंदों की समस्याओं को सुनने और उसके निराकरण करने में कोताही कर रही है। लल्लू ने कहा कि इस वैश्विक महामारी में हम लगातार जनता की सेवा कर रहे हैं। पूरे प्रदेश में हमने 60 लाख से अधिक लोगों की राशन-खाना देकर मदद की। प्रदेश के 22 जिलों में हम रसोईघर चला रहे हैं। कांग्रेस विधायक दल नेता आराधना मिश्रा मोना ने कहा कि योगी सरकार ने मजदूरों के साथ विश्वासघात किया है।

योगी आदित्यनाथ की सरकार ने कहा था कि वह अपने प्रवासी मजदूरों को अन्य प्रदेशों से लाएंगे लेकिन अब जब मजदूर प्रदेश में खुद चलकर आ रहे हैं तो उत्तर प्रदेश सरकार जगह-जगह उनके ऊपर लाठी चार्ज कर रही है। पिछले दिन मथुरा, झांसी और जमुना नगर बॉर्डर पर मजदूरों के साथ बर्बर लाठीचार्ज हुआ।

सीएम के निर्देशों को गम्भीरता से नहीं लिया जा रहाः मायावती

पायनियर समाचार सेवा। लखनऊ

बसपा सुप्रीमो मायावती ने घर लौट रहे प्रवासी मजदूरों के मुद्दे पर सरकारों से अपील की है कि मानवता और इंसानियत के साथ उनके घर वापसी का इंतजाम करें। मायावती ने यूपी में एक्सीडेंट का जिक्र करते हुए कहा कि ट्रक में भरकर मजदूरों को भेजने की हृदयहीनता पर उभरा जन आक्रोश उचित है। ये साबित होता है कि सीएम के निर्देशों को गंभीरता से नहीं लिया जा रहा।

सोमवार को अपने सोशल मीडिया अकाउंट पर ट्वीट करते हुए बसपा सुप्रीमो मायावती ने लिखा कि औरैया की भीषण दुर्घटना में मारे गए मजदूरों व घायलों को इकट्ठा ट्रक में भरकर उनके घर भेजने की हृदयहीनता पर उभरा जन आक्रोश उचित ही है। इससे साबित होता है कि सीएम के निर्देशों को गंभीरता व संवेदनशीलता से नहीं लिया जा रहा है, अति.दु:खद। दोषियों पर सख्त कार्रवाई हो। मायावती ने आगे लिखा कि इतना ही नहीं बल्कि देश में अभी भी हर जगह लाखों गरीब प्रवासी मजदूर परिवारों की बर्बादी, बदहाली व भूख प्यास आदि के दृश्य मानवता को शर्मसार कर रहे हैं।

मायावती ने सरकारों से अपील है कि वे अपनी संवैधानिक जिम्मेदारी के साथ-साथ मानवता व इंसानियत के नाते भी घर वापसी कर रहे गरीब प्रवासी मजदूर परिवारों को सुरक्षित उनके घर पहुंचाने हेतु सरकारी शक्ति व संसाधन का पूरा इस्तेमाल करें, क्योंकि देश इनके ही बल पर आत्मनिर्भर बनेगा।

भाजपा सरकार के कारनामों से मानवता शर्मसारः अखिलेश

पायनियर समाचार सेवा। लखनऊ

समाजवादी पार्टी के राष्ट्रीय अध्यक्ष अखिलेश यादव ने कहा है कि उत्तर प्रदेश की भाजपा सरकार के कारनामों से मानवता शर्मसार हो रही है। समझ में नहीं आता कि कोई सरकार कैसे इतनी अमानवीय हो सकती है। औरैया सड़क हादसे में झारखण्ड के मृत श्रमिकों और घायलों को एक साथ खुले ट्रक से रवाना किया गया। एक मृतक का पिता खेत मजदूर है वह अपने बेटे का शव लेने के लिए 19 हजार रूपए खर्चकर आने को मजबूर हुआ। अखिलेश ने कहा कि भाजपा सरकार के रवैये से उत्तर प्रदेश के साथ साथ देश भर के मजदूर आक्रोशित हैं। इससे सरकार की नीतियों और कार्यप्रणाली पर प्रश्नचिह्न लगा है। उन्होंने कहा कि भाजपा सरकार के अदूरदर्शी फैसलों के चलते गरीब और बेबस श्रमिकों की जिंदगी नर्क हो गई है।

अखिलेश ने कहा कि सरकार की इससे ज्यादा अक्षमता का प्रमाण क्या मिल सकता है कि समय से निर्णय नहीं कर सकी। लाखों श्रमिक पैदल मारे-मारे पैदल चलने को मजबूर हुए। उनमें से सैकड़ों तो रास्ते में ही मर गये। यह दुर्भाग्यपूर्ण है कि लाचार श्रमिकों को अपने ही गृह राज्य में उत्पीड़न और अपमानित होना पड़ रहा है। उन्होंने कहा कि मुख्यमंत्री की टीम इलेवन की बैठकों का नतीजा आज तक अमल में नहीं आया। कोरोना पीड़ितों की संख्या में लगातार वृद्धि तो होती जा रही है। टीम इलेवन के कारण पूरा प्रशासन पस्त हो गया है।

विपदा के दौर में सरकार उद्यमियों के साथ

● फिरोजाबाद में निर्यात को बढ़ावा देने के लिए डिजाइन, पैकेजिंग तथा फ्यूजेन सेंटर स्थापित होगा

पायनियर समाचार सेवा। लखनऊ

प्रदेश के एमएसएमई मंत्री सिद्धार्थ नाथ सिंह ने सोमवार को पश्चिमी उत्तर प्रदेश के निर्यातकों से वेबिनार के माध्यम से संवाद स्थापित किया। उन्होंने पिछले वर्ष यूपी से 28 प्रतिशत अधिक हुए निर्यात के लिए उद्यमियों का आभार जताते हुए कहा कि सरकार निर्यातकों के साथ है। इस विपदा के दौर में उद्यमियों को हर प्रकार की सहायता उपलब्ध कराने के लिए प्रतिबद्ध है। उन्होंने कहा कि निर्यातकों के लिए आर्डर को पूरा करने की अवधि सीमित होती है। वर्तमान में औद्योगिक इकाइयों के लिए वकर्स की निर्धारित कैपेसिटी को बढ़ाने पर विचार किया जायेगा। साथ ही दिल्ली से नोएडा आने वाले

निर्यातकों के आवागमन को सुचारू बनाने लिए ठोस कदम उठाये जाएंगे।

उन्होंने कहा कि केन्द्र सरकार ने एमएसएमई के लिए वर्किंग कैपिटल पर 20 प्रतिशत अधिक लोन देने की व्यवस्था की है। उद्यमियों को इसका लाभ उठाना चाहिए। क्रेडिट गारंटी स्कीम के तहत उद्यमियों को 3 लाख तक का लोन देने का प्राविधान किया गया है। उन्होंने निर्देश दिए कि विभागीय अधिकारी बैकर्स के साथ समन्वय स्थापित कर योजना का लाभ सुगमता से उद्यमियों को उपलब्ध कराएं। इसके अतिरिक्त उन्होंने फिरोजाबाद में निर्यात को बढ़ावा देने के लिए डिजाइनए पैकेजिंग तथा फ्यूजेन सेंटर स्थापित कराने के लिए उद्यमियों से प्रस्ताव उपलब्ध कराने की अपेक्षा भी की। साथ ही मुरादाबाद में एक्सपोटर्स की सुविधा के लिए इण्डस्ट्रियल पार्क स्थापित कराए जाने के लिए जीएमडीआईसी को जगह चिन्हित कर प्रस्ताव उपलब्ध कराने के निर्देश भी दिए।

एमएसएमई मंत्री ने कहा कि हैण्डीक्राफ्ट के निर्यात के लिए 2000 इकाइयां खोलने की छूट दी जा चुकी है। श्रमिकों के ईपीएफ से संबंधित प्रकरण के निस्तारण के लिए भारत सरकार से अनुरोध किया जाएगा। उन्होंने कहा कि एक्पोर्ट को बढ़ाने के लिए विदेशी मार्केट के साथ ज्यादा प्रतिस्पर्धा होती है। इसके लिए टेक्नालॉजी को अपडेट करने की जरूरत है सरकार इसमें पूरा सहयोग देगी। उन्होंने कहा कि उद्यमियों को सोलर पैनेल उपलब्ध कराने के लिए एमओयू किया गया है। इसके तहत उद्यमियों को आसान किश्तों पर सोलर पैनेल उपलब्ध होंगे।

उपासना स्थलों में मिले पूजा व इबादत की इजाजतः शिवपाल

लखनऊ। प्रगतिशील समाजवादी पार्टी लोहिया के अध्यक्ष शिवपाल सिंह यादव ने कहा कि जब मानवीय सामर्थ्य व सीमाएं चूकने लगें तो बेहतर हो कि सभी उपासना स्थलों में स्वास्थ्य निर्देशों के साथ पूजा व इबादत की इजाजत दी जाए। शायद ईश्वर ही इस वैश्विक आपदा से निजात दिला सके। शिवपाल ने मांग की है कि उपासना स्थलों में पूजा और इबादत की इजाजत मिले। बीजेपी सरकार पर प्रतिक्रिया देते हुए शिवपाल सिंह यादव ने ट्विटर हैंडल पर लिखा, मदिरालयों में भीड़ है और देवालय सूने पड़े हैं। उन्होंने ट्वीट करके उपासना स्थलों में पूजा और इबादत की मांग की है। उन्होंने कहा कि लॉकडाउन के बावजूद भी कोरोना का विस्तार जारी है। इससे पहले औरैया में मजदूरों की मौत को शिवपाल सिंह यादव ने दुर्भाग्यपूर्ण और हृदयविदारक बताया था और सवाल उठाते हुए सरकार से पूछा था कि मजदूरों के लिए वंदे भारत मिशन क्यों नहीं।

उन्नाव दुर्घटना में मरने वालों के परिजनों को दो-दो लाख

लखनऊ। मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने उन्नाव में एक सड़क दुर्घटना में प्रवासी श्रमिकों की मृत्यु पर गहरा शोक व्यक्त किया है। उन्होंने शोक संतप्त परिजनों के प्रति अपनी संवेदना व्यक्त करते हुये मृतकों के आश्रितों को 2 लाख रुपए तथा गम्भीर रूप से घायलों को 50-50 हजार रुपए की आर्थिक सहायता प्रदान करने के निर्देश दिए हैं। मुख्यमंत्री ने जिला प्रशासन के अधिकारियों को तत्काल मौके पर पहुँचकर पीड़ितों को हर सम्भव राहत प्रदान करने तथा सभी घायलों का समुचित उपचार कराने के निर्देश दिए हैं। यूपीडा एवं पुलिस की टीम बचाव कार्यों में लगी हुई है।

यूपी में एक सप्ताह में ट्रेन से आए 7.60 लाख प्रवासी मजदूर

लखनऊ। अपर मुख्य सचिव गृह अवनीश कुमार अवस्थी ने बताया कि प्रदेश में पिछले एक सप्ताह में 590 ट्रेन के माध्यम से लगभग 7.60 लाख प्रवासी कामगार एवं श्रमिक आए हैं। उन्होंने बताया कि गोरखपुर में अब तक 95 ट्रेन से 113086 कामगार एवं श्रमिक आए हैं। लखनऊ में 52 ट्रेन के माध्यम से 65313 लोग आए हैं। वाराणसी में 29, आगरा में 10, कानपुर में 12, जौनपुर में 39, बरेली में 8, बलिया में 19, प्रयागराज में 31, रायबरेली में 8, प्रतापगढ़ में 20, अमेठी में 12, मऊ में 12, कन्नौज में 2, गाजीपुर में 5, अयोध्या में 20, गोण्डा में 44, ट्रेन, उन्नाव में 20, बस्ती में 25 ट्रेन जबकि आजमगढ़ में 16 ट्रेन आ चुकी हैं। उन्होंने बताया कि प्रदेश में गुजरात से 275 ट्रेन से 375029 लोग, महाराष्ट्र से 140 ट्रेन से 174449 लोग, पंजाब से 101 ट्रेन से 115117 लोग आ चुके हैं। तेलंगाना से 7, केरल से 7, तमिलनाडु से 5, आन्ध्र प्रदेश से 2, मध्य प्रदेश से 2, राजस्थान से 17, गोवा से 3 ट्रेन प्रवासी कामगारों व श्रमिकों को लेकर प्रदेश में आ चुकी हैं। उन्होंने कहा कि प्रदेश में कहीं भी किसी भी जनपद में कोई पैदल यात्रा न करे। प्रवासी कामगार व श्रमिक स्वयं तथा अपने परिवार को जोखिम में डालकर पैदल अथवा अवैध व असुरक्षित वाहन से घर के लिए यात्रा न करें। सरकार समस्त प्रवासी श्रमिकों व कामगारों के लिए सुरक्षित यात्रा के लिए पर्याप्त बस एवं ट्रेन की व्यवस्था कर रही है।

सड़कों पर वाहन सुरक्षित व निर्धारित गति सीमा में ही चलें: डीजीपी

● पुलिस अफसर रात में गश्त कर सुनिश्चित करें व्यवस्था

पायनियर समाचार सेवा। लखनऊ

डीजीपी हितेश चंद्र अवस्थी ने कहा है कि श्रमिकों को लेकर चलने वाले प्रत्येक प्रकार के वाहनों का रात्रि के समय पूर्व निर्धारित समयावधि के दौरान आवागमन प्रतिबन्धित रखा जाये । इस प्रतिबंध को सुनिश्चित कराने के लिये सघन गश्त की व्यवस्था सड़क पर पड़ने वाले सभी थाना प्रभारियों के द्वारा सुनिश्चित की जाये एवं पुलिस के राजपत्रित अधिकारियों द्वारा भी इसकी लगातार चेकिंग की जाये । पुलिस अधीक्षक समेत विभागीय वरिष्ठ अधिकारी स्वयं रात्रि गश्त करेंगे एवं सुनिश्चित करेंगे कि सड़को पर वाहन सुरक्षित एवं निर्धारित गतिसीमा के अन्तर्गत ही संचालित होंगे ए ताकि दुर्घटनाओं किसी भी प्रकार की जनहानि न हो । कोई भी प्रवासी श्रमिकों पैदल, दो पहिया वाहन एवं तीन पहिया वाहनों से उप्र में प्रवेश नहीं कर सकेंगे । यदि कोई व्यक्ति किसी जनपद में पैदल या दो पहिया वाहन, तीन पहिया वाहनों से जाता है तो उसे रोककर होल्डिंग एरिया, शोल्टर होम में भेजा जाये । दो पहिया एवं तीन पहिया वाहनों का श्रमिकों द्वारा आवागमन के लिये उपयोग करना वर्जित रहेगा । श्रमिकों के लिये विशेष ट्रेनों का परिचालन हो रहा है। निकट भविष्य में ट्रेनों की संख्या बढ़ाये जाने की सम्भावना है । समस्त जनपद प्रभारी रेलवे विभाग से संबंधित अधिकारियों से समन्वय स्थापित कर श्रमिकों के आवागमन के समय सुरक्षा व्यवस्था उपलब्ध कराना सुनिश्चित करें । शासन ने निजी वाहनों, बसों की व्यवस्था का प्रयोग करने के निर्देश निर्गत किये है । जनपद प्रभारी आवश्यकतानुसार आकलन कर गाड़ियों को प्राप्त करना सुनिश्चित करें । श्रमिकों को पानी की व्यवस्था उपलब्ध कराने के लिये टैंकर एव पंडाल चिन्हित स्थानों पर लगाये जा रहे है । अधिक भीड़ से अव्यवस्था फैल सकती है, इनके कुशल संचालन के लिये पब्लिक एड्रेस सिस्टम लगाना सुनिश्चित करें एवं समुचित सुरक्षा भी उपलब्ध करायें । इन स्थानों पर गाड़ियों के रूकने की व्यवस्था अलग करायें जिससे किसी प्रकार की दुर्घटना घटित न हो सके ।

अग्रिम पंक्ति में कार्यरत पुलिस कर्मियों को संक्रमित होने से बचाने का दायित्व हम सभी का है । पुलिस मुख्यालय से पूर्व में निर्गत निर्देशों का अक्षरशः अनुपालन करायें । पुलिस कर्मियों को मास्क , ग्लब्स नेट शील्ड और वाइजर प्रत्येक दशा में उपलब्ध करायें । प्रवासी श्रमिकों को ले जाने वाले वाहनों को दुर्घटना से बचाने के लिये सुनिश्चित की जा रही पेट्रोलिंग मे पीआरवी 112 के वाहनों का भी प्रचुर प्रयोग किया जाये ए ताकि हर स्थान पर पुलिस की मौजूदगी सुलभ रहे ।

भाजपा कार्यकर्ताओं, स्वतंत्र आवाजों को विपक्षी शासन वाले राज्यों में निशाना बनाया

भाषा। नई दिल्ली

भाजपा अध्यक्ष जे पी नड्डा ने सोमवार को आरोप लगाया कि विपक्षी शासन वाले राज्यों में कोविड-19 के कारण बनी स्थिति से निपटने को लेकर आलोचना के लिए उनकी पार्टी के कार्यकर्ताओं और स्वतंत्र आवाजों को निशाना बनाया गया। नड्डा ने कहा कि लोकतंत्र में यह अस्वीकार्य है। उन्होंने जोर दिया कि उनकी पार्टी हरेक भाजपा कार्यकर्ता, समर्थकों और शुभचिंतकों के साथ खड़ी है जो ऐसे लोगों का निशाना बन रहे हैं जिन्हें अपनी सिद्धांतविहीन राजनीति की पोल खुलने का डर सता रहा है।

उन्होंने ट्वीट किया, पिछले कुछ दिनों में यह देखा गया है कि विपक्ष के शासन वाले राज्यों में स्थानीय सरकारों द्वारा कोविड-19 से पैदा स्थिति से निपटने को लेकर आलोचना के कारण भाजपा कार्यकर्ताओं और सोशल मीडिया पर स्वतंत्र आवाजों को अनुचित तरीके से निशाना बनाया गया। लोकतंत्र में यह अस्वीकार्य है। नड्डा ने भाजपा कार्यकर्ताओं और शुभचिंतकों को आश्वस्त करते हुए कहा, हम अभिव्यक्ति की स्वतंत्रता के आपके अधिकार की रक्षा करेंगे और लोकतांत्रिक ढांचे में इन दमनकारी ताकतों का प्रतिरोध करेंगे।

भाजपा प्रमुख ने कहा कि लोकतांत्रिक प्रक्रिया में चर्चा और आलोचना सार्वजनिक जीवन का अभिन्न हिस्सा है। उन्होंने कहा कि असहमति को चुप कराने के लिए राज्य की एजेंसियों का इस्तेमाल करना असहनीय है। उन्होंने कहा, असफलता को लेकर सवाल उठाए जाने पर विपक्ष को राजनीतिक तर्कों का पालन करना चाहिए।

कोरोना वायरस से जुड़े घटनाक्रम के संबंध में कथित फर्जी खबरों के लिए महाराष्ट्र और पश्चिम बंगाल जैसे राज्यों में पुलिस में मामले दर्ज किए गए हैं। विपक्ष ने कहा है कि सरकार को पसंद नहीं आने वाली मीडिया की खबरों को लेकर गुजरात सहित भाजपा शासित राज्यों में भी आपराधिक मामले दर्ज हुए हैं।

जितेंद्र आव्हाड ने कहाः अति आत्मविश्वास की वजह से कोरोना से हुआ संक्रमित

मुंबई। महाराष्ट्र के मंत्री एवं वरिष्ठ राकांपा नेता जितेंद्र आव्हाड ने सोमवार को कहा कि वह अति आत्मविश्वास की वजह से कोरोना वायरस से संक्रमित हो गए। आव्हाड मुम्ब्रा-कौसा क्षेत्र से विधायक हैं। उनके कुछ सुरक्षा कर्मी कोरोना वायरस से संक्रमित पाए गए थे जिसके बाद उन्होंने 13 अप्रैल को खुद को एहतियात के तौर पर पृथक कर लिया था। वह 19 अप्रैल को एक निजी अस्पताल में भर्ती हो गए थे। इसके कुछ दिनों के बाद उनके संक्रमित होने की पुष्टि हुई थी। उन्होंने बताया कि वह पहले से ही उच्च रक्तचाप और मधुमेह की बीमारी के शिकार हैं। उन्हें 10 मई को अस्पताल से छुट्टी मिली है। उन्होंने एक समाचार चैनल से कहा, बहुत ही ज्यादा आत्मविश्वास की वजह से मैं कोरोना वायरस से संक्रमित हुआ। 23 अप्रैल से 26 अप्रैल की अवधि मेरे जीवन के लिए काफी महत्वपूर्ण था। मेरे परिवार को बता दिया गया था कि मेरे बचने की कम ही संभावना है। मैं अपनी जान के लिए काफी चिंतित था।

जबलपुर में प्रवासियों को यात्रा के दौरान रेलवे स्टेशन पर पाइप से पानी देता हुआ रेलवे कर्मी।

कोविड-19 से निपटने के लिए केरल मॉडल अपनाए जाने संबंधी याचिका का किया विरोध

नागपुर। महाराष्ट्र सरकार ने बम्बई उच्च न्यायालय को बताया कि कोविड-19 महामारी को फैलने से रोकने के लिए ईमानदारी के साथ सभी उपाय किए जा रहे है। राज्य सरकार ने न्यायालय से उस याचिका को खारिज करने का आग्रह किया जिसमें कहा गया है कि महामारी से निपटने के लिए केरल मॉडल को अपनाना चाहिए।

उच्च न्यायालय की नागपुर पीठ के समक्ष सोमवार को दाखिल अपने हलफनामे में राज्य सरकार ने कहा कि भारत सरकार के दिशा-निर्देशों और विश्व स्वास्थ्य संगठन (डब्ल्यूएचओ) की सिफारिशों के अनुसार रणनीतियों को लागू किया जा रहा है। इसमें कहा गया है कि मार्च में महाराष्ट्र में कोविड-19 का पहला मामला सामने आने के बाद कई कदम उठाए गए हैं जिसमें मुंबई, पुणे और नागपुर के हवाई अड्डो पर जांच करना, निषिद्ध क्षेत्रों की घोषणा करना, संक्रमित लोगों के संपर्क में आए लोगों के नमूने लेना, पृथक केन्द्रों की स्थापना आदि शामिल हैं।

हलफनामे में कहा गया है, महाराष्ट्र की स्थिति केरल की तुलना में भिन्न है। महाराष्ट्र सरकार कोविड-19 को फैलने से रोकने के लिए भारत सरकार के दिशा-निर्देशों और डब्ल्यूएचओ की सिफारिशों को पूरी ईमानदारी के साथ लागू कर रही है। इसमें कहा गया है कि क्योंकि राज्य सरकार द्वारा कोविड-19 महामारी को नियंत्रित करने के लिए सभी प्रयास किए जा रहे हैं इसलिए याचिकाकर्ता द्वारा मांगी गई राहत अनुचित है।

राज्य सरकार ने इस याचिका को खारिज करने का आग्रह किया। नागपुर निवासी सुभाष झंवर ने एक याचिका दायर कर कोविड-19 से जुड़े कई मुद्दों को उठाया था। इस याचिका के जवाब में सरकार ने यह हलफनामा दाखिल किया है। पिछले महीने दायर इस याचिका में कहा गया था कि राज्य में कोविड-19 के मामले तेजी से बढ़ रहे है।

कांग्रेस प्रवासी श्रमिकों की परेशानियों का राजनीतिकरण कर रही है : जितेन्द्र सिंह

भाषा। नई दिल्ली

केंद्रीय मंत्री जितेन्द्र सिंह ने सोमवार को कांग्रेस से कहा कि प्रवासी श्रमिकों की समस्याओं का राजनीतिकरण करने से दूर रहें, खासकर ऐसे समय में जब देश कोरोना वायरस महामारी से जूझ रहा है। उन्होंने कहा कि केंद्र सरकार प्रवासी श्रमिकों के मुद्दे को लेकर संवेदनशील है और उनकी कठिनाइयां कम करने के लिए हरसंभव प्रयास कर रही है। सिंह ने कहा, कांग्रेस प्रवासी श्रमिकों की दिक्कतों का राजनीतिकरण कर राजनीतिक लाभ उठाने का असफल प्रयास कर रही है। उन्हें इस पर राजनीति बंद करनी चाहिए। यह इसका समय नहीं है। उनका यह बयान इसलिए महत्वपूर्ण हैं कि कांग्रेस ने भाजपा नीत केंद्र सरकार पर आरोप लगाया है कि वह प्रवासी श्रमिकों की समस्या के समाधान के लिए पर्याप्त प्रयास नहीं कर रही है। कांग्रेस का कहना है कि प्रवासियों के साथ जो हो रहा है वह हमारे समय की सबसे बड़ी मानवीय त्रासदी है। प्रधानमंत्री कार्यालय में राज्यमंत्री सिंह ने कहा, प्रवासी श्रमिकों के मुद्दे पर सरकार काफी संवेदनशील है और उनकी दिक्कतों को दूर करने के लिए हरसंभव प्रयास कर रही है। प्रवासी श्रमिकों के मुद्दे पर राजनीति करने का विपक्ष का प्रयास पूरी तरह अवांछित है। उन्हें जिम्मेदार विपक्षी दल के तौर पर पेश आना चाहिए और दलगत राजनीति से ऊपर उठना चाहिए।

प्रवासी कामगारों ने पुलिसकर्मियों पर किया पथराव, 100 लोग हिरासत में

भाषा। अहमदाबाद

गुजरात के अहमदाबाद में आईआईएम अहमदाबाद और वस्त्रपुर क्षेत्र को जोड़ने वाली एक सड़क पर सोमवार को लगभग 100 प्रवासी कामगार इकट्ठा हो गए और उन्होंने पुलिस और वहां से गुजर रहे वाहनों पर पथराव किया। इन प्रवासी कामगारों की मांग थी कि उन्हें तुरन्त उनके पैतृक स्थानों पर भेजा जाए। अधिकारियों ने यह जानकारी दी। उन्होंने बताया कि इसके बाद पुलिस ने भीड़ को तितर-बितर करने के लिए आंसू गैस के गोले छोड़े और लगभग 100 संदिग्धों को हिरासत में ले लिया।

इस घटना के बारे में सूचना मिलने पर वरिष्ठ अधिकारियों समेत बड़ी संख्या में पुलिस बल स्थिति को नियंत्रित करने के लिए मौके पर पहुंचा। क्षेत्र में एक लेबर कॉलोनी के निकट रहने वाले स्थानीय निवासियों ने दावा किया कि प्रवासी श्रमिक अचानक सड़क पर आ गए और लॉकडाउन के मद्देनजर उन्हें उनके गृह राज्यों में वापस भेजने की मांग करने लगे।

संयुक्त पुलिस आयुक्त अमित विश्वकर्मा ने कहा कि विभिन्न राज्यों के प्रवासी श्रमिक कई दिन से स्थानीय अधिकारियों से मांग कर रहे थे कि उन्हें जल्द से जल्द उनके गृह राज्यों में वापस भेजा जाए। उन्होंने कहा, लगभग 400 से 500 प्रवासी श्रमिक लेबर कॉलोनी में रहते हैं और निकटवर्ती एक निर्माण स्थल पर काम करते हैं। जब उसी मांग को लेकर उनमें से कुछ सोमवार को सड़क पर एकत्र हुए, तो स्थानीय पुलिस ने उन्हें वापस जाने और धैर्य रखने के लिए कहा।

उन्होंने कहा, हमने उन्हें बताया कि प्रशासन इस मुद्दे को हल करने के लिए कड़ी मेहनत कर रहा है। हालांकि, वे अचानक उग्र हो गए और पथराव करने लगे। उन्होंने बताया कि इस घटना के बाद लगभग 100 संदिग्धों को हिरासत में लिया गया है। वस्त्रपुर पुलिस के निरीक्षक एम एम जडेजा ने बताया कि प्रवासी श्रमिकों द्वारा लगातार पथराव के बाद शहर पुलिस ने कॉलोनी में एक तलाशी अभियान चलाया और 100 लोगों को हिरासत में लिया। उन्होंने कहा, स्थिति अब नियंत्रण में है। भीड़ को तितर-बितर करने के लिए आंसू गैस के गोले छोड़े गए।

महिला आयोग ने टिक टॉक से महिला विरोधी हिंसा संबंधी वीडियो हटाने को कहा

नई दिल्ली। राष्ट्रीय महिला आयोग ने टिक टॉक के भारतीय प्रबंधन से कहा है कि वह तत्काल उस वीडियो को हटाए जिसमे एक व्यक्ति को महिला पर तेजाब फेंकने के अपराध को अंजाम देते हुए दिखाया गया है। आयोग ने महाराष्ट्र पुलिस से भी कहा कि यह वीडियो बनाने वाले व्यक्ति के खिलाफ कार्वाई की जाए। महिला आयोग ने टिक टॉक इंडिया के अधिकारी (शिकायत) अनुज भाटिया को पत्र लिखकर कहा कि एक ट्विटर पोस्ट के माध्यम से इस वीडियो की बात उसके संज्ञान मे आई और इस वीडियो को हटाया जाए। आयोग की अध्यक्ष रेखा शर्मा ने पत्र में कहा कि यह वीडियो न सिर्फ महिला विरोधी हिसा के लिए उकसा रहा है, बल्कि पुरुष-प्रधान सोच को भी दिखाता है। रेखा के मुताबिक यह वीडियो फैजल स्दिीकी नामक एक युवक ने बनाया है और इस वीडियो मे महिलाओ पर तेजाब के हमले को बढ़ावा देने का प्रयास किया गया है। उन्होने कहा कि वीडियो हटाने के साथ ही इस व्यक्ति की आईडी ब्लॉक की जाए। महाराष्ट्र के पुलिस महानिदेशक सुबोध कुमार जायसवाल को लिखे पत्र में रेखा शर्मा ने कहा कि इस मामले मे सूचना प्रौद्योगिकी कानून-2000 के तहत कार्वाई सुनिश्चित की जाए।

साइबर अपराध के 395 मामले दर्ज, 211 गिरफ्तार

मुम्बई। कोरोना वायरस से निपटने के लिए लगाए गए लॉकडाउन के दौरान महाराष्ट्र साइबर प्रकोष्ठ ने सोशल मीडिया पर अफवाह फैलाने, नफरत भरी बयान-बाजी करने और झूठी खबर फैलाने के संबंध मे रविवार तक 395 मामले दर्ज किए। अधिकारी ने बताया कि 169 मामले व्हाट्सएप, 154 फेसबुक, 18 टिक्टॉक, सात ट्विटर और चार इंस्टाग्राम से जुड़े है। इसके अलावा 43 मामले ऑडियो क्लिप और यूट्यूब वीडियो के गलत इस्तेमाल से जुड़े है। इन सब मामलो में अभी तक 211 लोगो को गिरफ्तार किया गया है। उन्होने बताया कि हिंगोली मे सात मामले ऐसे है, जिसमे टिक्टॉक का इस्तेमाल एक विशेष समुदाय को कोरोना वायरस के लिए जिम्मेदार ठहराने के लिए किया गया। महाराष्ट्र साइबर विभाग ने माता-पिता से अपने आठ से 17 साल तक की उम्र के बच्चों पर सोशल मीडिया और इंटरनेट का इस्तेमाल करते समय नजर रखने की अपील की है।

कोविड-19 से पीड़ित महिला के संक्रमण मुक्त होने के बाद मेघालय में इस बीमारी का कोई मरीज नहीं

शिलांग। मेघालय मे कोविड-19 के प्रसार की रोकथाम हेतु किए गए प्रयासो के लिए स्वास्थ्य अधिकारियो और सुरक्षाकर्मियों की प्रशंसा करते हुए मुख्यमंत्री कोनराड के संगमा ने सोमवार को कहा कि राज्य मे कोरोना वायरस से संक्रमित एकमात्र रोगी संक्रमण से उबर चुकी है। महिला के 13 अप्रैल को कोविड-19 से संक्रमित होने की पुष्टि हुई थी। संगमा ने ट्वीट किया, कोविड-19 से संक्रमित इकलौती मरीज की दूसरी जांच रिपोर्ट में संक्रमण नही पाया गया है। अब वह संक्रमण से मुक्त हो चुकी है। मेघालय में कोविड-19 के कुल 13 मामले सामने आए थे, पिछले महीने एक व्यक्ति की मौत हो गई थी। मुख्यमंत्री ने महामारी से निपटने के लिए राज्य की तैयारियों की समीक्षा की।

बांग्लादेश से 169 लोगों को लेकर पहला विमान कोलकाता पहुंचा

कोलकाता। वंदे भारत मिशन के तहत बांग्लादेश से 169 लोगों को लेकर पहला विमान सोमवार को कोलकाता हवाई अड्डे पर उतरा। इन यात्रियो मे 16 मरीज और एक गर्भवती महिला भी शामिल है। हवाई अड्डा प्रशासन के अधिकारियो ने बताया, ढाका से उड़ान भरने वाला विमान दोपहर करीब साढ़े बारह बजे नेताजी सुभाष चंद्र बोस अंतरराष्ट्रीय हवाई अड्डे पर पहुंचा।विमान से उतरने के बाद यात्रियो की स्वास्थ्य जांच की गई। राज्य स्वास्थ्य विभाग के अधिकारियो ने पूरी प्रक्रिया की निगरानी की। विदेश मंत्री एस जयशंकर ने यात्रियो का स्वागत किया और उड़ान के संचालन हेतु समन्वय के साथ काम करने के लिए नागरिक उड्डयन मंत्रालय और पश्चिम बंगाल सरकार को धन्यवाद दिया। उन्होने ट्वीट किया, पश्चिम बंगाल मे पहले विशेष विमान से आने वाले लोगो का स्वागत है। ढाका से 169 भारतीयो को लेकर एआई 0231 कोलकाता पहुंचा। भारत सरकार, एयर इंडिया और पश्चिम बंगाल सरकार के सहयोग के लिए धन्यवाद। ढाका के समूह द्वारा किए गए प्रयास सराहनीय है। यात्रियो मे 73 छात्र, 45 फंसे पर्यटक, 16 मरीज और एक गर्भवती महिला शामिल थे।

विशालकाय कटहल गिनीज बुक में बनाएगा अपनी जगह

वायनाड। वजन और आकार के कारण एक कटहल गिनीज रिकार्ड बुक मे जगह बनाने वाला है। इस विशालकाय कटहल का वजन 52 किलोग्राम से अधिक है और यह 117 सेंटीमीटर लंबा है। निकटवर्ती मनंतावाडी के कप्पाटुमुला मे यह भारी भरकम कटहल मिला है और दुनिया मे सबसे वजनी कटहल के तौर पर इसे स्थान मिलने की उम्मीद है। कोल्लम मे 51.500 किलोग्राम का एक और कटहल रिकार्ड बुक मे जगह बनाने वाला है। गिनीज के मुताबिक, वर्तमान मे सबसे भारी कटहल का रिकार्ड भी भारत के पास है। इस कटहल की लंबाई 57.15 सेंटीमीटर और गोलाई 132.08 सेंटीमीटर थी। इसका वजन 42.72 किलोग्राम था। आसपास के लोगो का ध्यान 52 किलोग्राम के कटहल पर गया।

सीकर में कोविड-19 के पाजिटिव मरीज मिलने के बाद इलाके में लोगों का स्वास्थ्य परीक्षण के लिए तैयारी करते मेडिक्स कर्मी

नायडू और बिरला ने संसदीय समितियों की बैठक वीडियो कांफ्रेंस के जरिए कराने की चर्चा की

नई दिल्ली। राज्यसभा के सभापति एम वेंकैया नायडू और लोकसभा अध्यक्ष ओम बिरला ने कोरोना वायरस की महामारी के मद्देनजर संसदीय समितियों की बैठक वीडियो कांफ्रेंस के माध्यम से कराने की संभावना पर सोमवार को चर्चा की। नायडू और बिरला ने चौथे चरण के लॉकडाउन के पहले दिन मुलाकात की और समितियों को लेकर बातचीत की। राज्यसभा और लोकसभा के महासचिवों से कहा गया है कि वे संसदीय समितियों की बैठक वीडियो कांफ्रेस से कराने की संभावना पर गौर करें और विस्तृत रिपोर्ट दें ताकि इस पर विचार किया जा सके। नायडू और बिरला ने इस विषय पर दूसरी बार मुलाकात की है। इससे पहले सात मई को दोनों मिले थे।

सोमवार को बिरला और नायडू को महासचिवों ने अब तक की चर्चा के बारे में जानकारी दी और समितियों की बैठक के लिए राष्ट्रीय सूचना विज्ञान केंद्र (एनआईसी) की ओर से प्रदान किए जाने वाले तकनीकी रूप से सुरक्षित प्लेटफॉर्म के बारे में भी सूचित किया। कई समितियों के अध्यक्षों और सदस्यों ने वीडयो कांफ्रेंस के माध्यम से बैठक की मांग की है। कांग्रेस के वरिष्ठ नेताओं पी चिदंबरम, आनंद शर्मा और शशि थरूर ने भी यह मांग उठाई है।

साइक्लि चलाने के दौरान गिरने से अमेरिकी नागरिक की मौत

हैदराबाद। अमेरिका के 42 वर्षीय एक नागरिक की यहां पास में साइकिल चलाने के दौरान दुर्घटनावश गिरने से मौत हो गई। यह जानकारी पुलिस ने सोमवार को दी। अमेरिकी नागरिक को साइकिल चलाने का शौक था। वह हैदराबाद में लगभग एक वर्ष से अपनी पत्नी के साथ रह रहा था। वह अपने मित्र के साथ प्रतिदिन गांडीपेट क्षेत्र में साइकिल चलाने के लिए जाता था। रविवार को उसका मित्र उसके साथ नहीं गया। साइकिल चलाने के दौरान वह गिर गया और उसे सिर में चोटे आईं और उसकी मौत हो गई। उसकी पत्नी ने पुलिस से तब शिकायत की जब वह फोन नहीं उठा रहा था। पुलिस ने मौके पर पहुंचने के लिए उसके फोन टावर सिग्नल का इस्तेमाल किया।

अमेरिका जैसे देशों से उड़ानें पहले ही आ चुकी है, और का बंदोबस्त हो रहा

भाषा। नई दिल्ली

विदेश मंत्री एस. जयशंकर ने सोमवार को कहा कि कई देशों से स्वदेश वापसी की उड़ानें आ चुकी हैं और वह ऐसी और कई उड़ानों की व्यवस्था के बारे में विचार कर रहे हैं। गौरतलब है कि महाराष्ट्र के मंत्री आदित्य ठाकरे ने विदेशों में फंसे राज्य के लोगों को वापस लाने की अपील की थी जिस पर जयशंकर ने यह प्रतिक्रिया दी।

जयशंकर ने कहा कि कोरोना वायरस महामारी के कारण अन्य देशों में फंसे राज्य के लोगों को वापस लाने के लिए किए गए आवश्यक बंदोबस्त में सहयोग के लिए वह महाराष्ट्र सरकार की सराहना करते हैं।

आदित्य ठाकरे ने शनिवार को विदेश मंत्री को पत्र लिखा था जिसमें महाराष्ट्र के लोगों को चरणबद्ध तरीके से लेकिन जल्द से जल्द वापस लाने में सहयोग की अपील की गई थी। इसके जवाब में जयशंकर ने कहा कि ब्रिटेन, अमेरिका जैसे कई देशों से उड़ानें लोगों को लेकर आ चुकी हैं और वह इसी तरह की और उड़ानों की योजना बना रहे हैं।

आदित्य ठाकरे के पत्र को टैग करते हुए उन्होंने ट्वीट किया, इस बात की प्रसन्नता है कि विदेशों में फंसे महाराष्ट्र के लोगों को वापस लाया गया है। ब्रिटेन, अमेरिका, मलेशिया, सिंगापुर, बांग्लादेश, फिलीपीन, कुवैत, अफगानिस्तान, इथियोपिया और ओमान से विमान आ चुके हैं।

उन्होंने आगे लिखा, अमेरिका, यूरोप और ऑस्ट्रेलिया से और उड़ानों के संचालन के बारे में विचार कर रहे हैं। आवश्यक बंदोबस्त करने में सहयोग देने के लिए राज्य सरकार की सराहना करते हैं। उन्होंने बताया कि ढाका से 169 भारतीयों को लेकर आया विमान कोलकाता में उतर गया है।

पूर्व नौकरशाहों ने पीएम को पत्र लिखकर सेन्ट्रल विस्टा पुनर्विकास परियोजना पर जताई चिंता

भाषा। नई दिल्ली

देश के 60 पूर्व नौकरशाहों ने प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी को पत्र लिख कर केन्द्र की सेन्ट्रल विस्टा पुनर्विकास परियोजना पर चिंता व्यक्त की है और कहा कि ऐसे वक्त में जब जन स्वास्थ्य प्रणाली को मजबूत करने के लिए भारी भरकम धनराशि की जरूरत है तब यह कदम गैरजिम्मेदारी भरा है। सेन्ट्रल विस्टा पुनर्विकास परियोजना पर 20 हजार करोड़ रुपए की लागत आने का अनुमान है।

पत्र को केन्द्रीय आवास एवं शहरी मामलों के मंत्री हरदीप पुरी को भी संबोधित किया गया है। पूर्व नौकरशाहों ने कहा कि संसद में इस पर कोई बहस अथवा चर्चा नहीं हुई। पत्र में कहा गया है कि कंपनी का चयन और इसकी प्रक्रियाओं ने बहुत सारे प्रश्न खड़े किए हैं जिनका उत्तर नहीं मिला है। पत्र में कहा गयाै, कोविड-19 से उबरने के बाद जब सार्वजनिक स्वास्थ्य प्रणाली को मजबूत करने के लिए, लोगों को भरण-पोषण प्रदान करने और अर्थव्यवस्था को पटरी पर लाने के लिए एक बड़ी धनराशि की आवश्यकता होगी, तो ऐसे वक्त में 20,000 करोड़ रुपए की लागत से पूरे सेंट्रल विस्टा को नया स्वरूप देने का प्रस्ताव गैरजिम्मेदाराना प्रतीत होता है।

पत्र में कहा गया कि , यह ऐसा ही है जैसे- जब रोम जल रहा था तो नीरो बंसी बजा रहा था। पत्र पर हस्ताक्षर करने वालों में सेवानिवृत्त आईएएस, आईपीएस और आईएफएस अधिकारी शामिल हैं। डीडीए के पूर्व उपाध्यक्ष वी एस ऐलावाड़ी और प्रसार भारती के पूर्व सीईओ जवाहर सिरकार भी इनमें शामिल हैं। सेंट्रल विस्टा पुनर्विकास परियोजना में नए संसद भवन का निर्माण, एक साझा केंद्रीय सचिवालय का निर्माण और राष्ट्रपति भवन से इंडिया गेट तक लगभग 3.5 किलोमीटर लंबे मार्ग के पुनर्निर्माण की परिकल्पना है।

पूर्व सिविल सेवकों ने कहा कि पुनर्विकास की योजना पर्यावरण को गंभीर नुकसान पहुंचाएगी। उन्होंने कहा कि तहखानों के साथ बड़ी संख्या में बहुमंजिला कार्यालय भवनों का निर्माण, इस खुले क्षेत्र में भीड़भाड़ पैदा करेगा और पर्यावरण को नुकसान पहुंचाएगौ।

पत्र में आगे कहा गया है कि दिल्ली पहले से ही बड़े पैमाने पर पर्यावरण प्रदूषण से ग्रस्त है। ऐसे में कुछ ऐसा करने की योजना जो प्रदूषण को कई गुना बढ़ा देगी, बिना सोचा समझा और गैरजिम्मेदाराना कृत्य है। पूर्व नौकरशाहों ने यह भी कहा कि सेंट्रल विस्टा वर्तमान में पूरे शहर के लिए एक मनोरंजक स्थान है और इस क्षेत्र में परिवार गर्मियों में रात में घूमते हैं और खुली हवा में बैठते हैं लेकिन विस्टा में बदलाव से वे इससे वंचित रह जाएंगे।

कोझिकोड में लॉकडाउन के दौरान 10वीं के पेपर के मूल्यांकन के लिए उत्तर पुस्तिकाएं ले जाती हुई शिक्षकाएं

पायनियर
नई दिल्ली, मंगलवार, 19 मई 2020

मुंबई में बनाए गये क्वारंटाइन सेंटर में कार्य करने वाले स्वास्थ्यकर्मियों को कोरोना वायरस पीड़ितों की देखभाल करने की जानकारी को लेकर बैठक आयोजित की गई

पेंट की दुकान में लगी आग तीन बच्चों सहित सात की मौत

भाषा। ग्वालियर

मध्यप्रदेश के ग्वालियर शहर में रोशनीघर मार्ग पर स्थित एक पेंट की दुकान और उससे लगे मकानों में सोमवार सुबह आग लग गई। घटना में वहां रह रहे दो परिवारों के तीन बच्चों और चार महिलाओं की मौत हो गई।

दमकल कर्मियों ने आग पर करीब दो घंटे बाद काबू पाया गया। राहत कार्य जारी है। कुछ लोगों को सुरक्षित भी निकाला गया है। अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक (एएसपी) सत्एंद्र सिंह तोमर ने बताया कि शहर के इंदरगंज इलाके में रोशनीघर मार्ग पर रंगवाला नाम से पेंट की दुकान है। उन्होंने बताया, सोमवार सुबह करीब 10 बजे दुकान में आग लग गई। लोग कुछ समझ पाते, इससे पहले ही दुकान और उसके ऊपर व साथ में लगे मकान में आग फैल गई। दुकान में पेंट और ज्वलनशील पदार्थ भरा था, जिसके कारण यह आग तेजी से फैली। तोमर ने बताया कि मकान की पहली मंजिल पर घर के पुरुष थे और दूसरी मंजिल पर महिलाएं और बच्चे थे। आग तेजी से फैली, जिसके कारण दूसरी मंजिल पर बच्चे और महिलाएं फंसे रह गए।

उन्होंने बताया कि दमकल कर्मियों का अमला आग बुझाने आया, लेकिन तेजी से फैलती आग के कारण चार महिलाएं और तीन बच्चे बुरी तरह झुलस गए और उनकी मौत हो गई। एएसपी ने बताया कि दो घंटे की मशक्कत के बाद आग पर काबू पाया गया और वहां राहत कार्य जारी है। दमकल व पुलिस के कर्मी पीछे से मकान में घुसने की कोशिश कर रहे हैं। इसके लिए जेसीबी की मदद ली जा रही है।उन्होंने बताया कि दो बच्चों सहित कुछ महिलाओं को जली हुई अवस्था में बाहर निकाला गया है। उनका अस्पताल में इलाज किया जा रहा है। तोपर ने बताया कि अभी मृतकों के नाम पूरी तरह से स्पष्ट नहीं हुए हैं। जिन मकानों में आग लगी है, उसमें कुल 16 लोग थे, जिसमें से चार बच्चे, छह महिलाएं और छह पुरुष शामिल हैं। इसमें से तीन बच्चों और चार महिलाओं की मौत हुई है। उन्होंने बताया कि आग कैसे लगी, इसका भी पता लगाया जा रहा है। तोमर ने बताया कि हादसे में मारे गए लोगों की पहचान आरती गोयल (37), शुभी गोयल (13), प्रियंका गोयल (33), आर्यन गोयल (10) शकुंतला गोयल (60), मधु गोयल (55), अराध्या गोयल (4) के तौर पर हुई है। प्रदेश के मुख्यमंत्री शिवराज सिंह ने ट्वीट कर हादसे पर दुख जताया है। उन्होंने अपने संदेश में लिखा, ग्वालियर की भीषण आग में अनमोल जिदंगियां काल के गाल में समा गई हैं। ईश्वर दिवंगत आत्माओं को अपने चरणों में स्थान देकर परिवार को दुख सहन करने की शक्ति दे। पूर्व मुख्यमंत्री कमलनाथ ने ट्वीट किया ग्वालियर में एक ही परिवार के सात लोगों की भीषण आग में मौत दुखद हादसा है। पूर्व केन्द्रीय मंत्री और भाजपा नेता ज्योतिरादित्य सिंधिया ने भी ट्वीट करके इस हादसे पर शोक जताते हुए लिखा कि ग्वालियर के इंदरगंज में आग की घटना दुखद है और ईश्वर मृतकों की आत्मा को शांति प्रदान करते हुए परिजनों को शक्ति दे।

हिंदू स्टोर से सामान खरीदने से रोकने पर पांच के खिलाफ मामला दर्ज किया गया

भाषा। बेंगलुरु

कर्नाटक के दावणगेरे में अल्पसंख्यक समुदाय के पांच व्यक्तियों को अपने समुदाय के लोगों को एक स्टोर से कपड़े खरीदने से कथित रूप से रोकने को लेकर गिरफ्तार किया गया है। दावणगेरे के पुलिस अधीक्षक हनुमंतथरयप्पा ने सोमवार को कहा, हमने पांच व्यक्तियों को गिरफ्तार किया है जो महिलाओं को एक स्टोर से सामान खरीदे से रोक रहे थे। उन्होंने स्टोर पर जा रहीं उन महिलाओं से कहा कि मुसलमान होकर वे वहां से क्यों खरीददारी कर रही हैं। पुलिस ने चार वीडियो के आधार पर मामला दर्ज किया है जिनमें ये पुरूष बुर्के वाली एक महिला से एक हिंदू स्टोर से सामान खरीदने को लेकर कथित रूप से सवाल करते हुए और उसे परेशान करते हुए नजर आ रहे हैं। वीडियो में इन पुरूषों को महिला पर चिल्लाते हुए सुना जा रहा है और उसके हाथों से खरीददारी वाले बैगों को छीनते हुए देखा जा रहा है। ये वीडियो सोशल मीडिया पर फैल गए हैं। पुलिस के अनुसार भादंसं की संबंधित धाराओं के तहत इन व्यक्तियों के खिलाफ मामले दर्ज किए गए हैं। पुलिस के मुताबिक दावणगेरे के अन्य शहर हरिहर से भी ऐसी ही घटना सामने आई है जहां कुछ युवकों ने एक हिंदू स्टोर से सामान खरीदने को लेकर महिलाओं को कथित रूप से गालियां दीं और उसे वहां से निकल जाने के लिए विवश किया। इस घटना पर भाजपा सांसद शोभा करांदलजे ने ट्वीट किया, क्या कर्नाटक एक इस्लामिक गणराज्य है? दावणगेरे में कट्टरपंथी मुस्लिम हिंदू दुकान से कपड़े खरीदने को लेकर महिलाओं को धमकी दे रहे हैं। उन्होंने लिखा, एक लोकतांत्रिक देश में शरिया को लागू करने पर उतारू इन धार्मिक चरमपंथियों को अवश्य ही भारतीय कानून का स्वाद चखाना चाहिए। करांदलजे ने यह ट्वीट केंद्रीय गृहमंत्री अमित शाह को टैग किया।

यात्रियों के पते लेने का आदेश अंतिम समय में आया

● रेलवे ने प्रौद्योगिकी के इस्तेमाल से निकाला समाधान

भाषा। नई दिल्ली

गुजरात के साबरमती स्टेशन से 12 मई को पहली विशेष ट्रेन रवाना होने से कुछ ही घंटे पहले गृह मंत्रालय ने एक आदेश में रेलवे से यात्रियों के गंतव्य के पते समेत जानकारी एकत्रित करने को कहा जिसके बाद अहमदाबाद डिवीजन ने फौरन जोखिम रहित समाधान तलाशना शुरू कर दिया। अधिकारियों के पास एक ही विकल्प था कि ट्रेन में टिकट निरीक्षक यह काम करें जिसमें रेलवे कर्मियों को कोरोना वायरस के संक्रमण का जोखिम था।आईआरसीटीसी को 12 मई से शुरू होने वाली 15 विशेष ट्रेनों में ऑनलाइन बुकिंग करते समय यात्रियों के लिए एक फॉर्म बनाने को गया था, जिसे भरकर यात्रियों के लिए गंतव्य का पता बताना अनिवार्य किया गया। हालांकि, आईआरसीटीसी 13 मई से यह काम शुरू कर पाई। लेकिन तब तक 19 मई तक की यात्राओं के लिए टिकट बुक हो चुके थे। रेलवे ने यात्रियों को सात दिन पहले टिकट बुक कराने की सुविधा प्रदान की थी। तब अहमदाबाद डिवीजन में संभागीय वाणिज्यिक प्रबंधक कुशाग्र मित्तल सक्रिय हुए। अधिकारियों ने बताया कि आईआईएम-बेंगलुरू से शिक्षा प्राप्त मित्तल ने यात्रियों की जानकारी एकत्रित करने का अभिनव तरीका इजाद किया, जिसमें किसी रेल कर्मी को उनके संपर्क में भी नहीं आना था। साबरमती से 12 मई को नई दिल्ली के लिए विशेष ट्रेन रवाना होने से कुछ ही समय पहले यह काम किया गया। मित्तल ने टिकट निरीक्षक स्टाफ और यात्रियों के बीच करीबी संपर्क की आशंका को समाप्त करने के लिए गूगल फॉर्म पोर्टल के माध्यम से एक ऑनलाइन फॉर्म बनाया जिसे सभी यात्रियों के मोबाइल फोन पर इस निर्देश के साथ भेज दिया गया कि इसे अनिवार्य रूप से डाउनलोड करके भरना होगा। स्टेशन और ट्रेन में भी यात्रियों के फॉर्म भरने संबंधी घोषणाएं की गईं।

अहमदाबाद डिवीजन के रेलवे प्रबंधक दीपक कुमार झा ने बताया, उन्होंने जरूरी जानकारी हासिल करने के लिए ऐसी तकनीक का इस्तेमाल किया, जो पहले से उपलब्ध थी और इससे हमें बहुत मदद मिली।
हमारे टीटीई अधिकारियों को यात्रियों के संपर्क में नहीं आना पड़ा। उन्होंने कहा कि रेलवे के कुछ अन्य मंडलों के अधिकारियों ने भी उनसे इस बारे में जानकारी मांगी और कुछ ने इसका फायदा भी उठाया। आईआरसीटीसी ने विशेष ट्रेनों में यात्रा के लिए बुकिंग करा रहे सभी यात्रियों से 13 मई से उनके गंतव्यों की जानकारी लेना प्रारंभ कर दिया है। रेलवे ने कहा कि अगर संक्रमण की स्थिति में संपर्कों का पता करना पड़ा तो यह जानकारी काम आएगी। अब गंतव्य पता (डेस्टिनेशन एड्रेस) नाम से टिकट बुक करने के फॉर्म में एक अलग खाना बना दिया गया है। अधिकारियों ने बताया कि आईआरसीटीसी के टिकट बुकिंग फॉर्म में यह कॉलम अब स्थाई रूप से रहेगा।

अश्वगंधा, कोविड-19 के लिए प्रभावी औषधि हो सकती है

आईआईटी दिल्ली और जापानी संस्थान का दावा

नई दिल्ली (भाषा)। आयुर्वेदिक जड़ी-बूटी अश्वगंधा कोविड-19 संक्रमण के खिलाफ उपचारात्मक और इसकी रोकथाम करने वाली एक प्रभावी औषधि हो सकती है। आईआईटी दिल्ली और जापान के एक प्रौद्योगिकी संस्थान के अनुसंधान में यह पाया गया है। अनुसंधान दल के मुताबिक अश्वगंधा और प्रोपोलीस (मुधमक्खी के छत्ते के अंदर पाया जाने वाला मोमी गोंद) के प्राकृतिक यौगिक में कोरोना वायरस की रोकथाम करने वाली औषधि बनने की क्षमता है।भारतीय प्रौद्योगिकी संस्थान (आईआईटी), दिल्ली के जैव प्रौद्योगिकी विभाग के प्रमुख डी सुंदर ने कहा, अध्ययन दल में शामिल वैज्ञानिकों ने अनुसंधान के दौरान वायरस की प्रतिकृति बनाने में मुख्य भूमिका निभाने वाले मुख्य सार्स-कोवी-2 एंजाइम को निशाना बनाया। उन्होंने कहा, अनुसंधान के नतीजे न सिर्फ कोविड-19 रोधी औषधियों के परीक्षण के लिए जरूरी समय और लागत को बचा सकते हैं, बल्कि वे कोरोना वायरस महामारी के प्रबंधन में भी महत्वपूर्ण साबित हो सकते हैं। इसलिए, इसकी प्रयोगशाला में और चिकित्सीय परीक्षण किए जाने की जरूरत है। सुंदर के मुताबिक औषधि विकसित करने में कुछ वक्त लग सकता है और मौजूदा परिदृश्य में ये प्राकृतिक संसाधन --अश्वगंधा एवं प्रोपोलीस--चिकित्सीय महत्व वाले हो सकते हैं। यह अनुसंधान आईआईटी दिल्ली के साथ जापान के नेशनल इंस्टीट्यूट ऑफ एडवांस्ड इंडस्ट्रियल साइंस ऐंड टेक्नोलॉजी (एआईएसटी) ने किया है। उल्लेखनीय है कि सरकार ने इस बारे में भी एक अध्ययन शुरू किया है कि क्या अश्वगंधा कोविड-19 की रोकथाम करने वाली संभावित दवा के रूप में मलेरिया रोधी औषधि हाइड्रोक्सीक्लोरोक्वीन का विकल्प बन सकता है।

पेज एक का शेष

राज्यों ने खोले...

रेलगाड़ियों को 31 मई तक केवल राज्य में चलाया जाएगा। मुख्यमंत्री ने बताया कि सैलून खोलने की इजाजत दी गई है। पार्क सुबह सात बजे से नौ बजे तक और शाम पांच बजे से शाम सात बजे तक खोले जाएंगे। उन्होंने बताया कि शॉपिंग मॉल और सिनेमा हॉल को छोड़ कर शेष सभी दुकानें खोली जा सकती हैं। मुख्यमंत्री ने बताया कि रात का कर्फ्यू शाम सात से सुबह सात बजे तक जारी रहेगा और रविवार को पूरा लॉकडाउन रहेगा। पश्चिम बंगाल की मुख्यमंत्री ममता बनर्जी ने सोमवार को कुछ रियायतें देने की घोषणा करते हुए कहा कि उनकी सरकार केन्द्र द्वारा प्रस्तावित रात्रि कर्फ्यू राज्य में लागू नहीं करेगी। बनर्जी ने कहा कि फेरी वालों, सैलून और पार्लर मालिकों को 27 मई से अपनी दुकानें फिर से खोलने की अनुमति दी जायेगी। उन्होंने कहा, 'हम आधिकारिक तौर पर रात्रि कर्फ्यू लगाने की घोषणा नहीं कर रहे हैं क्योंकि लोग पहले से ही बहुत तनाव में हैं। हम उनकी परेशानियों को नहीं बढ़ाना चाहते हैं। लेकिन हम लोगों से शाम सात बजे से सुबह सात बजे तक अपने घरों से बाहर नहीं निकलने का अनुरोध करेंगे, नहीं तो पुलिस कार्रवाई करेगी।' बनर्जी ने कहा कि निषिद्ध क्षेत्रों को तीन जोन में बांटा जायेगा-प्रभावित क्षेत्र, बफर क्षेत्र और अप्रभावित क्षेत्र। उन्होंने कहा, 'पश्चिम बंगाल में लॉकडाउन 31 मई तक जारी रहेगा। लेकिन कुछ रियायतें दी जायेगी। फेरी वालों को 27 मई से अपनी दुकानें फिर से खोलने की अनुमति दी जायेगी। अंतर जिला बस सेवा भी शुरू होगी।' गुजरात के मुख्यमंत्री विजय रुपाणी ने कहा कि निषिद्ध क्षेत्रों में केवल जरूरी सेवाओं को ही छूट दी जाएगी। स्कूल, शॉपिंग मॉल, जिम, स्वीमिंग पूल बंद रहेंगे। केवल गैर निषिद्ध क्षेत्रों में ही ब्यूटी पॉर्लर और सैलून खुलेंगे। केरल सरकार ने भी कुछ रोक-टोक के साथ सार्वजनिक यातायात को मंजूरी देने का फैसला किया है। इस के तहत कोविड-19 की वजह से सामाजिक दूरी का पालन करना होगा। यात्रियों के कम होने के मद्देनजर किराए बढ़ाए जाएंगे ताकि घाटे की भरपाई हो सके।

परिवहन मंत्री एके शशींद्रन ने कहा कि शुरुआत में जिले के भीतर ही सार्वजनिक यातायात की इजाजत होगी और इसमें भी संक्रमण की अधिकता वाले क्षेत्रों से बचा जाएगा। उन्होंने कहा, 'केंद्र सरकार की ओर से जारी मौजूदा दिशा-निर्देश के अनुसार हम स्थिति का मूल्यांकन करेंगे और इसके बाद ही अंतर-जिला या अंतर राज्य सेवाएं बहाल होंगी।' उन्होंने कहा कि केरल अंतर-राज्य बस सेवाओं की अपेक्षा ट्रेन सेवा को ज्यादा बेहतर मानता है। लॉकडाउन के चौथे चरण में 20 मई से पंजाब के चुनिंदा मार्गों पर 50 प्रतिशत यात्रियों के साथ सार्वजनिक बस सेवाएं फिर से शुरू होंगी। परिवहन मंत्री रजिया सुल्ताना ने यह जानकारी दी। पंजाब में सोमवार को कर्फ्यू हटा कर 31 मई तक के लिए लॉकडाउन बढ़ा दिया गया।

सुल्ताना ने कहा, 'हम बुधवार से बस सेवाओं को 50 प्रतिशत सवारियों के साथ फिर से शुरू करेंगे। अगर एक बस में 50 सीटें हैं, तो केवल 25 यात्रियों को यात्रा करने की अनुमति होगी।' उन्होंने कहा कि बसें केवल राज्य के अंदर चलेंगी। मुख्यमंत्री अमरिंदर सिंह ने 16 मई को, घोषणा की थी कि 18 मई से कर्फ्यू प्रतिबंध हटा दिया जाएगा और 31 मई तक लॉकडाउन बढ़ा दिया जाएगा। उन्होंने तब सीमित सार्वजनिक परिवहन फिर से शुरू करने का संकेत दिया था। 21 दिन का राष्ट्रव्यापी 25 मार्च को लागू किया गया था इसके बाद 15 अप्रैल को और फिर चार मई को इसे बढ़ा गया था।

मजदूरों के लिए हजार...

जिससे इनका उपयोग प्रवासी श्रमिकों की सेवा में किया जा सके। वहीं कांग्रेस महासचिव ने उनके प्रस्ताव को मंजूरी देने के लिए योगी सरकार को धन्यवाद दिया है। उन्होंने सोमवार को सीएम को टैग करते हुए ट्वीट किया कि महामारी के समय इंसान की जिंदगी को बचाना, गरीबों की रक्षा करना, उनकी गरिमा की हिफाजत करना हमारा नैतिक दायित्व और अधिकार है। कांग्रेस इस कठिन समय में अपनी पूरी क्षमता और सेवाव्रत के साथ अपने कर्तव्यों का पालन कर रही है। ये बसें हमारी सेवा का विस्तार हैं। वहीं दूसरी ओर प्रियंका गांधी के निजी सचिव संदीप सिंह की ओर से अपर मुख्य सचिव गृह अवनीश कुमार अवस्थी को उनके पत्र के जवाब में एक पत्र ई मेल के जरिए भेजा गया है। जिसमें उन्होंने लिखा है कि आज 18 मई 2020 को प्राप्त हुए पत्र में आपकी तरफसे हमसे बसों की सूची, चालक का नाम, परिचालक का नाम व अन्य विवरणों को मांगा है। हम कल बसों को दोबारा बॉर्डर पर चलने को तैयार कर देंगे। 1000 बसों की सूची इस ईमेल के साथ अटैच की गयी है। इनमें से कुछ चालकों का दोबारा वेरिफिकेशन कर के उनकी सूची भी कुछ घंटों में आप तक पहुंचाई जाएगी। आशा है कि आप जल्द से जल्द इन बसों के लिए अनुमति पत्र उपलब्ध करा देंगे। आशा है कि कल से ही आप इन बसों का संचालन कराके इन्हें चालू करवा देंगे और इन बसों के रूट की पूरी जानकारी और समय सारिणी की सूचनाएं जन साधारण को उपलब्ध करवाएंगे। वहीं दूसरी ओर कांग्रेस अध्यक्ष अजय कुमार लल्लू ने कहा कि कांग्रेस पार्टी आज आज इस आपदा में हर जरूरतमंद के साथ खड़ी है।

योगी ने पूछे प्रियंका ...

साथ ही साथ वे प्रवासी मजदूरों को पहुंचाने के लिए 1000 बसें चलाने की अनुमति मांगने का पत्र भी लिख चुकी हैं। इसी पर योगी आदित्यनाथ ने सोमवार को निशाना साधा और सवाल पूछे हैं। सीएम योगी ने अपने सवाल में कहा है कि जब आपके पास एक हजार बसें थी तो राजस्थान और महाराष्ट्र से ट्रकों में भरकर हमारे साथियों को उत्तर प्रदेश, बिहार, झारखंड व बंगाल आप क्यों भेज रहे हैं? इसके साथ ही सीएम योगी ने कहा कि औरैया में हुई दर्दनाक सड़क दुर्घटना से पूरा देश आहत है। एक ट्रक पंजाब से और दूसरा राजस्थान से आ रहा था। क्या कांग्रेस और प्रियंका गांधी इस दुर्घटना की जिम्मेदारी लेंगी और साथियों से माफी मांगेंगी? विदित हो कि औरैया में हुए सड़क हादसे में अबतक 26 मजदूरों की मौत हो चुकी है। औरैया हादसे में शिकार हुए मजदूर पंजाब और राजस्थान से ट्रक में सवार होकर अपने-अपने गृहनगर जा रहे थे। दोनों राज्यों में कांग्रेस की सरकार है। इसी को लेकर सीएम योगी ने हमला बोला है। उनका कहना है कि मजदूरों की इतनी ही चिंता है तो कांग्रेस शासित राज्यों से उन्हें समुचित व्यवस्था कर ट्रेन या बसों से क्यों नहीं भेजा जा रहा है? इन राज्यों से मजदूर अवैध तरीके से ट्रकों में यात्रा करने को मजबूर हो रहे हैं।

इसके बाद सीएम योगी ने तीसरे सवाल सीधे प्रियंका से ही पूछा है। उन्होंने लिखा कि प्रियंका कहती हैं कि उनके पास एक हजार बसें हैं। यह और बात है कि अबतक इन बसों की सूची तक उपलब्ध नहीं कराई गई, न ही हमारे साथियों की। बसों और हमारे साथियों की सूची उपलब्ध करा दी जाए, जिससे उनके कार्य ट्विटर नहीं धरातल पर दिखें। सीएम ने ने सवाल किया है कि अगर प्रियंका वाड्रा को हमारी इतनी ही चिंता है तो वे हमारे बाकी साथियों (श्रमिकों) को भी ट्रेनों से ही सुरक्षित भेजने का इंतजाम कांग्रेस शासित राज्यों से क्यों नहीं करा रहीं? इसके बाद सीएम योगी ने कहा कि देशभर में जितनी भी श्रमिक स्पेशल ट्रेनें चल रही हैं, उनमें से आधी से ज्यादा ट्रेनें उत्तर प्रदेश ही आई हैं। अगर प्रियंका वाड्रा को हमारी इतनी चिंता है तो वो महारे बाकी साथियों (श्रमिकों) को भी ट्रेनों से ही सुरक्षित भेजने का इंतजाम कांग्रेस शासित राज्यों से क्यों नहीं करा रहीं? योगी आदित्यनाथ ऑफिस के ट्विटर हैंडल से ये सारे सवाल पूछे गए हैं।

नोएडा फिर वायरस के ...

यहा कंपनी प्रबंधक की ओर से 1581 कर्मचारियों का कोविड19 जांच एक निजी प्रयोगशाला से कराया था। इसमे 1572 कर्मचारियों जांच रिपोर्ट निगेटिव आई। जबकि नो लोग कोविड19 पाजिटिव मिले। इसमे आठ संक्रमित जनपद के विभिन्न इलाकों है। जबकि एक संक्रमित गाजियाबाद का है। वहीं, कंपनी प्रबंधन ने स्वास्थ्य विभाग को अवगत कराया कि उन्होंने अपने सभी 3321 कर्मचारियों की कोविड.19 जांच कराई है। शेष रिपोर्ट आनी बाकी है। बहराल कंपनी ने अपने सभी आपरेशन को बंद कर दिया है। साथ ही संक्रमित क्षेत्र को सील कर वहां सेनेटाइजेशन का कार्य किया जा रहा है। यहा संक्रमित मरीजों को शारदा अस्पताल में भर्ती कराया गया है। वहीं, सेक्टर 16ए स्थित एक मीडिया हाउस में कोरोना ने दस्तक दे दी है। यहा लक्ष्मीनगर निवासी एक कर्मचारी को कोविड 19 पाजिटिव आया था। उसके संपर्क में आए सभी 51 लोगों के सैंपल लेकर जांच की गई। इसमे 15 वह कर्मचारी है जो मीडिया हाउस में ही काम करते है यह सभी कोरोना पाजिटिव है। इसके अलावा दिल्ली, गाजियाबाद व फरीदाबाद के 13 और लोग है जिनमे संक्रमण की पुष्टि हुई है। इन लोगों की जानकारी संबंधित जिला प्रशासन को दे दी गई है। मीडिया हाउस के संक्रमित हिस्से को पूर्णता सील कर दिया गया है यहा भी सैनेटाइजेशन का काम किया जा रहा है। वहीं, विवो कंपनी के 18 कर्मचारियों ने कोविड 19 जांच एक निजी लैब से कराई। इसमे 16 निगेटिव और दो पाजिटिव मिले। कंपनी ने आपरेशन बंद कर दिए है साथ ही संक्रमित क्षेत्र को सील कर वहां सैनेटाइजेशन किया जा रहा है। इसके अलावा पांच संक्रमित सेक्टर.5 हरौला के है इन सभी ने दिल्ली स्थित एक निजी प्रयोगशाला से जांच कराई थी। इन सभी को चाइल्ड पीजीआई में भर्ती किया गया है। इसके अलावा सेक्टर.78 में एक महिला कोरोना संक्रमित मिली है इनका पति दिल्ली में जॉब करता है। वहीं, सेक्टर 47 के जलवायु विहार में एक मरीज की निजी लैब ने 15 मई को पाजिटिव रिपोर्ट बताई थी। लेकिन 17 मई को उसी मरीज की रिपोर्ट निगेटिव बताई गई।

कोरोना केस लाख का ...

जबकि संक्रमितों की संख्या बढ़कर 96,169 पर पहुंच गई है। इसने यह भी कहा कि भारत में कोरोना वायरस से ठीक होने वालों की दर 38.39 फीसदी है। डब्लूएचओ के आंकड़े का जिक्र करते हुए मंत्रालय ने कहा कि सोमवार तक दुनिया में कोविड-19 मरीजों की संख्या 45 लाख 25 हजार 497 थी। इसके अनुसार प्रति एक लाख की आबादी पर करीब 60 लोग संक्रमित हैं। इसने कहा कि कोरोना वायरस के सर्वाधिक मामलों की संख्या वाले देशों में अमेरिका में अभी तक 14 लाख नौ हजार 452 मामले सामने आए हैं। यहां एक लाख की आबादी पर करीब 431 संक्रमित हैं। रूस में दो लाख 81 हजार 752 मामले हैं और प्रति लाख आबादी पर यह आंकड़ा 195 मामले होता है। इसने कहा कि ब्रिटेन में प्रति लाख आबादी पर 361 मामले, स्पेन में प्रति लाख आबादी पर 494 मामले, इटली में प्रति लाख आबादी पर 372 मामले और ब्राजील में प्रति लाख आबादी पर 104 मामले सामने आए हैं। केंद्रीय स्वास्थ्य मंत्रालय ने एक बयान में कहा, अभी तक आक्रामक एवं त्वरित कदम उठाए जाने के कारण उत्साहजनक परिणाम दिखे हैं।

आईसीएमआर ने कोविड-19...

उनकी संपर्क में आने के पांचवें और दसवें दिन के बीच एक बार संक्रमण का पता लगाने के लिए जांच की जाएगी। अभी तक ऐसे मामलों में पांचवें और 14वें दिन के बीच एक बार जांच की जा रही है। एक अधिकारी ने कहा, 'आईसीएमआर ने देश में कोरोना वायरस के मामले तेजी से बढ़ने के मद्देनजर अपनी रणनीति में बदलाव किया है। नयी रणनीति का उद्देश्य संक्रमण को और प्रभावी तरीके से फैलने से रोकना तथा कोविड-19 की जांच के मानदंड दायरे में शामिल सभी लोगों को प्रामाणिक निदान प्रदान करना है। आईसीएमआर ने कहा, 'आईएलआई के रूप में ऐसे मामलों को परिभाषित किया गया है जिनमें 38 डिग्री सेल्सियस या उससे अधिक बुखार के साथ सर्दी-खांसी और सांस संबंधी संक्रमण की समस्या हो, वहीं अति गंभीर श्वसन संबंधी संक्रमण (एसएआरआई) मामले में उन्हें रखा गया है जिनमें उक्त लक्षणों के साथ रोगी को अस्पताल में भर्ती करना जरूरी हो जाए।' अभी तक दिशानिर्देशों के अनुसार हॉटस्पॉट या नियंत्रण (कंटेनमेंट) क्षेत्रों में रह रहे आईएलआई के लक्षण वाले लोगों, एसएआरआई रोगियों और ऐसे स्वास्थ्य कर्मियों जिनमें लक्षण दिख रहे हों, की कोरोना वायरस संक्रमण के लिए जांच की जा रही है। साथ ही बीते 14 दिन में अंतरराष्ट्रीय यात्रा करने वाले ऐसे लोगों जिनमें लक्षण नहीं हैं तथा संक्रमित लोगों के संपर्क में आ रहे लक्षण वाले लोगों की जांच की जा रही थी।

घर जाने की आस ...

अधिकारियों के हाथ-पैर तब फूल गए जब यह पता लगा कि जनसमुदाय में कुछ कोरोना संक्रमित भी मौजूद हैं। रामलीला मैदान में मजदूरों के जमघट की वजह श्रमिक ट्रेन से सफर के लिए वहां कराया जा रही थर्मल स्क्रीनिंग और कागजातों का प्रमाणीकरण था। आज सिर्फ 7200 प्रवासी मजदूरों को स्पेशल ट्रेन से आजमगढ़, वाराणसी और गोरखपुर भेजने के लिए घंटाघर रामलीला मैदान में पास दिए जाने थे परंतु पास पाने के लिए वहां इकट्ठा हो गए लगभग 6-8 हजार मजदूर। इतनी बड़ी तादाद में उमड़ी भीड़ के चलते पुलिस प्रशासन के लिए व्यवस्था बनाए रखना टेढ़ी खीर साबित हो रहा था। थर्मल स्क्रीनिंग व पेपर वेरिफिकेशन के लिए श्रमिकों में ऐसी होड़ लगी हुई थी कि उन्हें आगा-पीछा कुछ भी नहीं सूझ रहा था। एक दूसरे से सटकर खड़े लोगों ने सोशल डिस्टेंसिंग के नियम को ताक पर दिया था और सभी इसी कोशिश में लगे हुए थे कि जैसे भी हो कागजी कार्रवाई की प्रक्रिया निबटे और वे पास लेकर घर की ओर जाने वाली ट्रेन में बैठ जाएं।

भारी अफरातफरी के माहौल में अधिकारी सोशल डिस्टेंसिंग का पालन कराने के भरसक जतन कर रहे थे। लोगों को समझा रहे थे कि आपस में दूरी बनाए रखें किंतु लंबी कतारों में खड़े श्रमिकों पर इसका कोई असर नहीं हो रहा था। यह भांपकर कि इतने लोगों को ट्रेन से नहीं भेजा जा सकता, जिला प्रशासन ने बसों का भी इंतजाम किया और सैकड़ों मजदूरों को बसों में बैठाकर रवाना किया गया। अधिकतर मजदूर उत्तर प्रदेश के तमाम इलाकों और बिहार जाने के लिए आए थे। उनकी रवानगी से जुड़ी प्रक्रिया की कमान एडीएम शैलेंद्र सिंह और एसपी सिटी मनीष मिश्रा ने संभाल रखी थी। मजदूरों की संख्या इतनी ज्यादा थी कि वे एक दूसरे पर लदे जा रहे थे। अधिकारियों की टेंशन तब बढ़ गई जब आरोग्य सेतु ऐप से भीड़ में कुछ कोरोना संक्रमितों के भी मौजूद रहने का खुलासा हुआ। ऐप खोलने पर पता लगा कि 500 मीटर के दायरे में ही कोविड 19 पॉजिटिव लोग उपस्थित हैं।

संघ ने लगाया शिविर...

गाजियाबाद। घंटाघर रामलीला मैदान में पास पाने की आस में जुटे हजारों प्रवासी मजदूरों को राहत पहुंचाने के लिए आरएसएस ने वहां शिविर लगाया। शिविर में श्रमिकों के लिए नाश्ता-पानी, जूस के साथ चप्पलों का भी इंतजाम किया गया था। चिलचिलाती धूप में घंटों से भूखे-प्यासे खड़े मजदूरों को लाइन में लगाकर उन्हें भोजन की सामग्री और चप्पलें बांटी गईं ताकि तपती जमीन पर वे आराम से चल सकें।

250 किमी प्रति घंटा...

अम्फान पश्चिम बंगाल के दीघा और बांग्लादेश के हटिया द्वीप से तटीय इलाकों में प्रवेष करेगा। ये दोनों ही क्षेत्र अत्यधिक आबादी वाले हैं। आईएमडी ने चेतावनी दी है कि तूफान के दौरान समुद्र में 4-6 मीटर की ऊंचाई की लहरें उठेंगी। इससे पश्चिम बंगाल के दक्षिण और उत्तर 24 परगना तथा पूर्व मेदिनीपुर के निचले इलाकों में जलभराव हो जाएगा। डॉ. महापात्रा ने कहा कि चक्रवात पष्चिम बंगाल के पूर्व मेदिनीपुर, दक्षिण और उत्तर 24 परगना, हावड़ा, हुगली और कोलकाता तथा ओडिषा के जगतसिंहपुर, केंद्रपाड़ा, भद्रक, बालासोर, जाजपुर और मयूरभंज जिलों में संपत्ति और बुनियादी ढांचे को तबाह कर सकता है। इससे दोनों राज्यों में संचार और बिजली के खंभे, रेल पटरियां और सड़कें उखड़ सकती हैं। कई स्थानों पर, कच्चे घरों, खड़ी फसलों, बागानों और बागों को व्यापक नुकसान हो सकता है। पश्चिम बंगाल की तुलना में ओडिशा में नुकसान कम होने की उम्मीद है। गृह सचिव ने पश्चिम बंगाल और ओडिशा की सरकारों से हालात से निपटने के इंतजाम करने का अनुरोध किया है। इनमें प्रभावितों की मदद के लिए 24 घंटे नियंत्रण कक्ष और पर्याप्त खाद्य सामग्री मुहैया कराने की बात कही गई है। सुपर साइक्लोन जब 20 मई को समुद्री क्षेत्र से धरती से टकराएगा तो तटीय ओडिशा, गंगीय पश्चिम बंगाल, केरल, कर्नाटक और तमिलनाडु में बहुत तेज हवाओं के साथ आगे बढ़ेगा। तूफान की गंभीरता को देखते हुए ओडिशा सरकार ने गजपति, गंजम, पुरी, जगतसिंहपुर और केंद्रपाड़ा जैसे तटीय जिलों में 11 लाख लोगों को सुरक्षित स्थानों पर पहुंचाने की योजना बनाई है। नई दिल्ली-भुवनेश्वर विशेष ट्रेन अगले चार दिनों तक डायवर्ट रूट पर चलेगी। ओडिशा ने केंद्र से तफान प्रभावित इलाकों से गुजरने वाली श्रमिक स्पेशल ट्रेनों को अस्थायी रूप से रद्द करने का आग्रह किया है। ओडिशा सरकार ने यह भी घोषणा की कि वह तटीय क्षेत्रों में बने विभिन्न क्वॉरंटीन केंद्रों में रह रहे प्रवासी श्रमिकों को सुरक्षित स्थानों पर शिफ्ट करेगी।

बलबीर सीनियर की हालत गंभीर, निमोनिया के नए पैच मिले

नई दिल्ली। तीन बार के ओलंपिक स्वर्ण पदक विजेता महान हॉकी खिलाड़ी बलबीर सिंह सीनियर की हालत अब भी गंभीर बनी हुई है और उनके फेफड़ों में निमोनिया के नए पैच मिले है। बलबीर सीनियर के नाती कबीर ने सोमवार को उनके स्वास्थ्य पर जारी मेडिकल अपडेट में कहा, उनके शरीर में रक्तसंचार स्थिर है लेकिन हालत गंभीर बनी हुई है। पिछले अपडेट के बाद से हालांकि दिल का दौरा नहीं पड़ा है।

स्कॉटिश प्रीमियरशिप सत्र समाप्त, सेलेटिक चैंपियन घोषित

लंदन। सेलेटिक को सोमवार को स्कॉटिश फुटबाल चैंपियनशिप का विजेता घोषित किया गया और इस तरह से वह लगातार नौवीं बार खिताब जीतकर अपने कट्टर प्रतिद्वंदी रेंजर्स के रिकार्ड की बराबरी करने में सफल रहा। कोरोना वायरस के कारण स्कॉटिश प्रीमियरशिप का सत्र समाप्त घोषित कर दिया गया है। इस महामारी के कारण मार्च में जब मैच रोके गए थे तब सेलेटिक की टीम दूसरे नंबर पर काबिज रेंजर्स से 13 अंक आगे थी। सेलेटिक के 30 मैचों में 26 जीत से 80 जबकि रेंजर्स के 29 मैचों में 67 अंक है।

अफरीदी पर बरसे धनराज और टिर्की

नई दिल्ली। पाकिस्तान के पूर्व हरफनमौला शाहिद अफरीदी के भारत विरोधी बयान को भारतीय हॉकी के दिग्गजों धनराज पिल्लै और दिलीप टिर्की ने खेलभावना के विपरीत आचरण बताते हुए कहा कि जब पूरी दुनिया कोरोना वायरस महामारी से जूझ रही है, इस तरह की अनर्गल बयानबाजी का औचित्य समझ से परे है। अफरीदी ने एक वीडियो में प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी पर धार्मिक भेदभाव करने के आरोप लगाए थे।

खिलाड़ियों ने कहा, अभी इंतजार करना बेहतर

नई दिल्ली। भारतीय टेबल टेनिस संघ (टीटीएफआई) ने सरकार से खेल परिसरों को खोलने की अनुमति मिलने के बाद सोमवार को अपने शीर्ष 16 खिलाडियों से इसमें शामिल होने के लिए लिखित सहमति मांगी, जिस पर टेबल टेनिस खिलाड़ियों ने कहा कि वह अभी थोड़ा इंतजार करना पसंद करेंगे। शरत कमल और जी साथियान सहित अधिकांश भारतीय खिलाड़ियों ने कहा कि वे कोविड-19 महामारी के बीच यात्रा करने में सहज नही है।

प्रतियोगिता को फिर से शुरू करने पर काम होगा

नई दिल्ली। भारतीय राष्ट्रीय राइफल संघ (एनआरएआई) ने सोमवार को कहा कि कोविड-19 महामारी से निपटने के लिए लागू किए गए लॉकडाउन के चौथे चरण के दौरान खेल परिसरों को फिर से खोलने की अनुमति देने के बाद निशानेबाजों के आउटडोर (घर से बाहर) प्रशिक्षण को फिर से शुरू करने की दृढ़ योजना है।

कोहली इस समय सर्वश्रेष्ठ है : इयान चैपल

● अपने शानदार क्रिकेटिया शॉट्स और जबर्दस्त फिटनेस के दम पर तीनों प्रारूपों में उम्दा

भाषा। नई दिल्ली

आस्ट्रेलिया के पूर्व कप्तान इयान चैपल का मानना है कि अपने शानदार क्रिकेटिया शॉट्स और जबर्दस्त फिटनेस के दम पर भारतीय कप्तान विराट कोहली इस समय तीनों प्रारूपों में दुनिया के सर्वश्रेष्ठ बल्लेबाज हैं। चैपल ने द आर के सो पर कहा, स्टीव स्मिथ, केन विलियमसन और जो रूट में से कोहली तीनों प्रारूपों में सर्वश्रेष्ठ हैं। इसमें कोई शक नहीं है। उन्होंने कहा, तीनों प्रारूपों में उनका रिकार्ड शानदार है। खासकर सीमित ओवरों के प्रारूप में। इससे पहले इंग्लैंड के पूर्व बल्लेबाज केविन पीटरसन ने कहा था कि आस्ट्रेलियाई बल्लेबाज स्मिथ कहीं कोहली के आसपास भी नहीं ठहरते। अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट में 70 शतकों समेत 20000 से अधिक रन बना चुके कोहली का तीनों प्रारूपों में औसत 50 से अधिक है। यह पूछे पर कि वह कोहली को सर्वश्रेष्ठ क्यों मानते हैं, चैपल ने कहा मुझे बल्लेबाजी में उसका तरीका पसंद है। भारतीय टीम जब पिछली बार आस्ट्रेलियाई आई थी तो हमने उसका इंटरव्यू किया था। उसने तब बताया था कि वह टी20 क्रिकेट की तरह लप्पेबाजी क्यों नहीं करता। उसने कहा था कि वह नहीं चाहता कि पांच दिनी प्रारूप में उस तरह के शॉट्स उसकी बल्लेबाजी में आए। हमारे समय में सीमित ओवरों में विव रिचर्ड्स के पास जबर्दस्त क्रिकेट शॉट्स थे। वह गेंद को इतना बखूबी मारते थे कि काफी तेजी से रन बनते थे। कोहली भी वही है।

बाबर को अभी लंबा रास्ता तय करना है, कोहली से तुलना अभी जल्दबाजी: यूनिस

कराची। पाकिस्तान के पूर्व कप्तान यूनिस खान का मानना है कि विराट कोहली और बाबर आजम की तुलना कम से कम पांच साल बाद होनी चाहिए क्योंकि भारतीय कप्तान ने हर तरह की परिस्थितियों में खुद को साबित किया है जबकि पाकिस्तान के सीमित ओवरों के कप्तान को ऐसा करना है। टेस्ट क्रिकेट में पाकिस्तान के सबसे सफल बल्लेबाज यूनिस ने कहा, विराट कोहली बाबर से कहीं अधिक अनुभवी है। उसके पास शीर्ष स्तर का क्रिकेट खेलने का कम से कम पांच साल का अधिक अनुभव है और वह करियर के शीर्ष पर है। उन्होंने कहा, कोहली को बाबर से कहीं अधिक अनुभव मिला है और उसने हर तरह के हालात का सामना किया है और खुद को साबित भी किया है। कोई भी आसानी से 70 अंतरराष्ट्रीय शतक नही बना सकता और यह उसके स्तर और क्षमता का सबूत है। उसने प्रत्येक हालात और सभी विरोधी टीमों के खिलाफ रन बनाए है। यूनिस ने कहा कि बाबर को अब भी लंबा रास्ता तय करना है। बाबर लगभग पांच साल से ही शीर्ष स्तर का क्रिकेट खेल रहा है। सभी तीनों प्रारूपों में उसका बल्लेबाजी औसत काफी प्रभावशाली है और वह लगातार बेहतर हो रहा है। यूनिस ने कहा, हम उसे बल्लेबाजी करते हुए देखो और आप देख सकते है कि उसमें वह सभी गुण है जो कोहली में अपने करियर की शुरुआत में थे। अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट में 70 शतक के अलावा 31 साल के कोहली का औसत तीनों प्रारूपों में 50 से अधिक है। भारतीय कप्तान ने 20 हजार से अधिक अंतरराष्ट्रीय रन बनाए है जबकि 25 साल के बाबर के नाम तीनों प्रारूपों में 6680 रन दर्ज है। बाबर ने हालांकि कोहली की तुलना में काफी कम मैच खेले है।

कोहली से तुलना पर बाबर ने कहा, हम दोनों एक दूसरे से अलग

कराची। पाकिस्तान के शीर्ष बल्लेबाज बाबर आजम ने भारतीय रन मशीन विराट कोहली से तुलना के बारे में पूछे जाने पर सोमवार को कहा कि दोनों अलग तरह के खिलाड़ी है और उनसे मेरी तुलना करना सही नहीं है। आजम ने यहां एक संवाददाता सम्मेलन में कहा, मुझे लगता है कि अगर आप तुलना नहीं करेंगे तो यह अच्छा होगा। मैंने कहा है कि वह अलग तरह के खिलाड़ी है, मै अलग तरह का खिलाड़ी हूं। मै केवल अच्छी बल्लेबाजी करने का प्रयास कर रहा हूं और जब भी मैं मैदान में उतरता हूं तो अपनी टीम को हर बार जीत दिलाने की कोशिश करता हूं। अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट में कोहली खुद को साबित कर चुके है जबकि 25 साल के बाबर लगातार अच्छे प्रदर्शन से तीनों प्रारूपों तेजी से आगे बढ़ रहे है। कोविड-19 महामारी के संदर्भ ने जब बाबर से खाली स्टेडियम में खेलना के बारे में पूछा गया तो उन्होंने कहा कि वह पहले से इसके अभ्यस्त है।

अनुबंधित खिलाड़ियों के लिए ट्रेनिंग शिविर नहीं: बीसीसीआई

● राज्य संघों के साथ मिलकर स्थानीय स्तर पर अभ्यास शुरू करेगा

भाषा। नई दिल्ली। खेल परिसर और स्टेडियम खोलने की स्वीकृति मिलने के बावजूद भारतीय क्रिकेट बोर्ड (बीसीसीआई) की अपने अनुबंधित खिलाड़ियों के लिए ट्रेनिंग शिविर आयोजन करने की कोई योजना नहीं है लेकिन लॉकडाउन के चौथे चरण में वह राज्य संघों के साथ मिलकर स्थानीय स्तर पर अभ्यास शुरू करेगा। गृह मंत्रालय के रविवार को जारी दिशानिर्देशों के अनुसार 31 मई तक बढ़ाए गए लॉकडाउन के दौरान स्टेडियम खोले जा सकते है लेकिन दर्शकों को अंदर जाने की इजाजत नहीं होगी। इससे संकेत मिलते है कि खिलाड़ी व्यक्तिगत ट्रेनिंग शुरू कर सकते है। बीसीसीआई के कोषाध्यक्ष अरूण धूमल ने सोमवार देर रात जारी प्रेस विज्ञप्ति में कहा, विमान सेवा और लोगों की आवाजाही पर 31 मई तक जारी पाबंदियों को देखते हुए बीसीसीआई अपने अनुबंधित खिलाड़ियों के लिए कौशल आधारित ट्रेनिंग शिविर के आयोजन के लिए और इंतजार करेगा। हालांकि स्थानीय स्तर पर ट्रेनिंग के लिए इंतजाम किए जा रहे हैं। धूमल ने कहा, इस बीच बीसीसीआई राज्य स्तर पर दिशानिर्देशों का अध्ययन करेगा और राज्य संघों के साथ मिलकर स्थानीय स्तर पर कौशल आधारित ट्रेनिंग कार्यक्रम का खाका तैयार करेगा। बीसीसीआई के पदाधिकारी टीम प्रबंधन के साथ बातचीत जारी रखेंगे और स्थिति में और सुधार होने पर पूरी टीम के लिए उपयुक्त योजना तैयार करेंगे। धूमल ने कहा कि खिलाड़ियों की सुरक्षा बोर्ड के लिए सर्वोच्च है। बोर्ड दोहराता है कि उसके लिए अपने खिलाड़ियों और सहयोगी स्टाफ की सुरक्षा सर्वोच्च है और कोई ऐसा फैसला करने में जल्दबाजी नही होगी जिससे कोरोना वायरस को फैलने से रोकने के भारत के प्रयासो को नुकसान पहुंचे। इस महामारी के कारण भारत में तीन हजार के करीब लोगों की जान गई है जबकि 95 हजार से अधिक लोगो के संक्रमित होने की पुष्टि हुई है। दुनिया भर में इस महामारी से तीन लाख 15 हजार से अधिक लोगो की जान गई है और संक्रमित व्यक्तियों का आंकड़ा 47 लाख से अधिक है।

नए तौर तरीकों के अनुरूप खुद को ढालना होगा : इशांत

नई दिल्ली। भारत के सीनियर तेज गेंदबाज ईशांत शर्मा ने कहा है कि अगर आईसीसी कोरोना वायरस महामारी के कारण गेंद को चमकाने के लिए लार के इस्तेमाल पर रोक लगाती है तो तेज गेंदबाजो को नए तौर तरीको के लिए तैयार रहना होगा। अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट परिषद कोरोना महामारी के चलते गेंद पर लार की बजाय कृत्रिम पदार्थ के इस्तेमाल की अनुमति देने की सोच रही है। इस विकल्प पर क्रिकेट जगत की मिली जुली प्रतिक्रिया है। आईपीएल फ्रेंचाइजी दिल्ली कैपिटल्स के साथ इंस्टाग्राम लाइव पर ईशांत ने कहा , हम जानते है कि क्रिकेट में बदलाव और नए नियमो पर बात हो रही है लेकिन मेरा मानना है कि क्रिकेटरों को इसके अनुकूल ढलना होगा। लार का इस्तेमाल नही करने पर गेंद आपके हिसाब से चमकेगी नही लेकिन कुछ और नही किया जा सकता। वैसे मै इन चीजो के बारे में ज्यादा नही सोचता। मेरा मानना है कि भविष्य के बारे में ज्यादा सोचे बिना वर्तमान में जीना चाहिए। ईशांत ने बातचीत में यह भी कहा कि उन्हें रिकी पोंटिग से बढिया कोच नही मिला जिन्होंने पिछले साल आईपीएल में वापसी पर उन्हें यह महसूस कराया कि उनकी कितनी जरूरत है।

प्रदर्शन में निरंतरता कमी के कारण ख्वाजा को बाहर किया गया, उसकी वापसी मुश्किल होगी: पोंटिंग

मेलबर्न। आस्ट्रेलिया की विश्व कप जीतने वाली टीम के दो बार कप्तान रहे रिकी पोंटिग ने कहा है कि सीनियर बल्लेबाज उस्मान ख्वाजा को प्रदर्शन में निरंतरता की कमी के कारण राष्ट्रीय टीम से बाहर किया गया लेकिन वह उसे चुका हुआ मानने को तैयार नही है। तैंतीस साल के ख्वाजा को हाल में आस्ट्रेलिया के अनुबंधित खिलाड़ियों की वार्षिक सूची में जगह नही मिली थी। पिछले साल एशेज श्रृंखला के बीच में ख्वाजा को टीम से बाहर कर दिया गया था। पोंटिग ने एबीसी ग्रैंडस्टैंड से कहा, ईमानदारी से कहूं तो मुझे लगता है कि उसे मुश्किल होगी (आस्ट्रेलियाई टीम में वापसी करने में) और मुझे उसके लिए दुख है। मुझे हमेशा से लगता है कि वह काफी अच्छा खिलाड़ी है और हमने अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट में संभवतः कभी उसका सर्वश्रेष्ठ प्रदर्शन नही देखा। हमने इसकी झलक देखी है लेकिन मुझे नही लगता कि आस्ट्रेलिया के लिए उसके प्रदर्शन में निरंतरता रही है। पोंटिग ने हालांकि उम्मीद जताई कि ख्वाजा घरेलू क्रिकेट ढेरों रन बनाकर अंतरराष्ट्रीय स्तर पर वापसी कर पाएगा। एक चीज मुझे पता है, आप कभी दिग्गज खिलाड़ियों को चुका हुआ नही मान सकते। इन गर्मियो में घरेलू क्रिकेट के शुरू होने पर उसे मौके मिलेंगे और वह इतना कर सकता है कि क्वीन्सलैंड के लिए खेले, ढेरों रन बनाए और एक और मौका मिलने का इंतजार करे।

ला लीगा क्लबों ने समूह में अभ्यास शुरू किया

भाषा, मैड्रिड। ला लीगा की टीमों ने स्पेन सरकार के नियमों के अनुसार सोमवार को 10 खिलाड़ियों के समूह में अभ्यास करना शुरू कर दिया। स्पेन की घरेलू लीग की टीमों ने इसके साथ ही फुटबॉल सत्र को अगले महीने दोबारा शुरू करने की संभावित योजना की तरफ एक और कदम बढ़ाया। लीग की शीर्ष टीम बार्सिलोना ने इस बताया कि स्थानीय समय के मुताबिक सुबह साढ़े नौ बजे उनके खिलाफ अभ्यास के लिए मैदान पर पहुंचे। टीम ने ट्विटर पर तस्वीर जारी की जिसमें गेरार्ड पिक और सर्गियो बुसकेट्स के अलावा दूसरे खिलाड़ी भी अभ्यास सत्र में भाग लेते दिखे। रीयाल मैड्रिड ने भी देश की राजधानी के बाहरी हिस्से में स्थित प्रशिक्षण केन्द्र में अभ्यास किया। स्पेन की सरकार ने नियमों को घोषणा की जो सभी क्लबों को ट्रेनिंग सत्र में विस्तार की स्वीकृति देते है। उन क्षेत्रों के क्लबों को भी यह स्वीकृति मिली है जहां अभी कोरोना वायरस संक्रमण को फैलने से रोकने के लिए कड़ी पाबंदियां लागू है। इसका मतलब है कि रीयाल मैड्रिड, बार्सीलोना और एटलेटिको मैड्रिड जैसी टीमें 10 खिलाड़ियों तक के समूह में ट्रेनिंग कर सकेंगी जबकि मैड्रिड और कैटालोनिया दोनों चरण शून्य पर है और स्पेन के कोरोना वायरस से सबसे अधिक प्रभावित दो क्षेत्र है।

बायर्न म्यूनिख ने यूनियन बर्लिन को हराया

बर्लिन। रॉबर्ट लेवानदोवस्की के सत्र के 26वें लीग गोल की मदद से शीर्ष पर चल रहे बायर्न म्यूनिख ने बुंदेसलीगा फुटबॉल टूर्नामेंट में दो महीने में अपने पहले मैच में खिताब के अपने अभियान को आगे बढ़ाते हुए यूनियन बर्लिन को खाली स्टेडियम में 2-0 से हराया। लेवानदोवस्की ने पहले हाफ में पेनल्टी पर गोल दागा जबकि डिफेंडर बेंजामिन पेवार्ड ने दूसरे हाफ के अंतिम लम्हों में हेडर से गोल करके बायर्न की 2-0 से जीत सुनिश्चित की। शनिवार को बुंदेसलीगा कोरोना वायरस महामारी के बाद दोबारा शुरू होने वाली यूरोप की पहली शीर्ष लीग बनी थी। पोलैंड के स्टार लेवानदोवस्की मार्च के मध्य में लीग के निलंबित होने से पहले चोट के कारण दो मैचों में नही खेल पाए थे। उन्होंने इस सत्र में बायर्न के लिए सभी प्रतियोगिताओं में 40 गोल दागे है। बायर्न ने अंकतालिका में बोरूसिया डोर्टमंड पर चार अंक की बढ़त बना ली है। शनिवार को शाल्के को 4-0 से हराने वाला डोर्टमंट 26 मई को अहम मुकाबले में बायर्न की मेजबानी करेगा।

दक्षिण अफ्रीका का कप्तान बनना चाहता हूं पर बेताब नहीं हूं : मार्कराम

जोहानिसबर्ग। बल्लेबाज एडेन मार्कराम ने सोमवार को कहा कि वह टेस्ट क्रिकेट में दक्षिण अफ्रीका की अगुवाई करना चाहते है लेकिन साथ ही स्पष्ट किया कि अगर उन्हें यह पद नही मिलता तो यह उनके लिए दुनिया का अंत नही होगा। अनुभवी बल्लेबाज फाफ डु प्लेसिस के तीनों प्रारूप की कप्तानी छोड़ने के बाद क्रिकेट दक्षिण अफ्रीका (सीएसए) टेस्ट टीम के लिए उपयुक्त कप्तान की तलाश में है। क्विंटन डिकाक को सीमित ओवरों के दोनों प्रारूपों की कप्तानी सौपी गई है, लेकिन दक्षिण अफ्रीका के क्रिकेट निदेशक ग्रीम स्मिथ ने इस विकेटकीपर बल्लेबाज को टेस्ट कप्तानी सौपने से इन्कार किया है जिसके बाद कई अन्य खिलाड़ी इस पद की दौड़ में शामिल हो गए है।

गिब्सन ने मुर्तजा को संन्यास लेने की सलाह दी

नई दिल्ली। बांग्लादेश के गेंदबाजी कोच ऑटिस गिब्सन ने टीम के शीर्ष गेंदबाज और पूर्व कप्तान मशरफे मुर्तजा को अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट से संन्यास लेने की सलाह देते हुए कहा कि वह मुख्य कोच रसेल डोमिंगो की 2023 विश्व कप योजना में शायद फिट नही बैठे। मुर्तजा ने जिम्बाब्वे के खिलाफ पिछली घरेलू श्रृंखला के बाद कप्तानी के पद से इस्तीफा दे दिया था। उन्होंने हालांकि अपने संन्यास की योजना के बारे में कुछ नही बताया। गिब्सन जनवरी में बांग्लादेश के गेंदबाजी कोच नियुक्त हुए है।

खेल मंत्रालय ने अभ्यास की अनुमति दी

● गृह मंत्रालय के दिशानिर्देशों के अनुसार होंगी गतिविधियां

● जिम और तरणताल का उपयोग अब भी बंद रहेगा

भाषा। नई दिल्ली

खेल मंत्रालय ने सोमवार को अपने खेल परिसरों और स्टेडियमों में अभ्यास फिर से शुरू करने के लिए हरी झंडी दे दी। केंद्रीय गृह मंत्रालय ने कोरोना वायरस के चलते लगाए गए लॉकडाउन के चौथे चरण में इनको खोलने की अनुमित दी थी जिसके बाद खेल मंत्रालय ने यह फैसला किया। खेल मंत्री किरेन रीजीजू ने कहा कि गृह मंत्रालय के दिशानिर्देशों का सख्ती से पालन करते हुए खेल परिसरों और स्टेडियमों में खेल गतिविधियां शुरू कर दी जाएंगी लेकिन जिम और तरणताल अभी बंद रहेंगे। कोविड-19 बीमारी के कारण अभ्यास शिविर मार्च से ही बंद हैं। मुझे खिलाड़ियों और सभी संबंधित लोगों को यह सूचित करते हुए खुशी हो रही है कि गृह मंत्रालय और संबंधित राज्यों के दिशानिर्देशों का सख्ती से पालन करते हुए खेल परिसरों और स्टेडियमों में खेल गतिविधियां संचालित की जाएगी। हालांकि जिम और तरणताल का उपयोग अब भी बंद रहेगा। भारत में अभी केवल इंडियन प्रीमियर लीग (आईपीएल) के रूप में ही सबसे बड़ी प्रतियोगिता का आयोजन होना है जिसे अप्रैल में अनिश्चित काल के लिए स्थगित कर दिया गया था। खेल मंत्री की घोषणा के बावजूद आईपीएल के हाल फिलहाल खाली स्टेडियमों में शुरू होने की संभावना भी नहीं है क्योंकि घरेलू और अंतरराष्ट्रीय यात्रा पाबंदियां अब भी पहले की तरह लागू हैं।

आरबीआई कर्ज अदायगी पर तीन महीनों के लिए बढ़ा सकता है ऋण स्थगनः रिपोर्ट

मुंबई। भारतीय स्टेट बैंक (एसबीआई) की एक शोध रिपोर्ट के मुताबिक सरकार के देशव्यापी लॉकडाउन को 31 मई तक बढ़ाने के चलते भारतीय रिजर्व बैंक (आरबीआई) कर्ज अदायगी पर जारी ऋण स्थगन को और तीन महीनो के लिए बढ़ा सकता है। राष्ट्रीय आपदा प्रबंधन प्राधिकरण (एनडीएमए) ने रविवार को कोरोना वायरस महामारी के प्रकोप को रोकने के लिए जारी लॉकडाउन को 31 मई तक बढ़ाने की घोषणा की थी। कोविड-19 महामारी का मुकाबला करने के लिए प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने 24 मार्च को 21 दिनो के लिए लॉकडाउन की घोषणा की थी। इसे पहले तीन मई तक और फिर 17 मई तक बढ़ाया गया था। आरबीआई ने मार्च में ही एक मार्च, 2020 से 31 मई, 2020 के बीच सभी सावधि ऋणो के भुगतान पर तीन महीने की मोहलत दी थी।

अगले साल के अंत तक बढ़ने लगेगी अमेरिकी अर्थव्यवस्था : फेडरल रिजर्व

वाशिंगटन। अमेरिकी फेडरल रिजर्व के चेयरमैन जेरोम पॉवेल ने कहा कि कोरोना वायरस महामारी के कारण मंदी से गुजर रही अमेरिकी अर्थव्यवस्था में जल्द सुधार होगा और वह अगले साल के अंत तक तेजी से बढ़ने लगेगी। राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप के एक शीर्ष आर्थिक सलाहकार ने कहा था कि चीन से अपने विनिर्माण संयंत्रो को वापस अमेरिका लाने के लिए अमेरिकी कंपनियो को कर प्रोत्साहन देना चाहिए। इसके एक दिन बाद पॉवेल का यह बयान आया। कोविड-19 महामारी को लेकर चीन के रुख पर अमेरिका ने निराशा व्यक्त की है। इस बीमारी के चलते अमेरिका में 90,000 से अधिक लोगो की मौत हो चुकी है। चीन दुनिया की दूसरी सबसे बड़ी अर्थव्यवस्था है और दोनों देशों के बीच इस साल की शुरुआत में एक व्यापार समझौते पर दस्तखत हुए थे, जिसके बाद माना गया कि पिछले दो साल से जारी व्यापार युद्ध का अंत हो गया है। हालांकि, कोरोना वायरस महामारी के बाद दोनों देशो के बीच नए सिरे से मतभेद उभरते हुए दिख रहे है।

पाबंदियों में ढील से और भी वाहन कारखाने चालू

नई दिल्ली। कोरोना वायरस महामारी की रोकथाम के लिए देशभर में लागू लॉकडाउन की पाबंदियों में ढील के साथ ही उद्योग-धंधे धीरे-धीरे रफ्तार पकड़ने लगे है। देश की सबसे बड़ी कार विनिर्माता मारुति सुजुकी ने सोमवार को अपना गुरुग्राम संयंत्र भी चालू कर दिया। किआ मोटर्स जैसी कुछ वाहन और कल पुर्जा निर्माता कंपनियों ने उत्पादन संयंत्रों, शोरूम खोलने की घोषणा की है। यात्री कार बनाने वाली देश की सबसे बड़ी कंपनी मारुति सुजुकी इंडिया (एमएसआई) ने सोमवार को एक बयान में बताया कि उसने मनेसर संयंत्र के बाद गुरुग्राम स्थित संयंत्र को भी शुरू कर दिया है। कंपनी ने मनेसर संयंत्र को इस महीने की शुरुआत में खोला था, जबकि गुरुग्राम संयंत्र में सोमवार से काम-काज शुरू हुआ है। कंपनी ने कहा कि उसने पिछले कुछ दिनो में 5,000 से अधिक कारों की डिलिवरी की है। इसके अलावा मानक परिचालन प्रक्रियाओ (एसओपी) का पालन करते हुए कंपनी ने।,350 से अधिक मारुति सुजुकी शोरूम और 300 से अधिक ट्रू वैल्यू आउटलेट भी शुरू कर दिए है। कंपनी के प्रबंध निदेशक (एमडी) एवं मुख्य कार्यकारी अधिकारी (सीईओ) केनिची आयुकावा ने कहा कि कंपनी ने उपभोक्ताओ के लिए कार खरीदने का अनुभव पूरी तरह से सुरक्षित होना सुनिश्चित करने के लिए व्यापक मानदंड निर्धारित किए है। ए मानदंड केंद्र और राज्य सरकारो के दिशानिर्देशो पर आधारित है।

ईंधन की मांग बढ़नी शुरू, मई में बढ़ी खपत

नई दिल्ली। देश में पेट्रोल, डीजल की मांग में सुधार दिखने लगा है। कोरोना वायरस महामारी के कारण लॉकडाउन के चलते अप्रैल में ईंधन मांग में रिकार्ड गिरावट दर्ज की गई लेकिन मई माह में लॉकडाउन की शर्तो में कुछ ढील दिए जाने से इसमें कुछ सुधार दिखा है। मई के पहले पखवाड़े में ईंधन की मांग बढ़ी है। अप्रैल के पहले पखवाड़े के मुकाबले में इसमें काफी सुधार दिखाई दिया है। लॉकडाउन की शर्तो में कुछ ढील दिए जाने से पेट्रोल, डीजल की मांग बढ़ी हे। सरकारी क्षेत्र की कंपनियो के शुरुआती आंकड़ो के मुताबिक मई के पहले पखवाड़े में डीजल की खपत अप्रैल 2020 की इसी अवधि की तुलना में 75 प्रतिशत बढ़कर 19.30 लाख टन पर पहुंच गई। इसी प्रकार पेट्रोल की बिक्री इसी अवधि मे 72 प्रतिशत बढ़कर 5.75 लाख टन हो गई।

बाजार का उत्साह नहीं जगा सका प्रोत्साहन पैकेज

● सेंसेक्स 1,069 अंक लुढ़का

भाषा। मुंबई

बंबई शेयर बाजार का सेंसेक्स सोमवार को1,069 अंक का गोता लगाकर करीब छह सप्ताह के न्यूनतम स्तर पर बंद हुआ। विशेषज्ञों के अनुसार कोविड-19 से जुड़ी सार्वजनिक पाबंदियों की अवधि बढ़ाए जाने, सक्रमण के नए मामलों में वृद्धि तथा सरकार के वित्तीय प्रोत्साहन पैकेज से घरेलू निवेशकों में भरोसा न जगने से बाजार का उत्साह ठंडा रहा।

दुनिया के प्रमुख बाजारों में तेजी के बावजूद घरेलू शेयर बाजारों में गिरावट रही। बाजार के जानकारों का कहना है कि हालात से निपटने के लिए सरकार का पांच किस्तों में घोषित 20 लाख करोड़ रुपए का पैकेज निवेशकों का उत्साह नहीं बढ़ा सका है। इसके अलावा एक दिन में कोरोना वायरस संक्रमण मामले में सर्वाधिक वृद्धि से भी चिंता बढ़ी है। वित्तीय संस्थानों और वाहन कंपनियों के शेयरों में भारी बिकवाली के बीच तीस शेयरों वाला बीएसई सेंसेक्स।,068.75 अंक यानी 3.44 प्रतिशत लुढ़क कर 30,028.98 अंक जबकि एनएसई निफ्टी 313.60 अंक यानी 3.43 प्रतिशत टूटकर 8,823.25 अंक पर बंद हुआ। सेंसेक्स के शेयरों में सर्वाधिक नुकसान में इंडसइंड बैंक रहा। इसमें करीब 10 प्रतिशत की गिरावट आई। इसके अलावा एचडीएफसी, मारुति सुजुकी, एक्सिस बैंक और अल्ट्राट्रेक सीमेंट में भी गिरावट दर्ज की गई। दूसरी तरफ टीसीएस, इन्फोसिस, आईटीसी और एचसीएल टेक नुकसान में रहे। कोरोना वायरस संक्रमण की रोकथाम के लिए लॉकडाउन की अवधि चौथी बार बढ़ाए जाने को लेकर निवेशक थोड़े सतर्क नजर आएं। सरकार ने लॉकडाउन दो सप्ताह यानी 31 मई तक के लिए बढ़ा दिया है। आशिका स्टॉक ब्रोकिंग में इक्विटी शोध के अध्यक्ष पारस बोथरा ने कहा, वैश्विक बाजारों में सकरात्मक रुख के बावजूद घरेलू बाजार गिरावट के साथ खुला। घरेलू धारणा कमजोर रही।

अमेरिकी डॉलर के मुकाबले रुपया 33 पैसे टूटकर 75.91 पर हुआ बंद

मुंबई। घरेलू शेयर बाजार में गिरावट और विदेशी कोष के लगातार बाहर जाने से रुपया सोमवार को अमेरिकी डॉलर के मुकाबले 33 पैसे टूटकर 75.91 के स्तर पर बंद हुआ। मुद्रा कारोबारियो ने कहा कि कच्चे तेल की बढ़ती कीमतो और राजकोषीय प्रोत्साहन को लेकर स्पष्टता नही होने से निवेशको की भावनाएं कमजोर हुईं। इसके अलावा बाजार भागीदारो ने कहा कि देशव्यापी लॉकडाउन को बढ़ाने से आर्थिक सुधार प्रभावित हो सकता है।

बाजार में गिरावट के साथ निवेशकों को 3.65 लाख करोड़ रुपए की चपत

नई दिल्ली। बीएसई सेंसेक्स में सोमवार को।,069 अंक की गिरावट के साथ निवेशको को 3,65,469.88 करोड़ रुपए की चपत लगी। तीस शेयरों पर आधारित सेंसेक्स।,068.75 अंक यानी 3.44 प्रतिशत टूटकर 30,028.98 अंक पर बंद हुआ। शेयर बाजार में गिरावट से बीएसई में सूचीबद्ध कंपनियों का बाजार पूंजीकरण 3,65,469.88 करोड़ रुपए घटकर।,19,00,649.71 रुपए पर आ गया। बीएसई मे।,770 कंपनियो मे गिरावट दर्ज की गई जबकि 549 बढ़त में रही। वही 160 के भाव में कोई घट बढ़ नही हुई।

सैट 31 मई तक बंद रहेगा

नई दिल्ली। प्रतिभूति अपीलीय न्यायाधिकरण (सैट) में कामकाज लॉकडाउन की बढ़ी अवधि के दौरान बंद रहेगा। सरकार ने चौथे चरण में लॉकडाउन को 17 मई से 31 मई तक कर दिया है। इससे पहले सैट का कामकाज 15 मई तक बंद रखने का फैसला किया गया था। सैट ने रविवार को जारी अधिसूचना में कहा कि देशव्यापी लॉकडाउन को 31 मई तक बढ़ाने के चलते न्यायाधिकरण में न्यायिक काम पांच जून तक निलंबित रहेगा।

डा. लाल पैथ लैब का शुद्ध लाभ चौथी तिमाही में 31 प्रतिशत घटा

नई दिल्ली। बीमारियों का पता लगाने के लिए जांच घर चलाने वाली डा. लाल पैथ लैब का एकीकृत शुद्ध लाभ 31 मार्च 2020 को समाप्त तिमाही में 31.2 प्रतिशत घटकर 32.6 करोड़ रुपए रहा। डा. लाल पैथ लैब ने सोमवार को बंबई शेयर बाजार को दी सूचना में कहा कि इससे पूर्व वित्त वर्ष की इसी तिमाही में कंपनी का शुद्ध लाभ 47.4 करोड़ रुपए था।

उबर ने यात्रियों, चालकों के लिए मास्क पहनना अनिवार्य किया

नई दिल्ली। एप आधारित कैब सेवाएं देने वाली कंपनी उबर ने सोमवार को कहा कि कोरोना वायरस महामारी के जारी प्रकोप के बीच सुरक्षा सुनिश्चित करने के लिए उसने यात्रियों और चालकों के लिए मास्क अनिवार्य करने समेत कई उपाय किए है। सोमवार से लॉकडाउन का चौथा चरण शुरू हो गया है। इसमें राज्यों और केंद्र शासित प्रदेशों को विभिन्न श्रेणियों में क्षेत्रों को बांटने पर निर्णय लेने की शक्ति दी गई है। राज्यो के फैसले के आधार पर, उबर और ओला जैसी कंपनियां विभिन्न स्थानो में सेवाएं फिर से शुरू कर सकेंगी।

थाई एयरवेज दिवालिया कानून के तहत करेगी कारोबार का पुनर्गठन

बैंकॉक। थाईलैंड की प्रमुख विमानन कंपनी थाई एयरवेज अपने कारोबार को पुनर्गठित करने के लिए केंद्रीय दिवाला अदालत को जल्द एक योजना सौपेगी। कंपनी कोविड-19 संकट के पहले से नकदी की समस्या से जूझ रही है। सरकारी प्रवक्ता नारुमन पिनयोसिनवाट ने सोमवार को कहा कि कंपनी को संकट से उबारने के लिए उद्यम नीति कार्यालय ने एक योजना पेश की है।

अमेरिका के हुवावेई पर नए प्रतिबंध से दोनों देशों के बीच तल्खी बढ़ने की आशंका

हांगकांग। चीन की हुवावेई टेक्नोलॉजीस पर अमेरिका के नए प्रतिबंधों से चीन का प्रौद्योगिकी उद्योग खतरे में पड़ सकता है। वहीं इस कदम से दोनों देशों के बीच तल्खी बढ़ सकती है जिससे दुनियाभर का प्रौद्योगिकी उद्योग बाधित होने की आशंका है। हुवावेई दुनिया की सबसे बड़ी स्मार्टफोन और नेटवर्क उपकरण बनाने वाली कंपनी है। लेकिन अमेरिका के विदेशी कंपनियों द्वारा अमेरिकी प्रौद्योगिकी इस्तेमाल पर रोक लगाने से हुवावेई का 123 अरब डॉलर का सालाना कारोबार खतरे में पड़ सकता है। हुवावेई अमेरिकी प्रौद्योगिकी का इस्तेमाल कर प्रोसेसर चिप का निर्माण करती है। अमेरिका के इस कदम से बीजिंग के साथ उसकी तल्खी बढ़ सकती है, क्योंकि हुवावेई चीन की न सिर्फ सबसे सफल निजी कंपनी है। बल्कि चीन की सत्तासीन कम्युनिस्ट पार्टी इसे प्रौद्योगिकी क्षेत्र में चीन को वैश्विक प्रतिस्पर्धी देश बनाने वाले प्रतिष्ठान के रूप में भी प्रचारित करती है। चीन के समाचार पत्र चाइना डेली की रविवार की रपट के अनुसार, अमेरिका हुवावेई को खत्म करना चाहता है। चीन के वाणिज्य मंत्रालय ने सोमवार को चेतावनी दी कि वह चीन की कंपनी के हितों और विधाई अधिकारों की रक्षा करेगा। हालांकि चीन ने बदले की कार्वाई वाले संभावित कदमों की जानकारी नहीं दी। चीन पूर्व में अविश्वसनीय इकाइयों की सूची जारी करने की धमकी दे चुका है जिनका परिचालन बंद कराया जा सकता है। इस बीच शेनझेन से मिली खबर के मुताबिक हुवावेई ने अमेरिका का सेमीकंडक्टरों को लेकर लगाया गया नया प्रतिबंध एक हानिकारक हमला है।

बीएसई, एनएसई ने लघु, मझोले उद्यमों के लिए सालाना सूचीबद्धता शुल्क में 25 प्रतिशत की कटौती की

नई दिल्ली। प्रमुख शेयर बाजार बीएसई और एनएसई ने सोमवार को अपने-अपने एसएमई मंचो पर सूचीबद्धता शुल्क 25 प्रतिशत कम करने के निर्णय किए। कोरोना वायरस महामारी के कारण लघु एवं मझोले उद्यमों के समक्ष आ रही चुनौतियो के बीच यह कदम उठाया गया है। सूक्ष्म, लघु एवं मझोले उद्यमों को राहत देने की वित्त मंत्री निर्मला सीतारममण की घोषणाओं के बाद इन बजारों ने शुल्क घटाया है।

केनरा बैंक ने स्वर्ण के बदले कर्ज के लिए अलग कारोबार इकाई शुरू किया

बेंगलुरू। केनरा बैंक ने ग्राहकों के लिए सोना गिरवी रखकर कर्ज के लिए एक अलग से विशेष कारोबार इकाई शुरू किया है। कोरोना वायरस महामारी के कारण ग्राहकों के समक्ष आने वाली धन संबंधी चुनौतियों को देखते हुए बैंक ने यह कदम उठाया है।

निर्णय नहीं लेने वाले राजमार्ग परियोजनाओं से जुड़े अधिकारियों के खिलाफ होगी कार्वाईः गडकरी

भाषा। नई दिल्ली

केंद्रीय मंत्री नितिन गडकरी ने कड़ा संदेश देते हुए कहा है कि सरकार उन अधिकारियों को हटाने या उनका दर्जा कम करने पर विचार करेगी जिनके निर्णय लेने में हिचकिचाहट से राजमार्ग परियोजनाओं का कार्य प्रभावित हो रहा है। उन्होंने यह भी कहा कि कई परियोजनाओं पर कोरोना वायरस की रोकथाम के लिए जारी लॉकडाउन (बंद) के कारण भी असर पड़ा है। गडकरी ने बातचीत में कहा, फाइलों को दबाकर बैठे रहने और निर्णय नहीं लेने वाले अधिकारियों को काफी चेतावनी दी जा चुकी है। इसके कारण बड़ी संख्या में राजमार्ग परियोजनाएं प्रभावित हो रही हैं। अब समय आ गया है कि ऐसे अधिकारी जो पदोन्नत होने और निर्णय लेने के अधिकार के बावजूद फैसला नहीं कर पा रहे, उनका दर्जा कम किया जाएगा या उन्हें हटाया जाएगा तथा ऐसे को मौका दिया जाएगा जो वास्तव में काम करना चाहते हैं। सड़क परिवहन, राजमार्ग एवं एमएसएमई (सूक्ष्म, लघु एवं मझोले उद्यम) मंत्री गडकरी ने राजमार्ग परियोजनाओं के संदर्भ में हुए नुकसान की भरपाई और उन्हें पटरी पर लाने के लिए अगले दो साल में 15 लाख करोड़ रुपए मूल्य की पड़क परियोजनाओं के निर्माण लक्ष्य पहले ही तय कर चुके हैं।

तनाव के बीच डब्ल्यूएचओ का सम्मेलन शुरू

● **चीन-अमेरिका के बीच का तनाव कोविड-19 संकट से निपटने के मजबूत कदमों को पटरी से उतार सकता है**

भाषा। जिनेवा

विश्व स्वास्थ्य संगठन (डब्ल्यूएचओ) का सम्मेलन पहली बार ऑनलाइन माध्यम के जरिए होने जा रहा है और वह भी ऐसे माहौल में जब चीन-अमेरिका के बीच का तनाव कोविड-19 संकट से निपटने के मजबूत कदमों को पटरी से उतार सकता है। विश्व स्वास्थ्य संगठन का सम्मेलन अमूमन तीन सप्ताह का होता है लेकिन इस बार सिर्फ दो दिन सोमवार और मंगलवार को आयोजित किया जा रहा है। ऐसी संभावना है कि इस बार सम्मेलन में मुद्दा सिर्फ कोविड-19 पर ही केंद्रित रहे। कोरोना वायरस संक्रमण की वजह से दुनिया भर में तीन लाख से ज्यादा लोगों की जान जा चुकी है और दुनिया भर में 47 लाख लोग संक्रमित हैं। इस सम्मेलन में दुनिया भर के सरकार के प्रतिनिधि, स्वास्थ्य मंत्री और अन्य पदाधिकारी हिस्सा लेंगे। सम्मेलन सोमवार दोपहर से शुरू होगा। डब्ल्यूएचओ प्रमुख टेड्रोस अधोनोम घेब्रेयसस ने शुक्रवार को बताया कि यह सम्मेलन डब्ल्यूएचओ की 1948 में हुई स्थापना के बाद से सबसे महत्वपूर्ण बैठकों में से एक है। हालांकि इस संकट से निपटने के लिए वैश्विक स्तर पर किसी भी सहमति तक पहुंचने की संभावना अमेरिका और चीन के बीच बढ़ते तनावपूर्ण संबंधों की वजह से मुश्किल है।

अमेरिका के राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने पिछले सप्ताह चीन के साथ संबंधों को खत्म करने की चेतावनी दी थी। पिछले साल चीन से यह महामारी उभरी थी और इसके प्रसार को रोकने में चीन की भूमिका पर ट्रंप ने कई सवाल खड़े किए थे और बिना सत्यापित प्रमाण के यहां तक कह दिया था कि यह वायरस चीन की प्रयोगशाला से बाहर आया है। हालांकि इस तनाव के बाद भी देशों को उम्मीद है कि वह इस पर सर्वसम्मति तक पहुंचेंगे। इस संबंध में यूरोपीय संघ ने एक प्रस्ताव पेश किया है और अंतरराष्ट्रीय स्तर पर इससे निपटने के लिए उठाए गए कदमों की निष्पक्ष, स्वतंत्र और वृहत मूल्यांकन की मांग की है। यूरोपीय संघ के एक सूत्र ने इस मसौदा प्रस्ताव को महत्वाकांक्षी करार दिया है और इशारा किया है कि अगर उम्मीद के मुताबिक इस पर सहमति बनती है तो ऐसा पहली बार होगा जब एक वैश्विक मंच पर कोविड-19 से निपटने के तरीकों के मसौदे पर सर्वसम्मति वाला समर्थन प्राप्त हो। सूत्रों के मुताबिक देशों ने बेहद विवादास्पद सवालों को भी नहीं छोड़ा है और डब्ल्यूएचओ में भी सुधार की मांग की है क्योंकि देशों का मानना है कि इतने बड़े स्तर वाले संकट को रोक पाने में इसके पास प्रयाप्त क्षमता नहीं है। वहीं ताइवान को कई वर्षों तक इस सम्मेलन में पर्यवेक्षक के रूप में शामिल होने का निमंत्रण मिलता रहा लेकिन 2016 में इसे बंद कर दिया गया क्योंकि ताइवान के राष्ट्रपति तसाई इंग-वेन ने ताइवान को एक चीन का हिस्सा मानने की अवधारणा को मान्यता देने से इनकार कर दिया। बेलीज, ग्वाटेमाला समेत 15 देशों ने डब्ल्यूएचओ प्रमुख को इस एजेंडे में ताइवान की भागीदारी के सवाल को शामिल करने के लिए पत्र लिखा है। हालांकि ऐसा करने वालों में अमेरिका शामिल नहीं है।

मैड्रिड में कोविड-19 के संक्रमण को रोकने के लिए सरकार द्वारा लगाए गए लॉक-डाउन के विरोध में सैकड़ों लोगों ने किया प्रदर्शन

भारत सरकार ओसीआई वीजा मुद्दे पर जल्द ही फैसला लेगी : मंत्री

भाषा। वाशिंगटन

ओसीआई (प्रवासी भारतीय नागरिक) कार्ड धारकों के दीर्घकालिक वीजा पर लगी अस्थाई रोक को लेकर प्रवासी भारतीयों के मन में बैठे भय को दूर करने का प्रयास करते हुए विदेश राज्य मंत्री वी. मुरलीधरन ने कहा है कि सरकार जल्द ही इस संबंध में उचित निर्णय लेगी। उन्होंने सरकार द्वारा हाल में घोषित आर्थिक सुधारों के मद्देनजर भारतीय प्रवासी समुदाय के सदस्यों को देश में निवेश करने के लिए भी आमंत्रित किया।

फेडरेशन ऑफ इंडियन एसोसिएशन्स (एफआईए) और बिहार झारखंड एसोसिएशन ऑफ नॉर्थ अमेरिका की ओर से रविवार को कोविड-19 पर भारतीय-अमेरिकियों के साथ रखी गई ऑनलाइन चर्चा में मुरलीधरन के हिस्सा लेने पर उन्हें ओसीआई कार्ड के मुद्दे पर पूछे गए कई सवालों का सामना करना पड़ा। उन्होंने कहा कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी इससे अवगत हैं और जल्द ही इसपर उचित निर्णय लेंगे। बड़ी संख्या में भारतीय नागरिक जिनके बच्चे ओसीआई कार्ड धारक हैं और भारतीय मूल के कई लोग जिनके पास यह कार्ड है, वे दीर्घावधि के वीजा पर लगी अस्थाई रोक के कारण भारत की यात्रा नहीं कर पा रहे हैं। जयपुर फुट अमेरिका के प्रमुख प्रेम भंडारी ने कहा, यह भारतीय मूल के लोगों के साथ सौतेला व्यवहार है और इसके स्वभाव एवं भाव के खिलाफ है। मुरलीधरन ने एक प्रश्न के उत्तर में कहा कि प्रधानमंत्री मोदी, विदेश मंत्री एस जयशंकर और गृह मंत्री अमित शाह समेत भारत का शीर्ष नेतृत्व निजी तौर पर इस मुद्दे से अवगत है और उन्हें प्रवासी भारतीय समुदाय की भारतीयता पर किसी प्रकार का संदेह नहीं है। उन्होंने चर्चा के प्रतिभागियों को आश्वस्त किया कि प्रधानमंत्री शीघ्र ही इसपर निर्णय करेंगे और कहा, मैं ओसीआई कार्ड धारकों के दुख को समझता हूं। कृपया मन में किसी तरह का द्वेष न रखें। मुरलीधरन ने प्रवासियों से कोरोना वायरस संकट के मद्देनजर केंद्रीय वित्त मंत्री निर्मला सीतारमण द्वारा घोषित बड़े आर्थिक सुधारों से उपलपब्ध अवसर का लाभ लेने और भारत में निवेश करने की अपील की।

नेपाल में कोविड-19 से संक्रमित मरीजों का आंकड़ा 300 से पार

काठमांडू। नेपाल में कोविड-19 के नौ नए मामले सामने आने के बाद संक्रमित मरीजों की संख्या 300 से अधिक हो गई। स्वास्थ्य अधिकारियों ने यह जानकारी दी।

स्वास्थ्य मंत्रालय ने एक बयान में बताया गया कि देश के दक्षिणी राउतहाट जिले में 21-30 वर्ष के सात युवकों में कोरोना वायरस संक्रमण की पुष्टि हुई जबकि बारा जिले में 28 वर्षीय एक महिला और 38 वर्षीय एक पुरूष भी संक्रमित पाए गए। नेपाल में इन नए मरीजों के साथ साथ ही सोमवार तक कोरोना वायरस से संक्रमित लोगों क संख्या 304 हो गई। उनमें से अबतक 36 लोग स्वस्थ हो चुके हैं जबकि दो मरीजों की मौत हुई है। नेपाल में उच्च स्तरीय समिति ने कोरोना वायरस के मामलों में बढ़ोत्तरी को देखते हुए लॉकडाउन को अगले 15 दिन के लिए बढ़ाने की सिफारिश की है। देश में सोमवार की आधी रात को लॉकडाउन समाप्त होना था। लॉकडाउन 24 मार्च को लगाया गया था।

सोशल मीडिया पर इस्लाम विरोधी पोस्ट के कारण दुबई में एक भारतीय की नौकरी गई

भाषा। दुबई

संयुक्त अरब अमीरात (यूएई) में एक खनन कंपनी में काम करने वाले एक भारतीय को सोशल मीडिया पर इस्लाम विरोधी पोस्ट के कारण अपनी नौकरी गंवानी पड़ी है। गल्फ न्यूज के मुताबिक ब्रजकिशोर गुप्ता को बिना किसी नोटिस के नौकरी से हटा दिया गया। उसने फेसबुक पर अपने पोस्ट में भारतीय मुसलमानों को कोरोना वायरस फैलाने वाला और दिल्ली दंगों की तारीफ करते हुए इसे दैवीय न्याय बताया था। बिहार के छपरा का निवासी गुप्ता रास अल खामैया शहर में खनन कंपनी स्टीविन रॉक के मुख्यालय में काम करता था।

कंपनी के कारोबार विकास और अन्वेषण प्रबंधक जीन फ्रंकोइस मिलान ने बताया, घटना में एक कनिष्ठ कर्मचारी शामिल था। मामले की जांच की गई और स्टीविन रॉक से जुड़े इस कर्मचारी को बिना किसी नोटिस के नौकरी से हटा दिया गया। मिलान के हवाले से खबर में कहा गया है, हमारी कंपनी यूएई सरकार के निर्देशों का पालन करते हुए समानता और सौहर्द्र को बढ़ावा देती है। नस्लवाद या भेदभाव की कड़ी भर्त्सना की जाती है। हमने अपने सभी कर्मचारियों को,चाहे वे किसी भी धर्म या मूल के हों, नोटिस भेजकर कहा है कि इस तरह का व्यवहार अस्वीकार्य है और ऐसे मामलों में तुरंत बर्खास्तगी की जाएगी। इस महीने के आरंभ में सोशल मीडिया पर इस्लाम विरोधी पोस्ट के कारण यूएई में तीन भारतीय को नौकरी से या तो बर्खास्त किया गया गया या निलंबित कर दिया गया। इससे पहले 20 अप्रैल को यूएई में भारतीय राजदूत पवन कपूर ने भारतीय प्रवासियों को इस तरह के व्यवहार के खिलाफ चेताया था। पिछले महीने, शारजाह में रहने वाले कारोबारी सोहन रॉय को अपनी कविता के जरिए धार्मिक भावनाओं को चोट पहुंचाने के लिए माफी मांगनी पड़ी थी। मार्च में दुबई में एक रेस्तरां में रसोइए का काम करने वाले त्रिलोक सिंह को नौकरी से हटा दिया गया था।

पोम्पिओ ने चीन को हांगकांग की स्वायत्तता स्वतंत्रता में दखल न देने की चेतावनी दी

भाषा। वाशिंगटन

अमेरिका के विदेश मंत्री माइक पोम्पिओ ने चीन को हांगकांग की स्वायत्तता एवं स्वतंत्रता में दखल ना देने की चेतावनी देते हुए कहा कि यह निश्चित तौर पर अमेरिका के एक देश, दो प्रणाली और क्षेत्र की स्थिति के आकलन को प्रभावित करेगा।

हांगकांग का एक देश, दो प्रणाली के तहत 1997 में चीन में विलय हो गया था। इस सिद्धांत के तहत हांगकांग को चीन कुछ हद तक स्वायत्तता प्रदान करता है, जिसे आधिकारिक तौर पर हांगकांग विशेष प्रशासनिक क्षेत्र कहा जाता है। पोम्पिओ ने सख्त अल्फाज में कहा, चीन-ब्रिटिश संयुक्त घोषणा और बुनियादी कानून के तहत हांगकांग की स्वायत्तता एवं स्वतंत्रता पर कोई भी निर्णय निश्चित तौर पर एक देश, दो प्रणाली और क्षेत्र की स्थिति के हमारे आकलन को प्रभावित करेगा। उन्होंने कहा, हाल ही में मुझे पता चला है कि चीनी सरकार ने हांगकांग में अमेरिकी पत्रकारों के काम में हस्तक्षेप करने की धमकी दी है। पोम्पिओ ने कहा कि ए पत्रकार स्वतंत्र मीडिया का हिस्सा हैं, कोई प्रचारक नहीं और अपनी रिपोर्टिंग के जरिए ए चीन के नागरिकों और विश्व को जानकारी मुहैया कराते हैं। ब्रेइटबार्ट न्यूज नेटवर्क और सिरियसएक्सएम पैट्रियट को दिए साक्षात्कार में पोम्पिओ ने कहा था उन्हें हांगकांग में विदेशी पत्रकारों को मिल रही धमकियों के बार में पता चला है।

कोविड-19 ने संयुक्त राष्ट्र की महत्वपूर्ण भूमिका को रेखांकित किया हैः तुर्की के राजदूत

संयुक्त राष्ट्र। तुर्की के वरिष्ठ राजदूत ने कहा कि कोरोना वायरस वैश्विक महामारी ने संयुक्त राष्ट्र और उसकी एजेंसियों की महत्वपूर्ण भूमिका को रेखांकित किया है और यह प्रभावी बहुपक्षवाद के महत्व को और पुख्ता करती है। तुर्की के राजदूत वोल्कान बोज़किर ने संयुक्त राष्ट्र के सदस्य देशों के साथ शुक्रवार को ऑनलाइन चर्चा में यह बात कही। बोज़किर सितंबर में शुरू होने वाले संयुक्त राष्ट्र महासभा के 75वें सत्र के अध्यक्ष पद के लिए इकलौते उम्मीदवार हैं और उनका निर्वाचित होना लगभग तय है। इस दौरान उन्होंने विश्व के प्रमुख बहुपक्षीय मंच के अध्यक्ष पद के लिए अपनी प्राथमिकताओं को भी रेखांकित किया। वह तुर्की की विदेश सेवा में 40 वर्ष तक काम कर चुके हैं। उन्होंने कहा, यह महामारी संयुक्त राष्ट्र के गठन के 75वर्ष में फैली है। यह प्रभावी बहुपक्षवाद के महत्व को खासतौर पर संयुक्त राष्ट्र और उसकी एजेंसियों के महत्वपूर्ण भूमिका को और पुख्ता करती है।

अफगानिस्तान में तालिबान हमले के बाद घटनास्थल पर तैनात सुरक्षा बल के जवान

चीन में कोरोना वायरस संक्रमण के 25 नए मामले

● **बिना लक्षण वाले संक्रमण के सबसे ज्यादा मामले वुहान में**

भाषा। बीजिंग

चीन में कोरोना वायरस संक्रमण के 25 नए मामले सामने आए हैं स्वास्थ्य अधिकारियों ने सोमवार को बताया कि इनमें से 14 मामले वुहान में हैं जिनमें मरीजों में संक्रमण के लक्षण नहीं दिखे हैं।

सबसे पहले वुहान से ही कोरोना वायरस संक्रमण के मामले सामने आने शुरू हुए थे। अब यहां 1.1 करोड़ नागरिकों की कोरोना वायरस जांच की जा रही है। हालांकि चीन में इस संक्रमण से मौत का कोई भी नया मामला सामने नहीं आया है और मृतक संख्या 4,634 ही बनी हुई है। चीन के राष्ट्रीय स्वास्थ्य आयोग (एनएचसी) ने रविवार को कोरोना वायरस संक्रमण के सात नए मामलों की पुष्टि की है। वहीं 18 ऐसे लोग हैं जिनमें संक्रमण के लक्षण नहीं हैं। जिलिन प्रांत में कुछ स्थानों पर संक्रमण के नए मामले सामने आने के बाद सरकार ने कोरोना वायरस संक्रमण को नियंत्रण में रखने के लिए पिछले कुछ दिनों में कड़े कदम उठाए हैं। रविवार को यहां संक्रमण के दो तथा शंघाई शहर में एक नया मामला सामने आया है।

रविवार तक चीन में संक्रमण के 82,954 मामलों की पुष्टि हो चुकी है। इनमें से अब सिर्फ 82 मरीजों का इलाज चल रहा है। वहीं 78,238 मरीजों को अस्पताल से छुट्टी मिल चुकी है। आयोग ने कहा कि रविवार को संक्रमण के लक्षण नहीं दिखने वाले 18 नए मामले सामने आए हैं और अब तक ऐसे 448 लोगों को चिकित्सीय निगरानी में रखा गया है।

10 साल की भारतीय-अमेरिकी बच्ची को ट्रम्प ने किया सम्मानित

भाषा। वाशिंगटन

अमेरिका के राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रम्प ने कोविड-19 से निपटने के लिए अग्रिम मोर्चे पर तैनात नर्सों और दमकल विभाग के कर्मियो को कुकीज और कार्ड भेजने वाली 10 साल की श्रव्या अन्नापारेड्डी को सम्मानित किया है। श्रव्या गर्ल स्काउट ट्रूप की सदस्य है और मैरीलैंड के हनोवर हिल्स एलीमेंट्री स्कूल की चौथी कक्षा की छात्रा है।

राष्ट्रपति ट्रम्प और प्रथम महिला मेलानिया ट्रम्प ने शुक्रवार को कोरोना वायरस संकट से निपटने के लिए अग्रिम मोर्चे पर तैनात कर्मियों की मदद कर रहे अमेरिकी नायकों को सम्मानित किया, जिसमें यह बच्ची भी शामिल है। वाशिंगटन टाइम्स ने एक खबर में राष्ट्रपति के हवाले से कहा कि आज हम जिन पुरुषों और महिलाओं को सम्मानित कर रहें है, वे हमें याद दिलाते हैं कि कठिन समय में भी जो स्नेह हमें बांधता है वह हमें नई उंचाइयों तक ले जा सकता है। श्रव्या गर्ल स्काउट की उन तीन बच्चियों में शामिल हैं, जिन्हें ट्रम्प ने सम्मानित किया। उसके माता-पिता आंध्र प्रदेश के हैं। खबर के अनुसार गर्ल स्काउट की इन लड़कियों ने स्थानीय डॉक्टरों, नर्सों और दमकल कर्मियों को कुकीज के 100 डब्बे भेजे थे। इन्होंने उन्हें हाथ से बनाकर 200 कार्ड भी भेजे थे। चीन के वुहान से पिछले साल दिसम्बर में फैलना शुरू हुए इस वायरस से विश्वभर में 40.7 लाख लोग संक्रमित हैं और इससे 3,15,185 लोग मारे गए हैं। अमेरिका में इससे 89,562 लोगों की जान गई है और 14 लाख से अधिक लोग इससे संक्रमित हैं।

अफगानिस्तान में तालिबान के आत्मघाती हमलावर ने नौ कर्मियों की जान ली

● **40 कर्मी घायल**

एपी। काबुल

पूर्वी अफगानिस्तान में सोमवार को एक आत्मघाती हमलावर ने खुफिया विभाग के दफ्तर के पास चोरी किए हुए सैन्य वाहन हमवी से विस्फोट किया जिसमें विभाग के कम से कम नौ कर्मियों की मौत हो गई।। अफगान अधिकारियों ने यह जानकारी दी। तालिबान ने इस हमले की जिम्मेदारी ली है। पूर्वी गजनी प्रांत के प्रांतीय गवर्नर के प्रवक्ता आरिफ नूरी ने कहा कि यह हमला गजनी शहर के पास हुआ जिसमें खुफिया विभाग के कम से कम 40 कर्मी घायल हो गए। उनमें आठ की हालत गंभीर थी और उन्हें इलाज के लिए राजधानी काबुल ले जाया गया है।

पहले सात के मरने की खबर आई थी लेकिन अफगान गृहमंत्री के प्रवक्ता तारिक अरियान ने मृतकों के नए आंकड़े की पुष्टि की है। नूरी ने कहा कि हमलवार ने चोरी किए हुए सैन्य वाहन हमवी का इस्तेमाल किया। उसने खुफिया विभाग के कार्यालय के मुख्य प्रवेश द्वार को निशाना बनाया और वहां से गुजरते हुए विस्फोटकों से भरे इस वाहन को उड़ा दिया। तालिबान के प्रवक्ता जबीहुल्ला मुजाहिद ने कहा कि गजनी प्रांत में हमले के लिए उसका संगठन जिम्मेदार है। इस क्षेत्र के अधिकतर ग्रामीण क्षेत्रों पर तालिबान का कब्जा है। गजनी हाल के वर्षों में दो बार तालिबान के नियंत्रण में रहा है। इस हमले से एक दिन पहले देश के राष्ट्रपति अशरफ गनी और उनके राजनीतिक प्रतिद्वंद्वी अब्दुल्ला अब्दुल्ला ने सत्ता साझा करने के लिए समझौते पर हस्ताक्षर किए थे। इससे दो माह पूर्व दोनों ने सितंबर में हुए राष्ट्रपति चुनावों में खुद को विजेता बताया था। इस राजनीतिक समझौते के तहत गनी ही युद्धग्रस्त देश के राष्ट्रपति बने रहेंगे और अब्दुल्ला देश की राष्ट्रीय सुलह समझौता उच्च परिषद की कमान संभालेंगे। इससे पहले, पिछले मंगलवार को चरमपंथियों ने काबुल में गर्भवती महिलाओं के एक अस्पताल में विस्फोट कर दिया था जिसमें कई मांओं,नर्सों और दो नवजात शिशुओं समेत 24 की मौत हो गई थी। हमले में अस्पताल में मौजूद 16 अन्य लोग घायल भी हो गए थे।

अमेरिका 161 भारतीयों को इस सप्ताह भेजेगा स्वदेश

भाषा। वाशिंगटन

अमेरिका इस सप्ताह 161 भारतीय नागरिकों को वापस भेजेगा। इनमें से अधिकतर गैर कानूनी तरीके से मेक्सिको से लगी दक्षिणी सीमा से देश में दाखिल हुए थे। विशेष विमान में उन्हें पंजाब के अमृतसर ले जाया जाएगा। उत्तर अमेरिकी पंजाबी संघ (एनएपीए) के कार्यकारी निदेशक सतनाम सिंह चहल के अनुसार, इनमें सबसे अधिक 76 लोग हरियाणा के हैं। इसके बाद पंजाब के 56 , गुजरात के 12 , उत्तर प्रदेश के पांच, महाराष्ट्र के चार, केरल, तेलंगाना और तमिलनाडु के दो-दो और आंध्र प्रदेश तथा गोवा का एक-एक व्यक्ति है।

उन्होंने बताया कि ए लोग अमेरिका की 95 जेलों में बंद।,739 भारतीयों में शामिल हैं। इन लोगों को अवैध तरीक से अमेरिका में प्रवेश की कोशिश करते हुए, आव्रजन एवं सीमा शुल्क प्रवर्तन या आईसीई द्वारा गिरफ्तार किया गया था। आईसीई की रिपोर्ट के अनुसार अमेरिका ने 2018 में 611 और 2019 में।,616 भारतीयों को वापस भेजा था। एनएपीए ने बताया कि 161 लोगों में तीन महिलाएं हैं और हरियाणा का 19 वर्षीय एक किशोर भी है। चहल ने कहा, अमेरिकी जेलों में बंद अन्य भारतीय नागरिकों के साथ आगे क्या होगा, इसकी कोई जानकारी नहीं है। हिरासत में लिए गए अधिकतर लोगों ने शरण मांगी थी और दावा किया था कि उन्होंने अपने देश में हिंसा या उत्पीड़न का सामना किया है। अमेरिकी न्यायाधीश हालांकि पिछले कई वर्षों से उनकी याचिका खारिज कर रहे हैं।

वर्षों से उनके साथ काम कर रहे चहल ने आरोप लगाया कि उत्तर भारत, विशेष रूप से पंजाब में मानव तस्करों और अधिकारियों की सांठगांठ है, जो युवाओं को अपने घर छोड़ने और अवैध रूप से अमेरिका में प्रवेश करने के लिए उकसाते रहते हैं। ए दलाल और एजेंट एक व्यक्ति से करीब 30 -35 लाख रुपए लेते हैं। बयान में चहल ने पंजाब और केन्द्र सरकार से इन अवैध एजेंटों के खिलाफ कदम उठाने की अपील भी की है।

बीमार भारतीय ने संयुक्त अरब अमीरात से स्वदेश लौटने में मदद की लगाई गुहार

भाषा। दुबई

कोविड-19 महामारी के दौरान संयुक्त अरब अमीरात से स्वदेश वापसी में मदद की भावुक अपील कर रहे लकवा के शिकार 79 वर्षीय भारतीय व्यक्ति कहते हैं, मैं बाकी जिंदगी केरल में जीना चाहता हूं। मैं आखिरी सांस अपनी मातृभूमि में लेना चाहता हूं। बावन साल पहले नौके से संयुक्त अमीरात आने, टेलरिंग की दो दुकानें और अजमान में एक ट्रेडिंग कंपनी चलाने का दावा करने वाले के. राघवन अपना कारोबार चरमरा जाने से कर्ज तले दब गए और वापस लौटने में असमर्थ हो गए।

उन्हें अल्सर हो गया है एवं आधा जिस्म लकवा ग्रस्त है। अबतक, उन्होंने अपनी जिंदगी में जो भी कमाया था, वह सभी गंवा बैठे। अब वह दुबई के जाफिलिया में एक तंग कमरे में रहते हैं। गल्फ न्यूज की खबर के अनुसार तीन साल पहले उनका वीजा खत्म हो गया और वह उसका नवीकरण नहीं करा पाए क्योंकि उन पर किराया नहीं चुका पाने और अजमान फ्री जोन द्वारा दायर लाइन नवीकरण उल्लंघन मामले में 60000 दिरहम से अधिक की देनदारी है। राघवन ने रविवार को दुबई के इस अंग्रेजी दैनिक से कहा, मुझपर यह देनदारी नहीं होती, अगर अजमान का कारोबार संभाल रहे मेरे रिश्तेदार ने भुगतान कर दिया होता और मुझे धोखा नहीं दिया होता। खबर के अनुसार उनपर दुबई के एक अस्पताल का।,40,000 दिरहम का कर्ज है जहां उनका इलाज हुआ था। वैसे दुबई के भारतीय वाणिज्य दूतावास के अनुरोध के बाद उन्हें अस्पताल से छुट्टी दे दी गई थी। राघवन कहते हैं कि वह जिंदगी के लिए संघर्ष कर रहे हैं क्योंकि उन्हें अपने किराए, भोजन एवं अन्य नियमित खर्च के अलावा दवाओं पर भी खर्च करना होता है।

पाकिस्तान में कोरोना वायरस के मामले 42, 000 के पार

इस्लामाबाद। पाकिस्तान में सोमवार को कोरोना वायरस से।,974 और लोगों के संक्रमित होने की पुष्टि हुई, जिसके बाद मुल्क में कोविड-19 के मामले 42,000 के पार चले गए। वहीं, करीब 30 और मौत के बाद मृतकों का आंकड़ा भी 903 पहुंच गया है। स्वास्थ्य मंत्रालय ने बताया कि 42,125 मामलों में से सबसे ज्यादा, सिंध में 16,377 मामले हैं। इसके बाद, पंजाब में 15,346, खैबर-पख्तूनख्वा में 6,661, बलोचिस्तान में 2,692, इस्लामाबाद में 947, गिलगित-बाल्तिस्तान में 540 और पाकिस्तान के कब्जे वाले कश्मीर में 112 मामले हैं। मंत्रालय के मुताबिक संक्रमण के।,974 नए मामले सामने आने के बाद देश में संक्रमण के कुल मामले 42,125 पर पहुंच गए। पिछले 24 घंटे में 30 लोगों की मौत हुई है जिसके बाद मृतकों की संख्या 903 हो गई है जबकि लोग 11,922 लोग पूरी तरह से ठीक हो चुके हैं। योजना मंत्री असद उमर ने कहा कि पाकिस्तान में इस वायरस के प्रसार को नियंत्रित करने के लिए प्रति दिन 30,000 जांच पर्याप्त होगी। फिलहाल प्रतिदिन 25,000 जांच की जा रही है। पाकिस्तान ने चरणबद्ध तरीके से घरेलू उड़ानों का संचालन शुरू कर दिया है।

ट्रेन्ड बाजार

पंकज त्रिपाठी ने की सोशल मीडिया की प्रशंसा

लंबे समय से सोशल मीडिया पर पंकज त्रिपाठी की उपस्थिति नहीं है। लेकिन कोरोना काल की बंदी के बाद अब उन्होंने अनुभव किया है कि इसके लाभ भी हैं। पंकज ने बताया, 'सोशल मीडिया से दूर रहना कठिन है। लेकिन लॉकडाउन काल में मैंने इसके लाभ अनुभव किये। मैं वैसे सोशल मीडिया पर अधिक सक्रिय होने के दुष्परिणामों से डरा रहता था क्योंकि मुझे इसमें सक्रिय रहने से मेरी अभिनय कला में किसी प्रकार का सुधार होता नहीं दिखता था।

पंकज का सदैव ये मानना रहा है कि सीखने की कोई सीमा नहीं होती। अभिनय की बात करें तो वो कबीर खान की '83' में दिखाई देंगे।

रॉबर्ट पैटिंसन को प्रिय है बैटमैन

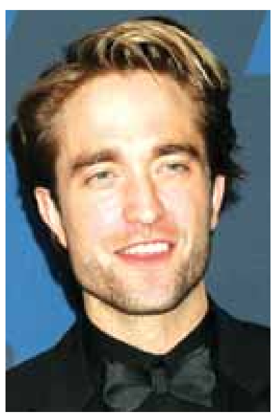

हॉलिवुड अभिनेता रॉबर्ट पैटिंसन का कहना है कि 'मुझे ये जानकर अच्छा लगता है कि बैट मैन चरित्र के कई अच्छे अवतार रहे हैं। लेकिन इस चरित्र को करने में भी काफी भिन्नता है ये जानकर मुझे आश्चर्य हुआ है। आपने ऐसा ही एक हल्का-फुल्का, मसखरा और पशुवत संस्करण भी देखा है। लेकिन इसमें मैं कहां हूं? ये विरासत है, है न? और मुझे ये प्रिय है।'

देर से उठने पर मनीषा को भी पड़ती है मां की डांट

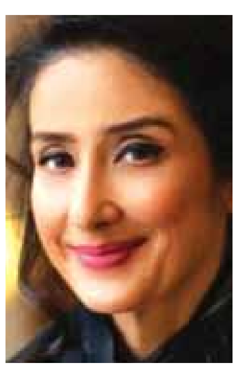

हिंदी फिल्मों की अभिनेत्री मनीषा कोइराला ने ट्वीट कर ये जानकारी दी है कि कोविड 19 से उनकी नींद का स्वरूप ही परिवर्तित हो गया है और अब तो मैं मध्यरात्रि के बाद तक जगती रहती हूं। उन्होंने कहा, 'ये छोटे बच्चों जैसा है जो सोने के लिए कभी तैयार ही नहीं होते।' उनके ट्वीट की प्रतिक्रिया में नेटीज़नों ने उन्हें कुछ सुझाव दे डाले।

एक ने उनसे उसकी मां से ये बताने के लिए निवेदन किया क्योंकि उसे हर दिन देर से उठने पर मां की डांट सुननी पड़ती है। मनीषा ने उत्तर में कहा कि उन्हें भी देर से उठने के लिए अपनी मां की डांट सुननी पड़ती है।

रीस विदरस्पून पुनः निभाएंगी रोमांटिक भूमिकाएं

अभिनेत्री रीस विदरस्पून नेटलिक्स पर फिल्म 'योर प्लेस ऑर माइन' तथा 'द कैक्टस' अब पुनः रोमांस जॉनर में वापसी करना चाहती हैं।

फिल्म में काम करने के अलावा वो अपने बैनर हेलो सनशाइन कंपनी के माध्यम से इसका निर्माण भी कर रही हैं।

अपने पूरे कॅरियर में विदरस्पून ने कई रोमांटिक हिट फिल्में की हैं इनमें 'स्वीट होम अलबामा, दिस मीन्स वॉर, प्लीज़ेंटविल और होम अगेन में वो ऐसा कर चुकी हैं।' योर प्लेस ऑर माइन लंबे समय तक मित्र रहे एक जोड़े के बारे में है। जब इनमें से एक ने अपने सपने को पूरा करने के फेर में दोनों के जीवन को परिवर्तन के द्वार पर ला खड़ा किया जबकि दूसरे मित्र ने उसके सपने को पूरा करने के लिए उसके पुत्र की देखभाल का दायित्व निभाया।

'बचपन से अब तक स्टेज पर ही काम किया है'

बीस साल के गायक यशराज मेहरा ने हाल ही में अपना एक एलबम 'आज़ाद हूं मैं' नाम से निकाला है। उनसे बात की हमारी संवाददाता शालिनी सक्सेना ने और उनकी अब तक की यात्रा, लोगों से सहयोग और देश में रैप संस्कृति की वर्तमान स्थिति जैसे विषयों पर उनके विचार जाने -

☆ रैप संगीत में आपकी रुचि कैसे जागृत हुई?

अपने स्कूल के दिनों से ही हम सभी मित्र एक दूसरे के घर जाते थे तो अधिकांशतया हम रैप ही सुनते थे। पहले ये 'एमिनेम' युग का पॉप और रैप का मिश्रण हुआ करता था लेकिन बाद में मैंने डांस क्लास भी ज्वाइन कर लिया और उसके बाद से तो हिपहॉप ही कर रहा हूं। वहीं से मेरी रुचि रैप संगीत में बढ़ गई।

☆ आप अपने बारे में हमें कुछ बताइये- आप कहां से हैं और अब आपकी संगीत यात्रा कैसी रही है?

मैं आज भी छात्र हूं और जयहिंद कॉलेज में बीएमएम द्वितीय वर्ष का छात्र हूं। सच कहूं तो मैं अपने पूरे जीवन में स्टेज पर ही रहा हूं पहले मैं मंच संचालन किया करता था और साथ में अभिनय भी कर लिया करता था। स्टेज पर रहना ही मेरी नियति बन गई है। पहले मैं कविताएं लिखता था और अब वो रैप में परिवर्तित हो गया है। मेरा पहला रैप गाना गली ब्वॉय फिल्म से पहले ही लिख दिया गया था। तब रैप के बारे में कम ही लोग जाना करते थे मैं भी इसे बस ऐसे ही देख रहा था। उस समय मैंने भारत में डिवाइन और नैज़ी के रैप को ही सुना था। मैं सदा से ही स्टेज़ पर रहा हूं और जब फिल्म बन रही थी तो उन लोगों ने कई एक्स्ट्राज़ की मांग रख दी। तभी मैं समझ गया था कि देश में रैप संगीत की अच्छी संभावना है और मुंबई में भी ये उतनी ही सघन मांग है। मैंने अपना पहला गाना रिलीज़ कर दिया तो मैं प्रतिस्पर्धा में पड़ गया और एक के बाद एक जिग्स करने लगा। इसके ही बाद मेरा अपने मैनेजर से मिलना हुआ और शेष आपके सामने है।

☆ ओपेन माइक वाले गाने कितने कठिन या कहें प्रतिस्पर्धी होते हैं?

मैं इस बात को पक्के रूप से जानता हूं कि यदि कोई हिपहॉप परिदृश्य का हिस्सा बनना चाहता है तो प्रतिस्पर्धा का सामना तो उसे करना ही होगा। अब इसमें लिरिक्स का अच्छा होना आवश्यक है और इसे सही ढंग से गाया भी जाना चाहिये। यदि किसी को ये जानना हो कि रैप परिदृश्य में वो कहा खड़ा है तो उन्हें भी इन आपेन माइक वाले रैप में जाना चाहिये। इसमें पूरी बात आपके रैप लेखन और उसे प्रस्तुत करने पर निर्भर रहती है। मनोवैज्ञानिक स्तर पर तो ये कठिन है लेकिन शारीरिक स्तर पर उतना कठिन नहीं हैं क्योंकि नए रैपर्स के लिए उपलब्ध मंचों की संख्या काफी है और उनके लिए अपनी प्रतिभा को प्रदर्शित करने के अवसरों की कोई कमी नहीं है।

☆ आपने हाल ही में तीन गानों की एक ईपी एलबम जारी की है। ये किस बारे में है?

इसमें उन्मुक्त मन को ही आधार बनाया गया है। जब धुंधलका या कहें भ्रम साफहोता है तो कैसे ये किसी के काम को प्रभावित करता है और संबंधों पर इसका कैसा प्रभाव पड़ता है। तब आपको सबकुछ सही ढंग से दिखने लगता है। इनके शीर्षकों-आज़ाद हूं मैं, सोते रहो और कैसे बदलेंगे, से ही इनकी विषय-वस्तु के बारे में पता चलता है। मैंने ये थीम इसीलिये चुनी क्योंकि मैं चाहता था कि गानों के बोल से ये पता चले कि स्थिति के संभालने के अलावा महत्वपूर्ण ये है कि ऐसी स्थिति में मैं कैसा अनुभव करूंगा।

☆ क्या रैप और गाने एक ही सिक्के के दो पहलू हैं?

ये एक मिथ्या धारणा है कि रैप और संगीत भिन्न हैं लेकिन ऐसा है नहीं। ये सच नहीं है। उदाहरण के लिए यदि मैं कोई छंद लिखता हूं तो इसका अर्थ ये है कि मैं रैप कर रहा हूं लेकिन इसका ये अर्थ नहीं है कि मैं रैप संगीत बना रहा हूं। रैप लेखन को संगीतमय बनाना हर रैपर का दायित्व है। रैप कोई भी लिख सकता है और इसके लिए बीट तैयार कर सकता है। लेकिन सच्चा रैपर तो अच्छा संगीत बनाएगा ही। मैं भी यही करने का प्रयास कर रहा हूं। दूसरे जॉनर से प्रेरित होकर अपना संगीत बनाऊं।

☆ ज़ेडेन और लॉस्ट स्टोरीज़ के साथ आप किस प्रकार का सहयोग करने जा रहे हैं?

इसके लिए मेरे मैनेजर ने बात की। मैं ऐसे ही लोगों की तलाश में हूं। उनसे सीखने के लिए ही मैं उनके साथ आया था। सहयोग इस बात पर था कि दोनों किस प्रकार से साथ रखे जा सकते हैं। दोनों एक दूसरे की मदद करके 'तेरे बिना' तथा 'ठंडी हवा 'रिमिक्स पर काम करें।

☆ आप अपने रैप के लिए विषय कहां से लेते हैं?

जब मैं रैप बनाता हूं तो मैं कोई कहानी नहीं सुना रहा होता हूं। मैं निर्धन परिवार से नहीं आता हूं और अब ऐसे स्थान पर हूं जहां से लोग मेरे अतीत के बारे में जानना चाहेंगे। मैं मध्यम वर्ग परिवार से आता हूं और संगीत के माध्यम से ही अपनी बात जनता के सामने रखता हूं। मेरे ऊपर कुछ गहन संगीत लिखने के लिए शोध आदि करने का दायित्व है। मैं अपने लेखन में और अधिक सुधार के प्रयास करते रहना चाहता हूं और यही कारण है कि मेरे विषय थोड़े अलग होते हैं।

☆ क्या आपके माता-पिता ने इसमें आपका समर्थन किया था?

जब माता-पिता देख लेते हैं कि बच्चा अपने चुने कॅरियर में आगे बढ़ रहा है तो वे उसका समर्थन करते ही है। मैंने यही बात उन्हें साबित करने का प्रयास किया है। मेरी मां मेरा पूरा समर्थन करती हैं। अभी मैं युवा हूं और मुझे बहुत दूर जाना है।

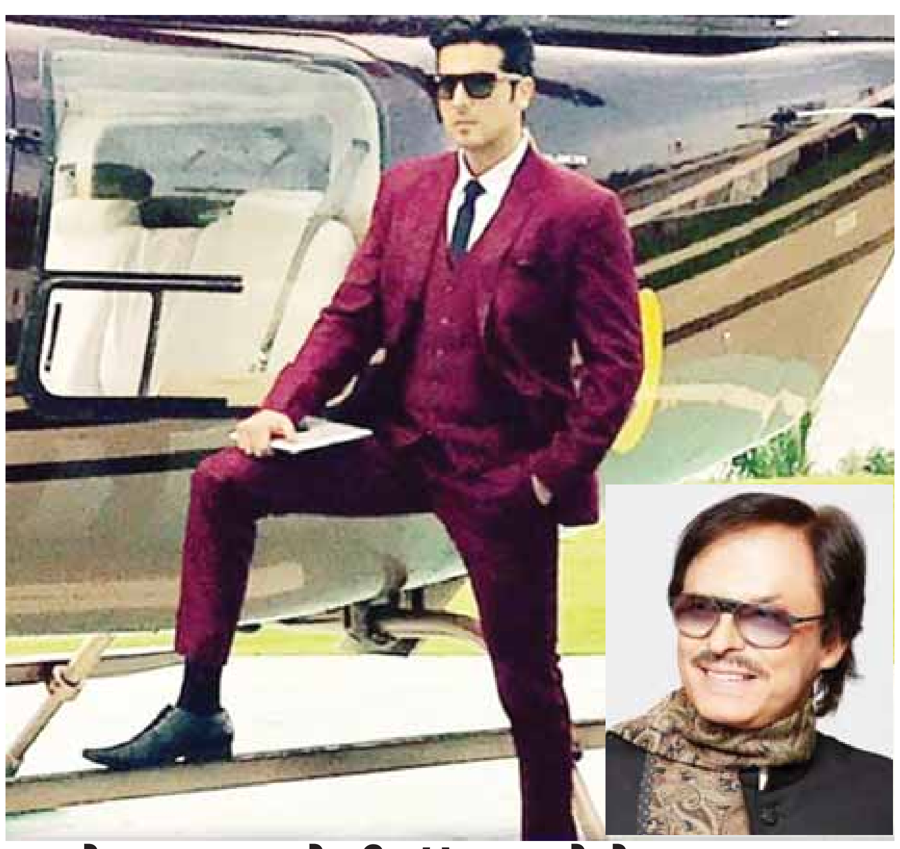

जायेद खान को रीलॉन्च करेंगे संजय खान, बोले- पिता होने के नाते मेरा फर्ज

अभिनेता जायेद खान एक्टिंग की दुनिया में कमबैक करने के लिए तैयार हैं। दरअसल, जायेद के पिता संजय खान उन्हें रीलॉन्च करना चाहते हैं। संजय अपने बेटे के साथ 1947 के भारत-पाकिस्तान युद्ध के नायक ब्रिगेडियर मोहम्मद उस्मान की बायोपिक बनाने की योजना बना रहे हैं। यह फिल्म एक वॉर ड्रामा होगी, जो शहीद की कहानी बयां करेगी, जिसने अपने देश पर अपनी जिंदगी कुर्बान कर दी। पहली बार जायेद को निर्देशित करने के बारे में बात करते हुए संजय ने बताया, वह फिल्म इंडस्ट्री के सबसे हैंडसम एक्टर्स में से एक हैं। एक पिता होने के नाते मेरा फर्ज है कि मैं उनके लिए एक फिल्म बनाऊं। फिल्म में दर्शक उन्हें रीडिस्कवर करेंगे। उन्होंने आगे बताया, मैं स्क्रिप्ट पर कड़ी मेहनत कर रहा हूं क्योंकि मैं इसे विश्वसनीय बनाना चाहता हूं। मैं भारतीय सेना की बहादुरी को दिखाना चाहता हूं, कि वे कैसे पर्याप्त तोपों और उपकरणों के बावजूद लड़े। जायेद ने 2003 में आई फिल्म 'चुरा लिया है तुमने' से बॉलीवुड डेब्यू किया था, लेकिन उन्हें फराह खान की 2004 की फिल्म 'मैं हूं ना' से पहचान मिली। फिल्म में उनके साथ सुपरस्टार शाहरुख खान नजर आए थे। फिल्मी पर्दे पर वे आखिरी बार 2015 की फिल्म 'शराफत गई तेल लेने' में नजर आए थे। इसके अलावा वे 2017 में टीवी शो 'हासिल' भी कर चुके हैं।

जब बीच गंगा में फंस गए थे सुनील लहरी, अरुण गोविल-दीपिका चिखलिया भी थे साथ

मुंबई। रामानंद सागर के सीरियल रामायण में लक्ष्मण की भूमिका में दिखे सुनील लहरी की मानें तो एक बार वे राम (अरुण गोविल) और सीता (दीपिका चिखलिया) के साथ गंगा के बीच में फंस गए थे। उनके मुताबिक, बात तब की है, जब वे वनवास के समय गंगा पार करने की सीक्वेंस शूट कर रहे थे। सुनील ने ट्विटर पर एक वीडियो साझा किया है, जिसमें वे सीरियल के बिहाइंड द सीन किस्से सुना रहे हैं।

कट न सुन पाने के कारण बीच गंगा में पहुंचे

सुनील बताते हैं कि सीक्वेंस की शूटिंग शुरू होने से पहले ही रामानंद सागर ने कह दिया था कि कट बोलते ही वापस आ जाएं। लेकिन उन्हें कट की आवाज सुनाई नहीं थी और वे नाव खेते-खेते वे बीच गंगा में पहुंच गए। फिर उन्होंने पलटकर देखा तो पता चला कि आधी यूनिट जा चुकी थी। ऐसे में खुद को बीच गंगा में पाकर वे थोड़ा घबरा गए थे। हालांकि, जब उन्होंने आवाज दी तो दो लोगों ने आकर उन्हें वहां से बाहर निकाला।

जब निषाद राज की धोती फट गई थी

दूसरा किस्सा भी इसी एपिसोड से जुड़ा तब का है, जब निषाद राज राम, लक्ष्मण और सीता को छोड़कर वापस लौटते हैं। जब निषाद को पता चलता है कि सुमंत्र अभी भी अयोध्या वापस नहीं गए हैं तो वे उनके पास जाते हैं और दोनों पेड़ के नीचे बैठकर बात करते हैं। यह सीक्वेंस फिल्माते वक्त निषाद का रोल कर रहे अभिनेता की धोती फट गई थी, जिसके बाद पूरा सेट ठहाकों से गूंज उठा था। नई धोती आने के बाद बाकी शूटिंग हो पाई थी।

एंटरटेनमेंट नं. 1 के लिए सर्वश्रेष्ठ प्रतिभा चुनने में वरुण को आ रही मुश्किल

मुंबई। बॉलीवुड के सुपरस्टार वरुण धवन, जो एक ऑनलाइन टैलेंट हंट शो के मेंटर हैं और शो को जज भी कर रहे हैं, उनका कहना है कि देश भर के हजारों युवाओं के प्रदर्शन ने उन्हें सर्वश्रेष्ठ में से सर्वश्रेष्ठ चुनने को लेकर मुश्किल में डाल दिया

है। शो का मेंटर होने के नाते वरुण ने कहा, एंटरटेनर नंबर 1 पर पिछले कुछ हफ्तों में हमने जो प्रदर्शन देखा है, वह वास्तव में शानदार हैं और बिल्कुल होश उड़ाने वाला है! मेरे लिए सबसे पसंदीदा को चुनना काफी मुश्किल है और इसके लिए मैं ऐप ब्राउज़िंग पर घंटों समय बिता रहा हूं। मैं यह देखने के लिए इंतजार नहीं कर सकता कि आने वाले हफ्तों में क्या होगा, मुझे यकीन है कि कुछ ब्लॉकबस्टर प्रदर्शन हमारे सामने आने वाले हैं! वरुण के साथ मिलकर फ्लिपकार्ट वीडियो पर यह स्टे-होम रियलिटी शो शुरू किया गया है। बॉलीवुड के उन सितारों में से एक, जो फिटनेस को प्रोत्साहित करते हैं वरुण ने कहा कि वह हाइड्रोमैन जयदीप गोहिल के अभिनय से काफी प्रभावित हैं।

वरुण ने कहा, संतुलन बनाए रखना और जिस तरह से वह पानी के नीचे मूवमेंट करते हैं, उसे करना बेहद मुश्किल है। मुझे कितना आश्चर्य होता है कि वह कितनी देर तक अपनी सांस रोकते हुए पूरी कोशिश करता है। यह निश्चित रूप से प्रतिभा का एक दुर्लभ संयोजन है जिसे मान्यता की आवश्यकता है।

कृति सेनन बढ़ा रहीं वजन, खा रहीं पूड़ी-हलवा

मुंबई। अभिनेत्री कृति सेनन आजकल मिमी में अपनी रोल के लिए वजन बढ़ा रही हैं। इस दौरान वो इतना खाना खा रही हैं कि उनका मन खाना से बिल्कुल उठ सा गया है। कृति फिल्म में रोल के लिए अबतक 15 किलो वजन बढ़ाने में कामयाब रहीं। कृति ने कहा, हमें गर्भावस्था के दृश्यों को शूट करना है और लक्ष्मण सर बहुत स्पष्ट थे कि उन दृश्यों के लिए वजन बढ़ाना आवश्यक है क्योंकि वह नहीं चाहते हैं कि यह चरित्र आर्टिफिसियल लगे। उन्होंने कहा, मुझे पता है मेरे लिए यह एक चुनौती है। मैं जानता हूं कि मुझे और भी कैलोरी बढ़ाने की जरूरत है, इसलिए मैंने पूरी तरह से वर्कआउट करना बंद कर दिया, यहां तक कि योग भी। मैं रोज सुबह नाश्ते में पूड़ी- हलवा, मिठाई, चना आदि का सेवन करती हूं। शुरू में मुझे बहुत अच्छा लगता था, लेकिन कुछ समय के बाद मेरा मन खाने से बिल्कुल ही हट सा गया है। मिमी एक यंग एक्सपायरिंग एक्ट्रेस की कहानी है, जो मंडावा की एक डांसर थी और कैसे वह एक दंपति के लिए सरोगेट बन जाती है। फिल्म का निर्देशन लक्ष्मण उटेकर ने किया है।

मैं बहुत बड़ी कडलर हूं : इलियाना डीक्रूज

मुंबई। अभिनेत्री इलियाना डीक्रूज ने अपनी मां समीरा डीक्रूज को गले लगाते हुए खुद की एक तस्वीर साझा की और कहा कि वह एक बहुत बड़ी कडलर हैं।

इलियाना ने मां-बेटी की प्यारी तस्वीर साझा करने के लिए इंस्टाग्राम का सहारा लिया। तस्वीर में इलियाना और उनकी मां कैमरे की ओर देखते हुए एक दूसरे को गले लगा रखा है।

रूस्तम अभिनेत्री पाउट बनाती नजर आ रही हैं। अभिनेत्री ने कहा, क्योंकि मेरी बेहद खूबसूरत मां के लिए सिर्फ एक दिन का जश्न काफी नहीं है। साथ ही मैं एक बहुत बड़ी कडलर हूं। मैं जब भी गले लगती हूं तो अजीबो-गरीब चेहरा बनाती हूं। हाल ही में इलियाना ने अपने परफेक्ट एब्स को फ्लॉन्ट किया था। इलियाना ने इंस्टाग्राम स्टोरीज पर स्पोर्ट्स ब्रा और योगा पैंट में अपने एब्स दिखाते हुए खुद का एक बूमरैंग वीडियो पोस्ट किया था।

तस्वीर के कैप्शन में उन्होंने लिखा था, वर्कआउट के बाद पसीने से तर-बतर। वहीं काम की बात करें तो इलियाना अब अभिषेक बच्चन के विपरीत द बिग बुल में नजर आएंगी। यह फिल्म 23 अक्टूबर को रिलीज होगी।

फराह ने ऑनलाइन इवेंट के लिए तैयार होने के बाद कहा, इंसान की तरह दिख रही हूं

मुंबई। कोरियोग्राफर-फिल्मकार फराह खान एक ऑनलाइन इवेंट के लिए तैयार हुईं और उसके बाद उन्होंने कहा कि आखिरकार इंसान की तरह दिख रही हूं। फराह खान ने इंस्टाग्राम पर अपनी एक तस्वीर पोस्ट की। तस्वीर में वह थोड़ा मेकअप में नजर आ रही हैं, उन्होंने बालों को ब्लो ड्राई किया है और फ्लोरल प्रिंट वाला काले रंग का टॉप पहन रखा है। फराह ने तस्वीर के साथ कैप्शन में लिखा, ऑनलाइन इवेंट के लिए लंबे समय बाद तैयार हुई। आखिरकार इंसान की तरह दिख रही हूं। कोई फिल्टर नहीं, कोई फोटोशॉप नहीं। फराह के दोस्तों और सहकर्मियों ने कमेंट सेक्शन में जाकर उनकी तरीफ की। अभिनेत्री तब्बू ने लिखा, उफ्फ। फिल्मकार पुनीत मल्होत्रा ने कमेंट किया, ये जवानी।